हिंदी दैनिक

# नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, बुधवार, 15 अक्तूबर 2025 | अंक 6/ वर्ष 7 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

शिवशंकर आयुर्वेदिक

क्या आप जोडे के दर्द से परेशान ही ?

• जोडों का दर्द • गठियावात • सन्धिशोध • सरवाइकल पेन पर Dr. B.A.M.S., M.D. अनुभवी चिकित्सक द्वारा चिकित्सा उपचार किया जाता है।

तथा दमा, अस्थमा, एलर्जी / सभी प्रकार के वात रोग/ लखवा/ स्त्रिरोग/ पुरूष के शुक्राणू दोष/ निसंतान/ किडनी स्टोन/ डायबिटीज से परेशान/ वेट लॉस/ वेट गेन/पिंपल्स/ फ्रेअरनेस/ स्किन प्रॉब्लेम/ पाईल्स/ एवं अन्य बिमारीयों पर भी उपचार किया जाता है।

नागपूर का भव्य शोरूम महाजन मार्केट के पास, टेम्पल बाजार, सिताबर्डी, नागपूर.

फोन 9112079000 / 8605245080

आयुर्वेदिक दवाईया तथा जडीबुटीयों का विशाल भंडार

## 6 करोड के इनामी नक्सल भूपति का 60 साथियों के साथ समर्पण

**गढ़चिरोली.**

### नक्सल आंदोलन का अंत?

राज्य सरकार की आत्मसमर्पण नीति के कारण नक्सल आंदोलन दिन-प्रतिदिन कमजोर होता जा रहा है। पिछले दो दशकों में गढ़चिरोली जिले में 700 से अधिक नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। भूपति जैसे केंद्रीय नेता के आत्मसमर्पण से नक्सल आंदोलन को गहरी चोट पहुँची है। दंडकारण्य के जंगलों में वर्षों से टिके नक्सल आंदोलन का अब अंत नजदीक है, ऐसा स्पष्ट संकेत भूपति के इस कदम से मिला है। सुरक्षा एजेंसियों में चर्चा है कि नक्सलवादियों के "जनयुद्ध" का यह अंत साबित हो सकता है।

लंबे समय तक नक्सल आंदोलन में सक्रिय रहकर पॉलिट ब्यूरो और केंद्रीय समिति तक पहुँचने वाले वरिष्ठ नक्सली नेता मल्लोजुला वेणुगोपाल उर्फ भूपति उर्फ सोनू ने आखिरकार अपने 60 साथियों के साथ गढ़चिरोली पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। उस पर विभिन्न राज्यों में मिलाकर 10 करोड़ रुपये से अधिक का इनाम घोषित था। सूत्रों के अनुसार,कल ही मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की मौजूदगी में वह औपचारिक रूप से हथियार डालने वाला है।

पिछले कुछ महीनों से गढ़चिरोली जिले में आत्मसमर्पण की श्रृंखला लगातार जारी है। जनवरी में भूपति की पत्नी और वरिष्ठ नक्सली नेत्री तारक्का ने भी आत्मसमर्पण किया था। इसलिए भूपति का आत्मसमर्पण इस पूरे क्रम का सबसे बड़ा और निर्णायक मोड़ माना जा रहा है।

हालाँकि इस आत्मसमर्पण की आधिकारिक पुष्टि पुलिस की ओर से अभी तक नहीं की गई है, लेकिन गढ़चिरोली पुलिस दल के सूत्रों ने इस घटनाक्रम की जानकारी दी है। बताया जा रहा है कि भूपति और उसका गुट फिलहाल पुलिस की सुरक्षा में है। सरकार की आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति के तहत उन्हें सुरक्षा की गारंटी दी गई है।

भूपति नक्सल संगठन का एक प्रभावशाली रणनीतिकार माना जाता है। वह कई वर्षों तक महाराष्ट्र–छत्तीसगढ़ सीमा क्षेत्र में कार्यरत एक प्लाटून का मार्गदर्शक रहा। लेकिन पिछले कुछ महीनों से उसका संगठन के शीर्ष नेतृत्व से मतभेद बढ़ गए थे। भूपति ने "सशस्त्र संघर्ष असफल साबित हुआ है, अब संवाद ही एकमात्र रास्ता है" ऐसा कहते हुए संघर्ष विराम का आह्वान किया था। उसने अपने एक पत्र में लिखा था कि "जनाधार घट चुका है, सैकड़ों साथी मारे गए हैं इसलिए अब संघर्ष नहीं, संवाद ही समाधान है।" उसकी इस सोच का कुछ नक्सल नेताओं ने विरोध किया।

संगठन के महासचिव थिप्पारी तिरुपति उर्फ देवजी के नेतृत्व में एक धड़ा संघर्ष जारी रखने के पक्ष में था। लेकिन केंद्रीय समिति ने अंततः भूपति पर दबाव डालते हुए उसे हथियार छोड़ने के निर्देश दिए। इसके बाद भूपति ने संगठन से अलग होने की घोषणा की और अपने साथियों के साथ गढ़चिरोली पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

## ट्रक की टक्कर में दो सगे भाईयों की मौत..

**गढ़चिरोली.** शहर के आरमोरी मार्ग पर स्थित प्लैटिनम स्कूल के पास दर्गा के सामने आज दोपहर करीब 12:30 बजे भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें दो सगे भाइयों की मौके पर ही मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, पुरुषोत्तम बाबूराव बारसागडे (40) और अंकुश बाबूराव बारसागडे (35), निवासी सुभाष वार्ड, गढ़चिरोली- यह दोनों भाई MH-33-R-7789 नंबर की मोटरसाइकिल से खेत से गढ़चिरोली की ओर घर लौट रहे थे। इसी दौरान आरमोरी की ओर जा रहे MH-34-BG-8657 नंबर के मालवाहक ट्रक ने उनकी बाइक को सामने से जोरदार टक्कर मारी।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों भाइयों की मौके पर ही मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे से पूरे इलाके में शोक की लहर फैल गई है। मृतकों के परिवार पर दुःख का पहाड़ टूट पड़ा है। पुरुषोत्तम अपने पीछे पत्नी, एक बेटा और बेटी छोड़ गए हैं, जबकि अंकुश अपने पीछे पत्नी और एक बेटे को छोड़ गए हैं। महेश माणिक पुरी (32, निवासी चंद्रपुर) नामक ट्रक चालक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। मामले की जांच गढ़चिरोली पुलिस कर रही है। गड्ढों के कारण हुआ हादसा? स्थानीय सूत्रों के अनुसार, यह हादसा सड़क पर बने गहरे गड्ढों से बचने के प्रयास में हुआ। आरमोरी मार्ग पर जगह-जगह सड़क बुरी तरह क्षतिग्रस्त है और आए दिन यह गड्ढे नागरिकों के लिए जानलेवा साबित हो रहे हैं। कुछ दिन पहले ही जिलाधिकारी ने निर्देश जारी किए थे कि अगर गड्ढों के कारण कोई दुर्घटना होती है, तो संबंधित विभाग को दोषी ठहराया जाएगा। इसलिए इस मामले में अब जिम्मेदारी किसकी ठरती है, यह देखने योग्य रहेगा। आरमोरी रोड नागरिकों के लिए बनी मौत का रास्ता... इंदिरा गांधी चौक से आरमोरी मार्ग तक का सड़क मार्ग कई जगहों पर पूरी तरह टूट चुका है। नागरिकों का कहना है कि प्रशासन आम जनता की सुरक्षा को पूरी तरह नजरअंदाज कर रहा है। जब कोई बड़ा नेता या मंत्री जिले में आता है, तब इस मार्ग की तात्कालिक मरम्मत की जाती है, लेकिन आम लोगों की सुरक्षा की चिंता किसी को नहीं होती। एक ओर मुख्यमंत्री और जिले के पालक मंत्री जिले को "स्टील हब" बनाने की घोषणाएं करते हैं, लेकिन जिला मुख्यालय की यह जर्जर सड़क नागरिकों की जान के लिए खतरा बनी हुई है। नागरिकों का कहना है, "पालक मंत्री केवल हवाई दौरे करते हैं, लेकिन कभी खुद आकर सड़कों की हालत देखने क्यों नहीं आते?"

## बस में आग लगने से लगभग 18 लोगों की मौत

**जैसलमेर.**

### शॉर्ट सर्किट से लगी आग, बस में सवार थे 57 लोग

पुलिस के अनुसार, बस में कुल 57 यात्री सवार थे. आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही की जाएगी. आग इतनी भीषण थी कि कुछ ही मिनटों में बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई. घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग भी मदद के लिए दौड़े. हादसे के बाद नेशनल हाईवे पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और यातायात कुछ समय के लिए प्रभावित रहा.

जैसलमेर में दर्दनाक सड़क हादसे में अब तक 20 यात्रियों की मौत की खबर सामने आ रही है. यह हादसा मंगलवार दोपहर वार म्यूजियम के पास हुआ, जब जोधपुर जा रही एक निजी बस अचानक आग का गोला बन गई. देखते ही देखते बस पूरी तरह लपटों में घिर गई और यात्रियों में चीख-पुकार मच गई. कुछ ही मिनटों में मौके पर पुलिस, प्रशासन और सेना के जवान पहुंच गए. राहत और बचाव कार्य में स्थानीय लोग भी शामिल हुए. बस से कई यात्रियों को बाहर निकाला गया, जिनमें से गंभीर रूप से झुलसे लोगों को तुरंत अस्पताल भेजा गया. 10 एम्बुलेंस में 16 घायलों को लाया जा रहा जोधपुर. आखिरी एम्बुलेंस देचू से हुई पार. थोड़ी देर में एम्बुलेंस के आने का सिलसिला होगा शुरू. जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश प्रथम मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ बीएस जोधा सभी अस्पताल में मौजूद.

जैसलमेर बस में हादसा मामले में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली का बड़ा बयान सामने आया है. टीकाराम ने घटना पर सरकार को घेरते हुए कहा कि आंकड़े छुपाए जा रहे हैं. लापरवाही के आरोप लगाते हुए जूली ने कहा कि मॉनिटरिंग अभाव है. आरोप लगाते हुए कहा कि इन घटनाओं ने सिस्टम की नाकामी उजागर हुई है.मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ बीएस जोधा के अनुसार, जोधपुर से जैसलमेर डीप फ्रिज भेजे जा रहे हैं. मृत देह को रखने के फ्रिज को भेजा जा रहा जैसलमेर. एक फ्रिज में 6 बॉडी रख सकते हैं. इसके अलावा सिंगल बॉडी फ्रिज भी भेजे जाएंगे.

**प्रशासन ने संभाली स्थिति, मुख्यमंत्री ने जताया दुखः** घटना की सूचना मिलते ही अतिरिक्त जिला कलेक्टर परसराम, एएसपी कैलाशदान जुगतावत और अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे. जिला प्रशासन ने कंट्रोल रूम स्थापित कर हेल्प डेस्क जारी की है ताकि परिजनों को जानकारी दी जा सके. मौके पर बचाव और राहत कार्य तेजी से जारी हैं.

**सीएम भजनलाल ने जताया गहरा दुखः** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जैसलमेर बस हादसे पर गहरा दुख जताया है. उन्होंने घायलों को बेहतर से बेहतर इलाज उपलब्ध कराने और पीड़ितों को हर संभव सहायता मुहैया कराने के निर्देश दिए हैं. मुख्यमंत्री ने जैसलमेर के कलेक्टर और एसपी से फोन पर बात कर हादसे की पूरी जानकारी ली और राहत कार्यों की निगरानी शुरू कर दी है. सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा स्वयं भी जैसलमेर पहुंच सकते हैं और मौके का जायजा लेकर राहत कार्यों की समीक्षा कर सकते हैं.

**जैसलमेर पहुंचे सीएमः** राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा विशेष विमान से जैसलमेर पहुंच गए हैं. उनके साथ चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर भी हैं, एयरपोर्ट से सीएम सीधे जैसलमेर बस हादसे के घटनास्थल के लिए रवाना हो गए. इसके बाद वहां से वह जोधपुर जाएंगे, जहां पर गंभीर रूप से झुलसे लोगों से मुलाकात करेंगे.

**हादसे पर सीएम भजनलाल ने क्या कहाः** सीएम भजनलाल शर्मा ने सोशल मीडिया पर लिखा कि जैसलमेर में बस में लगी आग की घटना अत्यंत हृदयविदारक है. इस दुखद हादसे से प्रभावित नागरिकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं. संबंधित अधिकारियों को घायलों के समुचित उपचार एवं प्रभावितों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं. प्रभु श्रीराम दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान दें. राज्य सरकार प्रभावित परिवारों के साथ है और उन्हें हर संभव सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है.

### कहा-जहां कहीं दिखें, सूचना दें

## जहर हैं ये 3 कफ सिरप, अब डब्लूएचओ ने दी वॉर्निंग

**नई दिल्ली.** भारत में मिलावटी खांसी का सिरप पीने से हुई 22 बच्चों की मौतों पर संज्ञान लेते हुए अब वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन ने 3 कफ सिरप को लेकर चेतावनी दी है. इसमें जहरीला कोल्ड्रिफ सिरप भी शामिल है, जिसकी वजह से मध्य प्रदेश के छिंदबाड़ा में बच्चों की मौतें हुई हैं. डब्ल्यूएचओ ने सभी अथॉरिटीज से कहा है कि देश में अगर कहीं भी ये सिरप दिखाई दें तो तत्काल हेल्थ एजेंसी को रिपोर्ट करें.

ग्लोबल हेल्थ एजेंसी ने श्रीसन फार्मा की कोल्ड्रिफ, रेडनेक्स फार्मा की रेस्पिफ्रेश टीआर और शेप फार्मा की रिलाइफ सिरप के कुछ विशेष बैचों की पहचान की है, जिनमें मिलावट पाई गई है. रॉयटर्स न्यूज एजेंसी के अनुसार डब्ल्यूएचओ का कहना है कि ये सरिप स्वास्थ्य के लिए बड़े खतरे पैदा कर सकते हैं और कई गंभीर व जानलेवा बीमारियों का कारण बन सकते हैं. जांच में खांसी के इन सिरपों में डायथिलीन ग्लाइकोल (डीईजी) नाम का जहरीला कैमिकल भारी मात्रा में पाया गया है. जो एक रंगहीन और गंधहीन रसायन है, इसका उपयोग सिरप को मीठा करने के लिए किया जाता है. जबकि इसका उपयोग मानव उपभोग के लिए नहीं किया जा सकता है.

गौरतलब है कि डब्ल्यूएचओ की इस चेतावनी से पहले ही भारत में इन 3 सिरपों को बैन कर दिया गया है.

हाल ही में केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने विश्व स्वास्थ्य संगठन को सूचित भी किया

था कि इन तीनों ही सिरप को सभी मेडिकल स्टोर्स से वापस मंगा लिया गया है और निर्माताओं को इनका उत्पादन रोकने का आदेश दिया गया है. इससे पहले सीडीएससीओ ने बुधवार को डब्लूएचओ को बताया था कि इनमें से किसी भी कफ सिरप का भारत से दूसरे देशों में निर्यात नहीं किया गया है. सीडीएससीओ ने आगे बताया था कि एमपी में जिन बच्चों की मौत हुई है, उनमें 5 साल से कम उम्र के बच्चे शामिल हैं, जिन्होंने कोल्ड्रिफ सिरप पीया था.

वहीं जांच में पता चला कि इस सिरप में स्वीकृत मात्रा के मुकाबले 500 फीसदी ज्यादा स्वीकृत डायथिलीन ग्लाइकोल पाया गया है. हालांकि भारत सरकार ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को एडवाइजरी जारी कर खांसी का सिरप प्रिस्क्राइब करने से पहले सावधानी बरतने की सलाह दी है साथ ही कहा है कि जो सिरप आमतौर पर 5 साल तक के बच्चों के लिए प्रिस्क्राइब नहीं किया जाता है उसे किसी भी कीमत र 2 साल से कम उम्र के बच्चों को न दिया जाए.बता दें कि कोल्ड्रिफ का उत्पादन तमिलनाडु स्थित श्रीसन फार्मास्युटिकल निर्माता द्वारा किया गया था.

### राष्ट्रपति भागे, सेना ने संभाली कमान

## जेन जेड आंदोलन से अब मेडागास्कर में हुआ तख्तापलट

**नई दिल्ली/ मेडागास्कर.**

नेपाल के बाद जेन जेड आंदोलन ने अब अफ्रीका के पूर्वी तट पर स्थित द्वीपीय देश मेडागास्कर में सरकार को सत्ता से बेदखल कर दिया है. महीनों से चल रहे सरकार विरोधी प्रदर्शनों और नेशनल असेंबली द्वारा महाभियोग प्रस्ताव पारित करने के बाद, राष्ट्रपति एंड्री राजोएलिना देश छोड़कर भाग गए हैं. इसके तुरंत बाद, मंगलवार को सेना ने देश की सत्ता संभालने का ऐलान कर दिया.

एलीट कपसत यूनिट के कमांडर कर्नल माइकल रांद्रिआनीरिना ने राष्ट्रीय रेडियो पर घोषणा की कि राष्ट्रपति के भाग जाने और महाभियोग वोट के बाद सेना ने "सत्ता अपने हाथ में ले ली है". सेना ने संसद के निचले सदन को छोड़कर सभी संस्थाओं को भंग कर दिया है. उन्होंने कहा कि जल्द ही सेना और जेंडरमेरी अधिकारियों की एक परिषद नागरिक सरकार बनाने के लिए एक प्रधानमंत्री नियुक्त करेगी.

51 वर्षीय राष्ट्रपति एंड्री राजोएलिना ने महाभियोग की कार्यवाही को रोकने के लिए नेशनल असेंबली को अध्यादेश द्वारा भंग करने की कोशिश की थी, लेकिन उनकी यह चाल उलटी पड़ गई. सेना और सुरक्षाबलों के बड़े हिस्से ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने से इनकार करते हुए विद्रोह कर दिया. घंटों बाद, राष्ट्रपति राजोएलिना एक फ्रांसीसी सैन्य विमान से मेडागास्कर से भाग गए.

हालांकि, उनके कार्यालय ने उनके भागने से इनकार करते हुए कहा कि वह जान के खतरों के कारण केवल "एक सुरक्षित स्थान" पर चले गए हैं. यह नाटकीय घटनाक्रम लगभग तीन सप्ताह से चल रहे युवा-नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों का परिणाम है. 25 सितंबर को अनियमित पानी और बिजली आपूर्ति को लेकर शुरू हुए ये विरोध प्रदर्शन जल्द ही भ्रष्टाचार, कुप्रबंधन और गरीबी के प्रति सरकार की उदासीनता के खिलाफ राष्ट्रव्यापी आंदोलन में तब्दील हो गए. जेन झेड के इन प्रदर्शनकारी जापानी ऐनिमे वन पीस के झंडे और मालागासी तिरंगे के साथ सड़कों पर उतरे.

## दोहा से हांगकांग जा रही फ्लाइट की अहमदाबाद में इमरजेंसी लैंडिंग

**अहमदाबाद.** गुजरात के अहमदाबाद एयरपोर्ट पर एक अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट में तकनीकी खराबी के बाद आपात लैंडिंग कराई गई है। यह फ्लाइट दोहा से हांगकांग जा रही थी। शुरुआती जानकारी में बताया गया है कि तकनीकी खराबी के कारण विमान की आपातकालीन लैंडिंग हुई है। अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमान को सेफ्ली लैंड कराया गया है। एहतियात के तौर पर हवाई अड्डे पर अग्निशमन विभाग स्टैंड बाय रखा गया। सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय (एसवीपीआई) के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा है कि दोहा से हांगकांग जा रहे एक विमान में तकनीकी खराबी के कारण 14 अक्टूबर 2025 को दोपहर 14:12 बजे अहमदाबाद हवाई अड्डे पर विमान की लैंडिंग के लिए पूर्ण आपातकाल घोषित कर दिया गया। विमान दोपहर 14:32 बजे सुरक्षित रूप से उतर गया और दोपहर 14:38 बजे पूर्ण आपातकाल हटा लिया गया। हवाई अड्डे का संचालन अप्रभावित रहा।

## जेडीयू ने एनडीए में फंसा दिया नया पेच, अब मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर रख दी शर्त

**पटना.** बिहार में एनडीए में सीट शेयरिंग का मामला अभी फंसा ही हुआ है. इस बीच जेडीयू ने एनडीए में एक नया पेच फंसा दिया है. पार्टी ने सीएम फेस को लेकर बड़ी शर्त रख दी है. सूत्रों के मुताबिक, जेडीयू ने शर्त रखी है कि नीतीश कुमार को बीजेपी समेत एनडीए के दल औपचारिक रूप से सीएम का चेहरा घोषित करें. सूत्रों ने बताया कि जेडीयू का मानना है कि ये कहना है कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ेंगे, इससे काम नहीं चलेगा. एक तरफ बीजेपी ने पहली लिस्ट जारी की तो दूसरी तरफ जेडीयू ने अपने उम्मीदवारों के नाम की घोषणा किये

बिना ही सिंबल देना शुरू कर दिया है. दर्जनभर से ज्यादा उम्मीदवारों को सिंबल दिये गये हैं. कई लोगों ने नामांकन कर दिया है. बताया ये जा रहा है कि ऐसा इसलिए हो रहा क्योंकि नीतीश कुमार नाराज हैं. इसकी वजह चिराग पासवान को मिली 29 सीटें हैं. सीट बंटवारें से नीतीश कुमार की नाराजगी की खबर है. जेडीयू की परंपरागत सीट एलजेपी को जाने की अटकलें हैं. सीएम हाउस में नीतीश कई दौर की बैठक ली. सूत्रों की मानें तो कई सीट पर नीतीश कुमार की सहमति नहीं हैं. सूत्रों ने ये भी दावा किया कि जुड़वा भाई वाला फॉर्मूले भी नीतीश को नापसंद हैं. नीतीश कुमार बड़े भाई की भूमिका चाहते हैं. एनडीए में जो सीट शेयरिंग की घोषणा हुई है उसके तहत बीजेपी और जेडीयू बराबर-बराबर 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ेंगी.

## कांग्रेस-राज ठाकरे गठबंधन पर सस्पेंस बरकरार

**मुंबई.** कांग्रेस ने राज ठाकरे की पार्टी मनसे के साथ गठबंधन से इनकार कर दिया है और बीएमसी समेत अन्य स्थानीय निकाय चुनाव अकेले लड़ने का ऐलान कर दिया है। दरअसल, उद्धव ठाकरे गुट के शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा था कि राज ठाकरे चाहते हैं कि कांग्रेस उनके साथ गठबंधन में रहे।

इसके जवाब में कांग्रेस ने साफ कह दिया कि वो फिलहाल राज ठाकरे के साथ गठबंधन के मूड में नहीं हैं। महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रभारी रमेश

चेन्नीथला ने साफ किया है कि कांग्रेस का फिलहाल महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) से कोई गठबंधन नहीं होगा और पार्टी आगामी स्थानीय निकाय चुनाव अपने दम पर लड़ेगी। चेन्नीथला ने कहा कि राज ठाकरे की पार्टी को एमवीए में लेने या उनसे गठबंधन की कोई चर्चा कांग्रेस में नहीं हुई है। हम फिलहाल कोई गठबंधन नहीं कर रहे हैं। भविष्य में क्या होगा कहना मुश्किल है, लेकिन इस समय एमएनएस के साथ गठबंधन का कोई विचार नहीं है।

उन्होंने आगे कहा कि एमवीए (महा विकास आघाडी) के भीतर कई मतभेद हैं और कांग्रेस के कार्यकर्ता चाहते हैं कि पार्टी स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़े। स्थानीय स्तर पर निर्णय लेने की छूट दी गई है। जो सुझाव आएंगे, उन्हें हाईकमान को भेजा जाएगा और अंतिम निर्णय वहीं से होगा। वहीं अमरावती में निकाय चुनाव को लेकर बीजेपी ने समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भाजपा की चुनावी समीक्षा बैठक के बाद कहा कि आगामी चुनावों के लिए पूरी मशीनरी तैयार है। प्रदेशाध्यक्ष ने चुनावी बैठकों की पृष्ठभूमि पर आयोजन किए हैं। जहां गठबंधन संभव होगा, वहां गठबंधन करेंगे और जहां नहीं होगा, वहां स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ेंगे। फडणवीस ने कहा कि कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए गए हैं कि अगर किसी जगह गठबंधन नहीं होता.

# कांतारा ने सेट कर दिया मिथक का ट्रेंड

कन्नड़ अभिनेता ऋषभ शेट्टी की फिल्म कांतारा चैप्टर 1 ने एक बार फिर बॉक्स ऑफिस के समीकरण बदल दिए हैं. फिल्म की कमाई से लेकर इसकी कहानी और किरदार तक के बारे में नई बहस शुरू हो गई है. दो साल पहले जब कांतारा का पहला भाग आया था तब भी यह मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया था. जबकि इस फिल्म की कहानी क्षेत्रीय से भी एक कदम आगे बढ़कर एकदम आंचलिक है. देश तो दूर की बात, पूरे कर्नाटक के लोग भी इसमें दिखाए गए रीति-रिवाज और मिथक कथा को ठीक से नहीं जानते. लिहाजा यह प्रादेशिक न होकर विशुद्ध आंचलिक सिनेमा है. तो एक आंचलिक फिल्म आखिर पैन इंडिया कैसे पॉपुलर हो गई. चर्चा के केंद्र में यह मुद्दा सबसे अहम है. इसमें रोचकता है और रहस्य-रोमांच भी.गौरतलब है कि कांतारा की कहानी, कैरेक्टर्स, गेटअप, बैकड्रॉप, इतिहास, मिथक, एक्शन, रोमांस, कॉमेडी आदि सबकुछ लोगों को खूब पसंद आ रहा है. एक कन्नड़ फिल्म के हिंदी डब में भी उत्तर भारत के दर्शक भरपूर आनंद उठा रहे हैं. इस फिल्म के लेखक, अभिनेता और निर्देशक खुद ऋषभ शेट्टी हैं, जिन्होंने इन तीनों ही विभागों में समान रूप से सक्रियता दिखाकर इंडस्ट्री के दिग्गजों को चौंका दिया है. राम गोपाल वर्मा जैसे निर्देशक भी ऋषभ के मुरीद हो गए हैं. सिल्वर स्क्रीन पर घना जंगल और घुप्प अंधकार के साथ ज़मीन और जिंदगी की लड़ाई को हजारों साल पुराने मिथक से जोड़कर सफलतापूर्वक प्रस्तुत करना, इतना आसान नहीं.

इस मामले में कांतारा ने एक मानक तैयार कर दिया है लेकिन इतिहास में झांकें तो ऐसा पहली बार नहीं हुआ. भारतीय सिनेमा में दर्शकों ने पहले भी कई बार क्षेत्रीय ग्रामीण और आंचलिक लोक कथाओं को खूब पसंद किया है. दक्षिण का सिनेमा ऐसे नजरों से भरा पड़ा है. कांतारा के समानांतर ही अगर आप अल्लू अर्जुन की पुष्पा के दोनों भागों को याद करें तो इसकी लोकप्रियता का राज भी यही देसीपन प्रतीत होता है. भारतीयता की पहचान इसी देसीपन में है. देसीपन की नाटकीयता में भरपूर मनोरंजन छिपा होता है. पुष्पा की कहानी में भी जंगल है, नदी है, झरना है, गांव है और वहां के रीति रिवाज का मनोरंजन था.

# 'पुष्पा 2' के चक्कर में प्रभास को हुआ नुकसान

प्रभास का इस वक्त पूरा फोकस सिर्फ एक तरफ है, वो है- द राजा साब. मारुति की फिल्म को काफी पहले ही रिलीज किया जाना था, पर मामला बुरी तरह अटक गया. 2024 में प्रभास की पिछली फिल्म आई थी. 'कल्कि 2898 एडी' के बाद इस साल एक पिक्चर में कैमियो किया. अब सीधा अगले साल जनवरी में फिल्म को रिलीज किया जाएगा. प्रभास ने फिल्म दी राजा सब की रिलीज डेट भी बता दी है. लेकिन इस साल दो बार क्यों प्रभास की पिक्चर को पोस्टपोन किया गया. पहले 10 अप्रैल और फिर 5 दिसंबर को फिल्म आने वाली थी. फिर कहा गया कि क्लैश के चक्कर में वो रास्ते से हटे हैं. पर अब फिल्म के प्रोड्यूसर ने सच बता दिया है. फिल्म के प्रोड्यूसर ने दावा किया कि सुपरवाइजर ने 'द राजा साहब' का पूरा काम छोड़ दिया, क्योंकि वो एक और बड़े प्रोजेक्ट 'पुष्पा 2: द रूल' में बिजी हो गए थे. इससे हमारी पूरी टीम मुश्किल में पड़ गई. हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब सुपरवाइजर ने ऐसा कुछ किया हो. उन्हें कुछ वक्त पहले एसएस राजामौली की फिल्म से भी निकाल दिया गया था. साथ ही पलटवार करते हुए कहा- किसी दिन, मैं उसे दिखा दूंगा कि उसकी जबरन वसूली की कितनी फीस है. हालांकि, यह कोई पहली बार नहीं है, जब पीपल मीडिया फैक्ट्री की कोई फिल्म रिलीज में देरी हुई हो. 2022 की हिट फिल्म 'कार्तिकेय 2' भी अपनी रिलीज से पहले कई बार पोस्टपोन हो चुकी है. हालांकि, रेडिट पर लोग कमल कन्नन का नाम कह रहे हैं.

# बिग बी ने दिखाई अपनी लबूबू डॉल की झलक

लाबूबू डॉल ने दुनिया भर में धूम मचा दी है, और सेलिब्रिटी भी इस वायरल क्रेज से अछूते नहीं हैं. अनन्या पांडे, शिल्पा शेट्टी, उर्वशी रौतेला, ट्विंकल खन्ना समेत कई बॉलीवुड सेलेब्स के पास वायरल लाबूबू डॉल को देखा गया है. अब इस लिस्ट में बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन का नाम भी शामिल हो गया है. बिग बी भी इस वायरल लाबूबू क्रेज में शामिल हो गए हैं और उन्होंने हाल ही में अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी कार से लबूबू डॉल का वीडियो पोस्ट किया.अमिताभ बच्चन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी कार से एक वीडियो पोस्ट किया.

इस छोटी सी क्लिप में कार के आगे एक लाबूबू गुड़िया लटकी हुई दिखाई दे रही है. बॉलीवुड के महानायक ने अपनी नई कार एक्सेसरी दिखाते हुए कहा, देवियों और सज्जनों, लाबूबू पेश करते हुए. अब मेरी कार में उनकी आवाज़ में थोड़ी मस्ती के साथ. अपने कैप्शन में बिग बी ने कई लबूबू के हैशटैग का भी इस्तेमाल किया. जबकि एक फैन ने टिप्पणी की, सर आपको भी लबूबू पसंद है?, एक अन्य ने लिखा, सर आप इन चीजों पर विश्वास करते हैं? एक तीसरे यूजर ने कमेंट में लिखा, हमने अमिताभ सर को जीतिए 6 से पहले लबूबू के बारे में ट्वीट करते हुए सुना था, जबकि एक अन्य ने लिखा, ये आप भी रखते हो.

अमिताभ बच्चन ने 11 अक्टूबर को अपना 83वां जन्मदिन मनाया. इस खास अवसर पर, वह शनिवार शाम को अपने आवास जलसा के बाहर जम फैन्स का अभिवादन करने पहुंचे. काम की बात करे, तो अमिताभ बच्चन को आखिरी बार रजनीकांत की फिल्म 'वेट्टैयां' में फहद फासिल, राणा दग्गुबाती, मंजू वारियर और रितिका सिंह जैसे कलाकारों के साथ पर्दे पर देखा गया था. यह फिल्म पिछले साल अक्टूबर में सिनेमाघरों में रिलीज़ हुई थी.

# जाह्नवी से आलिया तक, हर लुक है इंस्पिरेशन

फेस्टिव सीजन चल रहा है, दिवाली बस कुछ ही दिनों में आने वाली है, और यह भी सच है कि इस त्यौहार पर हर कोई खास दिखना चाहता है, तो अगर आप भी इस दिवाली कुछ अलग ट्राई करना चाह रहीं हैं, तो आलिया भट्ट से लेकर जाह्नवी कपूर तक के इन आउटफिट्स से टिप्स ले सकती हैं. चलिए जानते हैं किन एक्ट्रेसेस से ली जा सकती है दिवाली स्टाइल इंस्पिरेशन. बॉलीवुड की यंग डिवा प्रतिभा रांटा का ये लुक तो दिल जीत लेने वाला है, इसमें ट्रेडिशनल और स्टाइलिश दोनों का परफेक्ट बेलेंस देखने को मिल रहा है. पेरट ग्रीन कलर की डिजाइनर साड़ी को उन्होंने मैचिंग ब्लाउज और स्टेटमेंट ईयररिंग्स के साथ स्टाइल किया है. अगर आप ग्रेसफुल दिखना चाहती हैं, तो ये लुक बेस्ट रहेगा. कृति सेनन का ये पिंक एंब्रॉयड्री वर्क साड़ी लुक दिवाली पार्टी के लिए परफेक्ट है. बोट नेक ब्लाउज और स्मोकी आई मेकअप के साथ आप भी ये स्टाइल रीक्रिएट कर सकती हैं. यह लुक ट्रेडिशनल में मॉडर्न टच जोड़ने का शानदार तरीका है.अगर आप सिंपल लेकिन ग्लैमरस दिखना चाहती हैं, तो आलिया भट्ट का ये ओलिव ग्रीन शिमरी साड़ी लुक ट्राय करें. सॉफ्ट मेकअप और मिनिमल ज्वेलरी के साथ ये लुक आपको देगा परफेक्ट 'देसी डिवा' वाइब.अनन्या पांडे का ग्रीन साड़ी वाला यह स्टाइल है कम्फर्टेबल और ग्लैम दोनों. मेसी बन और स्मोकी आईज के साथ आप भी इस मॉडर्न फेस्टिव स्टाइल को अपना सकती हैं. जाह्नवी कपूर ने व्हाइट स्कर्ट और गोल्डन हॉल्टर नेक ब्लाउज के साथ फेस्टिव फैशन का नया गोल सेट कर दिया. ब्रेड हेयरस्टाइल और ग्लॉसी मेकअप के साथ उनका ये लुक दिवाली नाइट के लिए परफेक्ट इंस्पिरेशन है.

# छत्तीसगढ़ में सपना चौधरी के शो के बाद हंगामा

मशहूर हरियाणवी डांसर सपना चौधरी का रविवार को छत्तीसघढ़ के कोरबा में एक कार्यक्रम था. कोरबा में पहली बार सपना अपनी परफॉर्मेंस देने पहुंची थीं, लेकिन पहला ही कार्यक्रम विवादों में घिर गया. कार्यक्रम के बाद जब सपना चौधरी अपने कमरे में आराम कर रही थीं, तभी चार लोगों ने दरवाज़ा तोड़ने की कोशिश की, गाली-गलौच की और गोली मारने की धमकी तक दे डाली. सपना चौधरी के मुताबिक उनकी टीम के साथ झगड़ा और मारपीट भी की गई. आरोप है कि भीड़ इकट्ठा कर माहौल बिगाड़ने की भी कोशिश हुई. सपना चौधरी ने बताया है कि अगर रिसॉर्ट के मालिक करणदीप सिंह समय पर मदद नहीं करते और पुलिस मौके पर नहीं पहुंचती तो बड़ी अनहोनी हो सकती थी. इस पूरे मामले में जश्न रिसॉर्ट के मालिक करणदीप सिंह ने आरोपियों के खिलाफ कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है. इस पूरी घटना में पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. रिपोर्ट में कहा गया है कि आरोपियों ने कार्यक्रम के पैसों को लेकर विवाद किया, गाली-गलौच और तोड़फोड़ की. यहां तक कि सीसीटीवी का डीवीआर लेकर 10,000 रुपये नकद भी लूट लिये. करणदीप ने बताया कि इस घटना में उनके भाई और स्टाफ के साथ भी मारपीट की गई और करीब सात लाख रुपए का नुकसान हुआ है. पुलिस ने मौके से सीसीटीवी फुटेज जब्त कर ली ही और मामले क जांच शुरू कर दी है, जिसमें कुछ लोगों के स्पष्ट रूप से दिखने की जानकारी सामने आई है. फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है और अब देखना होगा कि ऊर्जा नगरी में सपना चौधरी से जुड़ा ये विवाद किस मोड़ पर पहुंचता है.

# नॉमिनेशन में आते ही भड़के गौरव खन्ना

बिग बॉस -19 में आए दिन नए-नए तमाशे देखने को मिल रहे हैं. घर में रोजाना किसी न किसी के बीच झगड़े देखने को मिल रहे हैं. हालांकि इस बार गौरव खन्ना का अमाल मलिक के साथ झगड़ा देखने को मिला. गौरव खन्ना को लेकर शुरुआत से ये कहा जा रहा है कि वह शो में कम पार्टिसिपेट करते हैं. हालांकि गौरव का कहना है कि चिल्लाना उनका स्टाइल नहीं है. उन्हें जब जरूरत लगेगी वह अपनी बात रखेंगे. लेकिन इस बार अमाल के उन्हें नॉमिनेट करने पर उनका गुस्सा फूटता हुआ नजर आया. दरअसल बिग बॉस के मेकर्स ने नए एपिसोड के आने से पहले एक मजेदार प्रोमो शेयर किया है, जिसमें गौरव खन्ना ऊंची आवाज में अपनी बात रखते हुए नजर आ रहे हैं. गौरव कहते हैं, अमाल आज तुम्हारे पास कोई वैलिड रिजन नहीं था. नॉमिनेशन टास्क में अमाल ने गौरव का नाम लिया, इसलिए वह ऐसा कहते हुए नजर आते हैं.इस पर जवाब देते हुए अमाल कहते हैं कि आपने दो पॉइंट पूछे मांगे थे, मैंने कोई दो पॉइंट निकाले. इस पर गौरव कहते हैं कि तुम मेरे से भिड़े तो नॉमिनेट करो ना किसी के रिश्ते की वजह से कर रह तो तुम गलत हो. इसके बाद गौरव अभिषेक और प्रनीत से कहते हैं कि वो ग्रुप ये नहीं सोचता कि वह इस तरह से करके फूल दिख रहे हैं और वह एक ग्रुप की तरह से खेल रहे हैं और यही चीज हमारे ग्रुप में मिसिंग पॉइंट हैं.गौरव की बातें सुनने के बाद अशनूर प्रनीत से कहती हैं कि अब मेरा टेंपर बढ़ रहा है. ज्यादा हो रहा है अब, वहीं गौरव कहते हैं कि मुझे नहीं डर लगता नॉमिनेशन से, जो मैंने सोचा वो मैंने किया. अशनूर कहती हैं कि उनके हिसाब से नहीं चलूंगी. इस प्रोमो को देखने के बाद ये कहना गलत नहीं होगा कि अब गौरव उनके साथियों के बीच फूट पड़ती हुई नजर आ रही है. हालांकि गौरव के लिए भी अब अपने लिए स्टैंड लेना जरूरी हो गया है. क्योंकि घर से बेघर कोई भी हो सकता है.

# मलाइका ने फिर लगाई फैंस के दिलो में आग

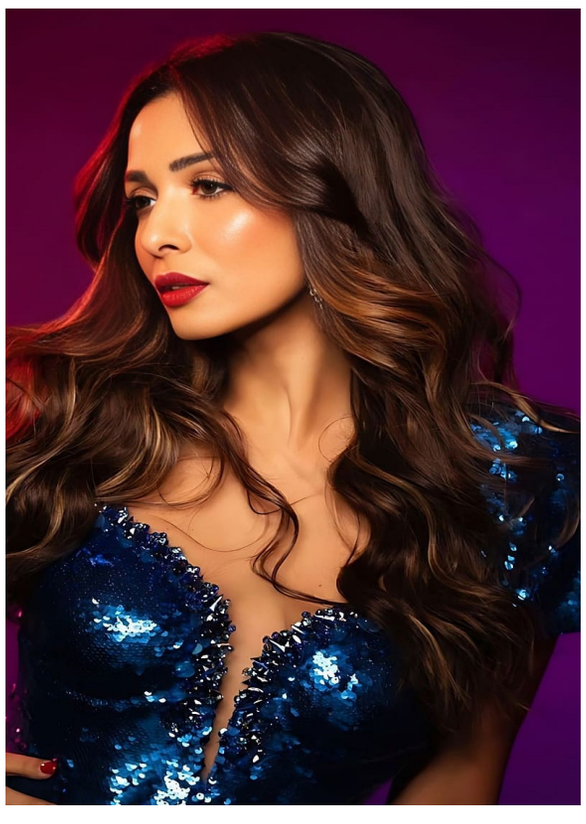

बॉलीवुड की मशहूर अदाकारा मलाइका अरोड़ा ने एक बार फिर अपनी अदाओं से फैंस को घायल कर दिया है. आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना स्टार अपकमिंग फिल्म 'थामा' से उनका आइटम नंबर ' पाइजन बेबी' रिलीज हो गया है. यह गाना मलाइका के फैंस को काफी पसंद आ रहा है. 51 की मलाइका अरोरा आज भी इतनी फिट और एक्टिव हैं कि उन्हें देखकर कोई भी उनकी उम्र का अंदाजा नहीं लगा सकता है. रिलीज हुए इस गाने में मलाइका रश्मिका संग धमाकेदार डांस करते नजर आ रही हैं. इंटरनेट पर इस गाने को भरपूर प्यार मिल रहा है. गाना शेयर करते हुए म्यूजिक कंपनी ने कैप्शन में लिखा, 'इससे पहले कि जहर आपकी नसों में उतर जाए, धड़कन को अपने अंदर समाने दो. पॉइजन बेबी रिलीज हुआ. 21 अक्टूबर को यूनिवर्स हमारे लिए दुनियाभर के थिएटर्स में थामा के साथ एक खूनी प्रेम कहानी लेकर आ रहा है.' बता दें कि इस दिवाली के मौके पर यह फिल्म रिलीज होने जा रही है. ऐसे में फिल्म को लेकर लोग काफी एक्साइटेड हैं. पॉइजन बेबी गाने का म्यूजिक सचिन-जिगर ने दिया है और अमिताभ भट्टाचार्य ने इसके बोल लिखे हैं. जैस्मीन सैंडलस, सचिन-जिगर और दिव्या कुमार ने इस गाने को गाया है. अपने आइटम नंबर के लिए फेमस मलाइका अरोड़ा हमेशा स्टेज अपनी अदाओं से फैंस के दिलों पर आग लगा देती हैं. ऐसे में उनका ये नया गाना काफी तेजी वायरल हुआ है. इससे पहले भी उन्हें 2022 में आयुष्मान खुराना स्टारर 'एन एक्शन हीरो' में आइटम नंबर 'आप जैसा कोई' करते देखा गया गया था.

# तुलसी के बाद अब 'पार्वती' भी करेंगी वापसी

हिंदी टेलिविजन शोज की दुनिया पर एक वक्त में दो बहूओं ने राज किया है. ये दो नाम हैं तुलसी और पार्वती के. तुलसी यानी स्मृति ईरानी और पार्वती यानी की साक्षी तंवर ने फैंस को खूब हंसाया भी है और जी भर के रुलाया भी है. वक्त बदला, दौर बदला और टीवी भी बदलता चला गया. 2025 का साल आया और तुलसी ने टीवी पर एक बार फिर से वापसी कर ली. एकता कपूर के सबसे फेमस शोज में से एक 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' ने एक बार फिर छोटे पर्दे पर अपना पुराना दबदबा हासिल कर लिया है.क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 इस वक्त रेटिंग्स के मामले में अनुपमा को कड़ी टक्कर दे रहा है. इसी बीच अब एक महासंगम एपिसोड भी शूट किया जा रहा है जहां टीवी की एक और बहुत खास जोड़ी यानी 'कहानी घर-घर की' के ओम और पार्वती भी छोटे पर्दे पर वापसी करने जा रहे हैं.

ओम और पार्वती यानी किरन करमारकर और साक्षी तंवर 'क्योंकि...' के एक महासंगम एपिसोड के लिए तुलसी और मिहिर यानी स्मृति ईरानी और अमर उपाध्याय के साथ खास शूट करने वाले हैं. ये एपिसोड दोनों के कमबैक की तरह होने वाला है. शो का एक छोटा सा प्रोमो भी सामने आया है. दरअसल, 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के लेटेस्ट ट्रैक में दिखाया जा रहा है कि तुलसी की बेटी परी मिहिर और तुलसी के बीच गलतफहमियां पैदा कर चुकी है, वहीं मिहिर की दोस्त नोएना भी मिहिर को पाने की कोशिश कर रही हैं, जिससे मिहिर तुलसी में काफी दूरियां आ गई हैं.

### दिखे 'आई लव बुलडोजर बाबा' के पोस्टर

# सीएम योगी, फडणवीस के पोस्टर से पटा मुंबई




**मुंबई.**

बीएमसी चुनाव नजदीक आते ही मुंबई में पोस्टरबाजी शुरू हो गई है। मुंबई के कई इलाकों में योगी आदित्यनाथ और देवेंद्र फडणवीस के पोस्टर लगे हैं। पोस्टर पर आई लव बुलडोजर बाबा और आई लव देवाभाऊ के स्लोगन लिखे गए हैं। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पोस्टर पर आई लव बुलडोजर बाबा लिखा गया है तो सीएम फडणवीस के पोस्टर पर आई लव देवाभाऊ के साथ बुलडोजर भी छपा है। बता दें कि मुंबई में बीएमसी चुनाव को लेकर सभी दल तैयारियों में जुटे हैं। बीजेपी, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजीत पवार की एनसीपी एक साथ चुनाव लड़ सकते हैं। जबकि महा विकास अघाड़ी में शामिल दलों में गठबंधन को लेकर अभी सहमति नहीं बन पाई है। उद्धव ठाकरे की शिवसेना राजठाकरे की मनसे के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ सकती है। वहीं कांग्रेस शरद पवार की एनसीपी या अकेले चुनाव लड़ सकती है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव 31 जनवरी 2026 तक कराने का आदेश राज्य चुनाव आयोग और महाराष्ट्र सरकार को दिया है। इसके बाद से चुनाव आयोग ने चुनाव कराने की तैयारियों में लगा हुआ है। माना जा रहा है कि इस साल दिसबंर या अगले साल जनवरी में लोकल बॉडी के चुनाव हो सकते हैं।

कांग्रेस के महाराष्ट्र कांग्रेस प्रभारी रमेश चेन्निथला के अनुसार, महाराष्ट्र में कांग्रेस की स्थानीय इकाइयां आगामी स्थानीय निकाय चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ने की इच्छुक हैं, लेकिन पार्टी ने अभी तक अंतिम निर्णय नहीं लिया है। चेन्निथला ने कहा कि ये स्थानीय निकाय चुनाव हैं और हमने स्थानीय इकाइयों से गठबंधन पर निर्णय लेने को कहा है। महा विकास अघाड़ी (एमवीए) द्वारा लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ लड़ने के बारे में पूछे जाने पर, चेन्निथला ने कहा,स्थानीय चुनाव स्थानीय समीकरणों और स्थानीय इकाइयों के बारे में होते हैं।

# आवारा कुत्ते ने किया हमला



**खारघर.**

नवी मुंबई में खारघर प्रभाग के अंतर्गत आने वाले तलोजा गांव में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या अब मासूम बच्चों की जान के लिए खतरा बनती जा रही है. मन्नत आली इलाके में खेल रहे तीन साल के मुस्तफा अली पर आवारा कुत्तों ने अचानक हमला कर दिया और उसका चेहरा बुरी तरह नोच डाला. इस दर्दनाक घटना ने पूरे इलाके को हिला कर रख दिया है. इस घटना से इलाके के लोगों में दहशत का माहौल है.

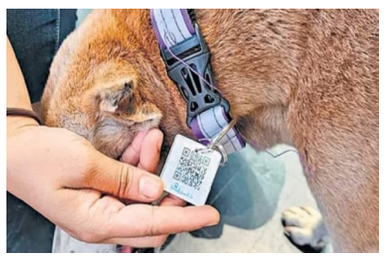

हमले में मुस्तफा के होंठ और नाक पर गंभीर चोटें आईं. बच्चे की चीखें सुनकर परिजनों ने दौड़ लगाई और किसी तरह उसे कुत्तों के चंगुल से छुड़ाया. इस दौरान आवारा कुत्तों के हमले का वीडियो सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया, जिसमें देखा जा सकता है कि कैसे अवारा कुत्ते बच्चे को नोंच रहे हैं और बच्चा चीख रहा है. घटना के बाद घायल बच्चे को तुरंत कलंबोली के एम.जी.एम. अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन चोटें गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने उसे मुंबई के नायर अस्पताल रेफर कर किया गया. इसके बाद बच्चे को नायर अस्पताल ले जाया गया, जहां मुस्तफा की प्लास्टिक सर्जरी की गई है और वर्तमान में उसका इलाज जारी है. इस घटना के बाद तलोजा परिसर के गांव वालों में काफी आक्रोश है. लोगों का कहना है कि क्षेत्र में आवारा कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है और छोटे बच्चों पर हमलों की घटनाएं बार-बार हो रही हैं. ग्रामवासियों ने पालिका प्रशासन से तत्काल कार्रवाई करते हुए आवारा कुत्तों पर काबू करने की मांग की है. इसके साथ ही चेतावनी दी है कि अगर नागरिकों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए तो वह आंदोलन करेंगे. आवारा कुत्तों का आतंक हाल ही के दिनों में काफी देखने को मिला. हाल ही में, बोरीवली पश्चिम के ओल्ड एमएसबी कॉलोनी में एक महिला को आवारा कुत्ते ने गंभीर रूप से घायल कर दिया था.

# तंत्र-मंत्र के शक में परिवार को जंगल भेजा

**अलीबाग.** अलीबाग तालुका से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां ग्रामीणों ने एक परिवार पर 'तंत्र-मंत्र' करने का आरोप लगाया और एक तांत्रिक की सलाह पर उन्हें चार साल के लिए जंगल में छोड़ दिया. इस मामले में रेवदंडा पुलिस ने सामाजिक बहिष्कार निवारण अधिनियम के तहत 33 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है. इस मामले को लेकर हड़कंप मच गया है. दरअसल, अलीबाग तालुका के रामराज खैरवाड़ी गांव में धर्म दामू गडखल का बेटा बीमार हो गया था. इसके बाद बीमारी के चलते ही साल 2019 में उसकी मौत हो गई थी. बेटे की मौत के बादपतवाड़ी गांव के तांत्रिक लहू और मधु गडखल की सलाह पर गांव के तुकाराम दरोदा पर 'तंत्र-मंत्र' करने का आरोप लगाया गया. इसके बाद 16 सितंबर, 2021 को गांव में एक बैठक हुई. बैठक में पंचों और गांव वालों ने दरोदा परिवार पर 60,000 रुपये का जुर्माना लगाया. हालांकि, जब परिवार ने यह जुर्माना देने से इनकार कर दिया तो पूरे गांव ने एक प्रस्ताव पारित करके पूरे परिवार का निर्वासित कर दिया. यानी परिवार को गांव से बाहर निकाल दिया गया. इतना ही नहीं यह भी घोषणा की गई कि अगर कोई भी उनसे बात करेगा तो उन पर 5,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा. इसके साथ ही ये भी कहा गया कि इस परिवार से बात करने वालों के बारे में जानकारी देने वाले को 1,000 रुपये का इनाम दिया जाएगा. इसके बाद से पिछले 4 सालों से यह पूरा परिवार गांव से बाहर है और कोई भी उनसे बात नहीं करता.गांव का कोई सदस्य दरोदा परिवार के संपर्क में नहीं है. ऐसे में पिछले 4 सालों ये परिवार बॉयकट झेल रहा है. तभी से परिवार वली में रह रहा है. साल 2021 से चार साल तक सामाजिक बहिष्कार झेल रहे दरोदा परिवार ने आखिरकार रेवदंडा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई.

**महसुल व वनविभाग**
**कोर्ट विद्यमान तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी हिंगणा यांचे कार्यालय**

Email ID: tahasildarhingna@gamil.com दुरध्वनी क्र.०७१०४-२७६१३४

क्र.म.स./जन्म-मृत्यू/तह. हि./कावि-१२९/२०२५

दिनांक २६/०९/२०२५

**वाचा : १)** सार्वजनिक आरोग्य विभाग यांचे शासन निर्णय दिनांक १२ मार्च २०२५, **२)** मा.उप सचिव, महसूल व वन विभाग, मंत्रालय, मुंबई यांचे कडील पत्र क्र. ०३/ई-१ अ.दि. १७/०३/२०२५, **३)** मा. जिल्हाधिकारी, नागपूर यांचे कडील पत्र क्र. अका/डी-१/जन्म-मृत्यू आदेश/ कावि- १०४/२०२५ दिनांक १७/०३/२०२५, **४) श्री लक्ष्मण मुकुरध्वज शाहु,** रा. गेडाम लेआऊट, निलडोह, यांचा अर्ज दिनांक ०२/०७/२०२५.

**जाहीरनामा**

ज्याअर्थी अर्जदार **श्री लक्ष्मण मुकुरध्वज शाहु,** रा. गेडाम लेआऊट, निलडोह, यांनी स्वतः च्या **जन्माची** नोंद ग्रामपंचायत/ नगर परिषद दप्तरी घेणेकरिता निर्देशित करणेकामी अर्ज दाखल केला आहे.

सदर्हू **श्री लक्ष्मण मुकुरध्वज शाहु** यांचा **जन्म दिनांक ११/०१/१९९६** रोजी राहते घरी गेडाम लेआऊट, निलडोह येथे झाला असा अर्जदाराचा दावा आहे. त्याचप्रमाणे सदरहू अर्जदार यांना त्यांचे **जन्माचे** प्रमाणपत्र शासकीय तथा खाजगी कामाकरीता आवश्यक असल्याने त्याची नोंद घेणेकामी आदेश होणे आवश्यक असल्याबाबत त्यांनी अर्जात नमूद केले आहे.

त्याअर्थी मी तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी हिंगणा उपरोक्त वाचा क्र. १ आणि २ व ३ मध्ये नमूद केल्याप्रमाणे मला प्राप्त अधिकारान्वये असे कळविण्यात येते की, सदर व्यक्तीचा **जन्म** बाबत नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेकरीता व गृह चौकशी करणेकामी कार्यवाही प्रस्तावित आहे. याबाबत कोणास काही सांगावयाचे किंवा काही आक्षेप असल्यास त्यांनी योग्य ते पुरावे किंवा साक्षीदारांसह तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी हिंगणा यांचे न्यायालयात स्वतः जातीने/ वकीलामार्फत अथवा अन्य मार्गाने या जाहीरनामाच्या दिनांकापासून पंधरा दिवसाच्या आत सादर करावे.

उक्त मुदतीत कुठलाही आक्षेप/ उजर/ विपरित पुरावा प्राप्त न झाल्यास **जन्म** बाबतची नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेबाबत कोणालाही काही सांगावयाचे नाही असे गृहीत धरून प्रस्तावित **जन्म** नोंदीबाबतचा आदेश निर्गमित करण्यात येईल.

शिक्का
**तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी, हिंगणा**

Prasanna Publicity 09326927622

**महसुल व वनविभाग**
**कोर्ट विद्यमान तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी नागपूर शहर, यांचे कार्यालय.**

(आकाशवाणी चौक, सिव्हील लाईन, नागपूर पिन कोड- ४४०००१)
तालुका- नागपूर शहर, जिल्हा नागपूर.

Email ID: tahsildarngpcity@gamil.com दुरध्वनी क्र.०७१२-२५६१९७५

प्र. क्र. १४०/प्रस्तु- ३/तह. नाग (शहर)/कावि ४९८/२०२५

दिनांक २३/०९/२०२५

**वाचा : १)** सार्वजनिक आरोग्य विभाग यांचे शासन निर्णय दिनांक १२ मार्च २०२५ नुसार, **२)** मा.उप सचिव, महसूल व वन विभाग, मंत्रालय, मुंबई यांचे कडील पत्र क्र. ०३/ई-१ अ.दि. १७/०३/२०२५, **३)** मा. जिल्हाधिकारी, नागपूर यांचे कडील पत्र क्र. अका/डी-१/जन्म-मृत्यू आदेश/ कावि- १०४/२०२५ दिनांक १७/०३/२०२५, **४)** अर्जदार **मोहम्मद अब्दुल जमील वल्द मोहम्मद मियॉं,** रा. प्लॉट नंबर १/ए-१, जामा मस्जीद जवळ, जाफर नगर, नागपूर- ४४००१३.

**जाहीरनामा**

ज्याअर्थी अर्जदार **मोहम्मद अब्दुल जमील वल्द मोहम्मद मियॉं,** रा. प्लॉट नंबर १/ए-१, जामा मस्जीद जवळ, जाफर नगर, नागपूर- ४४००१३ यांनी स्वतः च्या **जन्म** तारखेची नोंद महानगर पालिका दप्तरी घेणेकरिता निर्देशित करणेकामी अर्ज दाखल केला आहे.

सदर्हू अर्जदार नामे **मोहम्मद अब्दुल जमील वल्द मोहम्मद मियॉं** यांचा **जन्म दिनांक ०१/०७/१९५६** रोजी लष्करीबाग, नवा नकाशा, नागपूर येथे राहत्या घरी झालेला आहे. त्याचप्रमाणे सदरहू अर्जदार यांना त्यांचे **जन्म** प्रमाणपत्र शासकीय तथा खाजगी कामाकरीता आवश्यक असल्याने त्याची नोंद घेणेकामी आदेश होणे आवश्यक असल्याबाबत त्यांनी अर्जात नमूद केले आहे.

त्याअर्थी मी तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी नागपूर (शहर) उपरोक्त वाचा क्र. १ आणि २ व ३ मध्ये नमूद केल्याप्रमाणे मला प्राप्त अधिकारान्वये असे कळविण्यात येते की, सदर व्यक्तीचा **जन्म** बाबत नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेकरीता व गृह चौकशी करणेकामी कार्यवाही प्रस्तावित आहे. याबाबत कोणास काही सांगावयाचे किंवा काही आक्षेप असल्यास त्यांनी योग्य ते पुरावे किंवा साक्षीदारांसह तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी नागपूर (शहर) यांचे न्यायालयात स्वतः जातीने/ वकीलामार्फत अथवा अन्य मार्गाने या जाहीरनामाच्या दिनांकापासून पंधरा दिवसाच्या आत सादर करावे.

उक्त मुदतीत कुठलाही आक्षेप/ उजर/ विपरित पुरावा प्राप्त न झाल्यास **जन्म** बाबतची नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेबाबत कोणालाही काही सांगावयाचे नाही गृहीत धरून प्रस्तावित **जन्म** नोंदीबाबतचा आदेश निर्गमित करण्यात येईल.

शिक्का
**तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी, नागपूर शहर करीता**

Prasanna Publicity 09326927622

## मेट्रो CLASSIFIED बिजनेस

MSBVE / MSBTE महाराष्ट्र शासन मान्य
AYUSHMAN COLLEGE & HOSPITAL
KAMPTEE, NAGPUR (MS.)
आयुष्मान मेडिकल पॅरामेडिकल कॉलेज
सईद नगर, बालाजी मंदिर के सामने, कलमना रोड, रनाला, कामठी
महाराष्ट्र हमारे कोर्स
BSc MLT, BVOC MLT, PGDMLT / ADMLT (MSBTE) ADXR (MSBTE), DMLT, DDT, DNYS, DAT, GNMA, CCOT, Health Sanitary Inspector, Radiology Technician
इंटर्नशिप आपको सरकारी हॉस्पिटल मे मिलेगी
ADMISSION OPEN 2025-26
8651512020, 8651513030

DR. NANDI PATH LAB
Committed to your Wellness
OUR SERVICES: • BLOOD TESTS • BIOCHEMISTRY • HEMATOLOGY • MICROBIOLOGY • SEROLOGY & MORE
DR. GAURAV NANDI MBBS, MD (Patho)
Ex. ASSTT PROFESSOR SMCW, PUNE
Mobile No.: 8767516249 | 7420869774
Near Nutan Saraswati School, Main Road, Kamptee, Nagpur

श्री सतगुरु ट्रैवल्स
• १ ऑगस्ट अयोध्या काशी
• १४ ऑगस्ट आग्रा मथुरा वृंदावन
• ७ सप्टेंबर केदारनाथ चारधाम यात्र
• २७ ऑक्टोबर केरळ कन्याकुमारी
• २८ ऑक्टोंबर गुजरात राजस्थान
• १६ नोव्हेंबर आणि १० डिसेंबर अंदमान
• ३ जानेवारी गंगासागर नेपाळ
संपर्क आशीष लक्ष्मीनारायण कावळे
7498753939, 93095 96390
8698495200, 9823454945

अल्का लाडे प्रस्तुत "ज़िंदगी का सफर"
Organizar संकल्प बहुद्देशीय संस्था
सुहाना म्यूज़िकल ग्रुप
(लाइव ऑर्केस्ट्रा पर सुमधुर गीतों की प्रस्तुति)
Alka Lade बॉलिवुड गायिका
Contact For Participate 9373108897, 7798900066 9579254999
Per Song 1500
दि. 10 आगस्ट 2025 दोप. 3 बजे से रात 9.30 बजे तक
अमृत भवन, झांसी रानी चौक, सिताबर्डी, नागपुर

धनवटे ऑनलाइन सर्विसेस
7/12 डिजिटल, ई-अभिलेख, 8 अ डिजिटल, ई- मोजनी, प्रॉपर्टी कार्ड, अधिकार क्षेत्र, झोन सर्टिफिकेट, वर्ग 2 ते वर्ग 1 अर्ज, अखिव पत्रिका, 7/12 फेरफार साठी अर्ज, फेरफार अर्ज,
राजेश धनवटे
9561498551
उपजिला रुग्णालय रोड, हैदरी चौक कामठी

VATSALYA Preschool
"Little Minds, Big Adventures"
Nurturing Young Minds with Heart and Purpose
Pre-Nursery, Nursery, KG1, KG2
Enquire now
More Information 9834172396
Address : Near Ashapurak Ganesh Mandir Ground, Professor Colony, Ranala, Kamptee

NISHCHAY TRAVELS
All types of AC & Non-AC Vehicles Available
Buses 30, 40 & 50 Seater Available
Plot No. 35, House No. 40, Kamptee Road, Shri Hari Nagri Near Ram Vatika, Bhilgaon, Nagpur-441002
: Contact :
Avinash Zanzote 9850340105 7972365539
Vilas Zanzote 9372211220 9112274567

प्रवेश सुरू... प्रवेश सुरू... प्रवेश सुरू...
नवयुग एज्युकेशन आणि बहुउद्देशीय संस्था कन्हान द्वारा संचालित
:: ADMISSION OPEN FOR 2024-2025 ::
मारोतराव पानतावणे ज्यु. कॉलेज
(११ व १२ वी कला, वाणिज्य, विज्ञान)
मारोतराव पानतावणे महाविद्यालय
(राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपूर विद्यापीठ नागपूर द्वारा संलग्नित)
B.A., B.Com, B.Sc.कला, वाणिज्य, विज्ञान
कार्यालय वेळ सकाळी १० ते सायं. ५ पर्यंत
स्कॉलरशिप ची सुविधा उपलब्ध आहे.
संपर्क : मारोतराव पानतावणे महाविद्यालय, गहुहिवरा रोड, कांद्री-कन्हान
07102-236484, 9373120336, 9834985854, 8766643359

2025 ADMISSION OPEN
FOR I.T.I. ELECTRICIAN & FITTER
Eligibility 10th Pass
FREE ADMISSION FOR GIRLS
Maharashtra Govt. SCHOLARSHIP UPTO 100% for SC/ST/OBC/EWS boys & girls
CONTACT US
RABBANI ITI
Near Samaj Bhawan, Imli Bag, Kamptee 441001 Dist. Nagpur (M.S.)
9021132527 7721877941 9021194901

तुळजाभवानी ट्रेडर्स
कलमना रोड, महालक्ष्मी कॉम्प्लेक्स, रनाला चौक, कामठी
हमारे यहां गिट्टी, ईटा, राखड, मुरूम आदि का सप्लाई किया जाता है।
ठोक व चिल्लर विक्रेता
JCP Work 24 हमारे यहां उपलब्ध है
M. : 7987262970 | 9175172712

प्लस प्वाइंट ट्युशन क्लासेस
10, 11, 12 वीं की सभी विषयों की अनुभवी शिक्षकों द्वारा ट्युश्न क्लासेस ली जाती है।
प्रोप्रा. मो. सलमान शेख
मोटर स्टैंड मस्जिद के पास, कामठी
तारसा रोड, कन्हान

ADMISSION OPEN
RKS PUBLIC SCHOOL
NURSERY to Std. IX
OUR FACILITY
Computer Lab • Cricket
Karate Class • Swimming Pool
Skating Class • Basket Ball
M. 8087955831 8956785080
Jaripatka Police Station Road, Nara, Nagpur

ZOREN PROPERTY DEALERS
हमारे यहाँ खेती, फ्लॅट, डुप्लेक्स, घर, बंगलो, फार्म हाऊस, रिसॉर्ट खरेदी और बेचा जाता है
अफसर खान
M. 9371381114, 7038696893
सभी प्रकार के प्रॉपर्टी पेपर का काम किया जाता है

3 STAR HOTEL
LODGING, BOARDING & RESTAURANT
AC / Non AC Room
8983305535, 8055705535
पताः घोरपड बस्ती, लिहीगांव रोड, कामठी

VIDEO GAMES SHOP
Convert VHS to Pendrive, Harddiskh
VHS को पेनड्राइव में डालते है.
कोई भी पुरानी Video Cassette Recorder (VRC) शादी एवम कोई भी पुरानी (VHS) कार्यक्रम की Video Cassette (VHS), VCD, CD, DVD, को Pendrive या Harddisk में Convert किया जाता है.
All Video Game for Sell & Repair Services also available
Only Place for Harddisk Loading
All type of USB & Electrical Accessories
All type of video game are available
Repair your Video Games, PS 2, 3, 4 & X Box
Order for Digital Video, Photo Album
DHAMTI VIDEO FILMS
9423771189, 9595399588
FOR SALE
Plot Size 500 sqft. Construction 1000 sqft. RANALA, KAMPTEE

**पाठकगणों को विनम्र सूचना :** दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार में प्रकाशित होने वाले विविध विज्ञापनों की जांच-पड़ताल करने के बाद ही पाठकगण विज्ञापन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर आर्थिक व्यवहार करें। प्रकाशित विज्ञापन में अपने उत्पादन के संदर्भ में या सेवा के संदर्भ में विज्ञापन दाताओं द्वारा जो दावे पेश किए जाते है, उनकी दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र कोई गारंटी के साथ जवाबदेही नहीं देता। साथ ही विज्ञापन में किये गये दावों से दुष्परिणाम के लिए दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र के मुद्रक, प्रकाशक, संपादक तथा मालिक जिम्मेदार नहीं होंगे। कृपया पाठकगण उपरोक्त संबंध में ध्यान दें।

**विज्ञापन हेतू संपर्क करें : सौमित्र नंदी, उपसंपादक मोबाइल नं. 9604758944, 9881272088**

DEAR GOVERNMENT LOTTERY
PUNJAB STATE LOTTERIES
पंजाब स्टेट DEAR दिवाळी बंपर 2025
किंमत ₹ 500
विजेत्यासाठी पहिले बक्षीस रक्कम
₹ 11 करोड
हमीपात्र
सोडत दिनांक 31.10.2025 संध्याकाळी 8.00 नंतर
2nd Prize amount for Winners ₹ 3 करोड (1 करोड x 3 बक्षिसे)
HAPPY Diwali FESTIVAL OF LIGHTS
इतरही अनेक आकर्षक बक्षीसे
पहिले बक्षीस फक्त विकलेल्या तिकिटांमधूनच काढले जाणार आहे
LIVE STREAMING
Contact for Tickets :
ARE YOU THE NEXT CROREPATI?
TICKETS ARE AVAILABLE AT ALL LOTTERY COUNTERS

**AMALNER :** Vikas lottery & Gen. store : 8999612300 | **AHILYANAGAR :** Lucky lottery - 9423792145, Tulsi Lottery Agency - 9921198992 | **ANDHERI :** Megastar Distributor - 9967250008 **AMARAVATI :** New Hindustan Lottery - 7507867972 | **BORIWALI :** Diamond Corporation - 8657436773 | **BHAYANDER :** Balaji Sankari Agency - 9833213081 | **CHANDRAPUR :** Mahalaxmi Agency - 94221 36124/7558215696 | **DADAR :** Shree Ganesh Enterprises - 9870017798, Shree Siddhi Samarth Agency - 93261 96320, Ambika Lottery - 70457 19586, Shree Enterprise - 8422996345 | **DHULE :** Agarwal Lottery Agency - 9422706933 / 8766776900 | **GOREGAON :** Vishesh Distributers - 7900123332, Lambodar Enterprises - 9819224257, Multistar Distributor - 9930425378 | **GONDIA :** R.K. Lottery Mandi - 9325116868 | **GIRGAON :** Trimurti Lottery Agency - 9773373267, B.V. Kothavale - 9820629401| **ICHALKARANJI :** Maharaja Associates- 9028485789, Maharaja LotteryCentre-9764662643/ 9158729426 | **JALGAON :** Vyas Agency - 9890056854, Baheti Lottery - 9420389239 | **KOLHAPUR :** Mahavir Lottery Agency - 9822248473, 7066275145 | **KALYAN :** Prince Lottery - 9819574813 | **KALBADEVI :** Mewad Agency - 9833253514 | **KHAMGAON :** Matoshree Enterprises - 9922813194 | **MUMBAI :** Prince Agency - 9833748152 | **NERUL :** Shree Ganesh Krupa Agency - 9920116957 | **NAGPUR :** Lottery Bhandar - 9764688000, Balaji Marketing - 9371034883, Siraj Enterprises - 9822472123 | **NANDED :** Jagdamba Lottery Centre - 8956486986 , Prasad Enterprises - 9421908570, Shree Sai Krupa Lottery Agency - 9822767566, | **NASHIK :** Chirag Enterprises - 9168199999 | **CHHATRAPATI SAMBHAJINAGAR :** Rukmini Enterprises - 9822899520/8007059111, Komal Agency - 9370224810 | **SOLAPUR :** Barad Lottery Agency - 9420545869/9850501313 | **PANVEL :** Phatak Enterprises - 9167552882 | **PUNE :** Shri Gurudev Datta Lot. Agency - 9518591612, Kamal Agency - 830492061, Amit Lottery Agency - 9422087688 | **SANGLI :** Kishor M Shah - 8055204763 / 9552529044 | **SATARA :** Samrat Agency - 8805277966 | **YAWATMAL :** New Jai ambe Lottery Bhandar - 9421844726

अधिक माहितीसाठी कॉल करा (टोल फ्री) - 1800 266 0088
Mumbai - 8754562382 / 7845827316 / 8928588642/ 7397776862 / 9372275063, Solapur - 8805060191, Kolhapur - 9922431881, Nagpur - 9922090691 / 7845827259
Follow Us For More Updates Dearlotteries dearlotteries Dearlottery1 dearlotteries

## सुविचार

सपनों को साकार करने के लिए नींद का त्याग करना पड़ता है।

## संपादकीय

# एनडीए आगे

गठबंधन की बुनियाद पर लड़े जा रहे चुनाव में पहली चुनौती यही रहती है कि अलायंस के भीतर किस तरह साथी दलों की महत्वाकांक्षा और जमीनी हकीकत के बीच संतुलन साधा जाए। इस लिहाज से बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए ने सहयोगियों के बीच सीटों के बंटवारे की गुत्थी पहले सुलझाकर शुरुआती बढ़त हासिल कर ली है। बिहार में गठबंधनों के बाहर ही नहीं, भीतर भी समीकरण बदल चुके हैं और इसका असर सीट शेयरिंग पर दिख रहा है। एनडीए में जेडीयू और बीजेपी बराबर सीटों पर मैदान में हैं, जबकि बाकी दलों को उनकी मांग से कम सीटों पर संतोष करना पड़ा है।

हालांकि अलायंस के लिए अच्छी बात यह होगी कि किसी सहयोगी दल ने नाखुशी जाहिर नहीं की है। इस चुनाव में भी एनडीए का चेहरा नीतीश कुमार हैं। पिछले दो दशकों से यही कहानी रही है। साथ में बीजेपी रही हो या आरजेडी, सीटें कम आई हों या ज्यादा - नीतीश ही मुख्यमंत्री बने। 2005 से वह पद पर हैं. सिवाय बीच के कुछ महीनों के जब उन्होंने जीतन राम को गद्दी सौंप दी थी। हालांकि इस चुनाव में उनकी राह आसान नहीं लग रही। कानून-व्यवस्था को चुनौती देते अपराधियों और भ्रष्टाचार के आरोपों ने उनकी सुशासन बाबू वाली छवि को चोट पहुंचाई है।

देखना होगा कि पिछली बार की तरह अगर इस बार भी उन्हें बीजेपी से कम सीटें मिलती हैं, तब भी क्या सीएम की कुर्सी पर उनका दावा बना रहेगा। एनडीए ने जिस फॉर्म्युले को सुलझा लिया, महागठबंधन को अभी उससे गुजरना है। इस बार कांग्रेस ने अधिक सीटों की आस लगाई है। आरजेडी के लिए उसे मानना और साथ में दूसरे सहयोगियों से तालमेल बैठाना मुश्किल हो सकता है।

इस बीच आईआरसीटीसी होटल करप्शन केस में लालू प्रसाद यादव, राबड़ी और तेजस्वी के खिलाफ आरोप तय होने से भी परेशानी बढ़ सकती है। तेजस्वी यादव ने अपने चुनावी अभियान में भ्रष्टाचार और रोजगार जैसे मुद्दे उठाए हैं। ऐन चुनाव के पहले करप्शन केस के आगे बढ़ने से विरोधी दलों को बड़ा मौका मिल गया है।

# जिहाद का सही अर्थ: आत्म-सुधार, अन्य धर्मों के विरुद्ध हिंसा नहीं

इंशा वारसी, फ़्रांस्कोफ़ोन और पत्रकारिता अध्ययन, जामिया मिलिया इस्लामिया।

इस्लामी विमर्श में जिहाद जितना गलत समझा, दुरुपयोग और बदनामी शायद ही किसी शब्द को मिली हो। लोकप्रिय धारणा में, विशेष रूप से सनसनीखेज मीडिया या अतिवादी प्रचार द्वारा गढ़ी गई, जिहाद को गलत तरीके से हिंसा, युद्ध और अन्य धर्मों के लोगों के विरुद्ध शत्रुता के साथ जोड़ दिया जाता है। हालाकि, कुरान, हदीस और इस्लामी विद्वानों की परंपरा पर गौर करने से पता चलता है कि जिहाद, अपने वास्तविक अर्थों में, दूसरों पर युद्ध छेड़ने के बारे में नहीं है; यह आत्म-सुधार, नैतिक अनुशासन और न्याय के लिए आजीवन संघर्ष के बारे में है।

जिहाद शब्द अरबी मूल शब्द जहादा से आया है, जिसका अर्थ है, 'प्रयास करना', 'संघर्ष करना" या 'प्रयास करना'। यह लड़ाई या हिंसा का पर्याय नहीं है। कुरान में, जिहाद का उल्लेख विभिन्न संदर्भों में किया गया है जैसे अपने धन से प्रयास करना, ज्ञान से प्रयास करना और ईश्वर के मार्ग में स्वयं से प्रयास करना। पैगंबर मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ने एक रक्षात्मक युद्ध से लौटने के बाद एक गंभीर बात कही थी। उन्होंने अपने साथियों से कहा था: 'हम छोटे जिहाद से बड़े जिहाद की ओर लौट आए हैं।' जब उनसे पूछा गया कि बड़ा जिहाद क्या है, तो उन्होंने जवाब दिया, 'स्वयं (नफ़्स) के विरुद्ध संघर्ष'। यह कथन इस बात पर ज़ोर देता है कि जिहाद का सार आंतरिक सुधार, अपने अहंकार पर नियंत्रण, इच्छाओं पर लगाम, धैर्य का विकास और करुणा का पोषण करने में निहित है।

इस प्रकार, जिहाद मुख्यतः ईश्वरीय मार्गदर्शन के अनुसार जीवन जीने, अपने चरित्र को निखारने और समाज में सकारात्मक योगदान देने के नैतिक और आध्यात्मिक प्रयास को संदर्भित करता है। गलतफहमी का एक प्रमुख कारण जिहाद को क़ितल (सशस्त्र युद्ध) के साथ मिला देना है। कुरान कुछ संदर्भों में लड़ाई का वर्णन करने के लिए क़ितल शब्द का प्रयोग करता है। हालाँकि, इस लड़ाई के साथ हमेशा यह शर्त जुड़ी रही है कि इसे कभी भी आक्रमण, विजय या आस्था के मामलों में ज़बरदस्ती के हथियार के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। कुरान स्पष्ट रूप से कहता है: 'धर्म में कोई ज़बरदस्ती नहीं है' (2:256)। युद्ध को केवल अंतिम उपाय के रूप में अनुमति दी गई थी, जबकि इसके विपरीत, जिहाद एक व्यापक आध्यात्मिक, सामाजिक और बौद्धिक संघर्ष को समाहित करता है। इसे केवल हिंसा के बराबर मानना इसके समग्र अर्थ की अनदेखी करना है।

जिहाद का मूल इस्लामी विद्वानों द्वारा जिहाद अल-नफ़्स, अर्थात् अपने निम्नतर स्व के विरुद्ध संघर्ष, में निहित है। इसमें अहंकार और अहंकार के विरुद्ध संघर्ष, आत्म-अनुशासन के लिए संघर्ष, ज्ञान के लिए संघर्ष और न्याय के लिए संघर्ष शामिल हैं। यह महान जिहाद आध्यात्मिक विकास का मार्ग है। इसके लिए प्रलोभनों का विरोध करना, अपने चरित्र को सुधारना और दूसरों के लिए दया और भलाई का स्रोत बनने का प्रयास करना आवश्यक है।

दुर्भाग्य से, चरमपंथी समूहों और इस्लाम-विरोधी आवाज़ों ने जिहाद शब्द को ही अपना लिया है। कुछ उग्रवादी संगठनों के लिए, हिंसा को 'जिहाद' कहना कमज़ोर युवाओं को बरगलाने का एक साधन है। कुछ मीडिया संस्थानों और राजनीतिक एजेंडों के लिए, जिहाद को पवित्र युद्ध के रूप में चित्रित करना सामूहिक रूप से मुसलमानों को कलंकित करने का काम करता है।

दोनों ही गलत व्याख्याए इस शब्द की वास्तविक आध्यात्मिक गहराई को छीन लेती हैं। पैगंबर मुहम्मद (उन पर शांति हो) ने केवल अलग-अलग विश्वास रखने के कारण लोगों पर कभी युद्ध की घोषणा नहीं की। वे मदीना के चार्टर के तहत मदीना में यहूदियों, ईसाइयों और मूर्तिपूजकों के साथ सह-अस्तित्व में रहे, जिसने धार्मिक स्वतंत्रता और पारस्परिक अधिकारों की गारंटी दी। उनका जीवन आक्रामकता का नहीं, बल्कि करुणा का प्रतीक था। इसलिए, जिहाद को केवल हिंसा तक सीमित करना पैगंबर की शिक्षाओं के साथ विश्वासघात है।

वास्तविक अर्थों में देखा जाए तो जिहाद केवल मुसलमानों तक ही सीमित नहीं है। प्रत्येक व्यक्ति, चाहे वह किसी भी धर्म का हो, इच्छाओं, प्रलोभनों और नैतिक विकल्पों से जूझता है। इस अर्थ में, जिहाद सार्वभौमिक मानवीय अनुभव से मेल खाता है। यह विवेक के अनुसार जीने, हानिकारक आवेगों का विरोध करने और स्वार्थ से ऊपर उठने की आंतरिक लड़ाई है। इस्लाम, जिहाद को अपनी आत्मा, क्रोध, लोभ, घृणा और अहंकार के आत्म-सुधार के रूप में महत्व देता है।

मुस्लिम समुदाय पर जिहाद के अर्थ को पुनः प्राप्त करने और स्पष्ट करने की तत्काल जिम्मेदारी है।

इसमें मुसलमानों और गैर-मुसलमानों, दोनों को इसकी आध्यात्मिक गहराई के बारे में शिक्षित करना शामिल है। इमामों, शिक्षकों और समुदाय के नेताओं को अपने उपदेशों और पाठों में व्यापक जिहाद पर ज़ोर देना चाहिए। समुदाय के भीतर मीडिया की आवाज़ों को सेवा, शिक्षा, दान और शांति स्थापना के माध्यम से जिहाद में लगे मुसलमानों की कहानियों को उजागर करना चाहिए। ऐसा करके, जिहाद को हिंसा के रूप में प्रस्तुत करने की अवधारणा को उसकी पहचान से बदला जा सकता है: आंतरिक सुधार और रचनात्मक संघर्ष की एक यात्रा।

अक्सर ग़लतफ़हमी और पूर्वाग्रह से त्रस्त दुनिया में, जिहाद के वास्तविक अर्थ को पुनः प्राप्त करने से शांति को बढ़ावा मिल सकता है, अतिवाद का मुकाबला किया जा सकता है और समुदायों के बीच सम्मान के पुल बनाए जा सकते हैं। अंततः, सबसे बड़ा जिहाद दूसरों के विरुद्ध नहीं, बल्कि अपने भीतर की कमियों के विरुद्ध है।

## आस्था

# दिवाली पर राजा बलि पूजा दक्षिण की अनूठी परंपरा

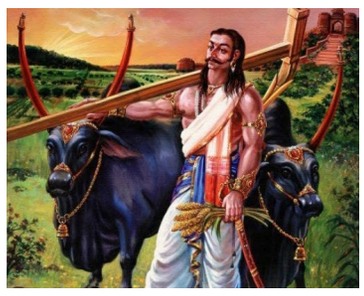

आज भी दक्षिण भारत में दिवाली के दिन राजा बलि की पूजा विशेष रूप से की जाती है. यह परंपरा पुराणों में वर्णित है और राजा बलि की दानशीलता, विनम्रता और परोपकार को याद करने का अवसर देती है. माना जाता है कि बलि राजा हर वर्ष अपनी प्रजा से मिलने और उनका आशीर्वाद लेने पृथ्वी पर आते हैं. इस दिन लोग बलि देव की प्रतिमा या चित्र के सामने दीपक जलाते हैं, मिठाई चढ़ाते हैं और उनकी महिमा का स्मरण करते हैं. यह पर्व हमें यह शिक्षा देता है कि धन और शक्ति का सही उपयोग केवल अपने लिए नहीं, बल्कि दूसरों के भले और समाज की भलाई के लिए करना चाहिए. इसी दृष्टि से दिवाली का यह पर्व केवल उत्सव नहीं, बल्कि नैतिक और आध्यात्मिक संदेश भी देता है. त्रेतायुग में राजा बलि अत्यंत शक्तिशाली और धर्मपरायण शासक थे. उनका राज्य बहुत विशाल और संपन्न था, और उनकी दानशीलता और परोपकार की ख्याति दूर-दूर तक फैली हुई थी. बलि राजा हमेशा अपनी प्रजा और दूसरों की भलाई में तत्पर रहते थे और कभी भी धन या अधिकार को अपने लिए संकुचित नहीं करते थे.एक दिन भगवान विष्णु ने वामन अवतार धारण किया और बलि से तीन पग भूमि मांग ली. राजा बलि ने अपने दान का महत्व समझते हुए, बिना किसी हिचकिचाहट के पूरा राज्य भगवान को दे दिया. उनकी विनम्रता और दानशीलता से प्रसन्न होकर भगवान विष्णु ने उन्हें पाताल लोक में शासन करने का वरदान दिया और कहा कि वे हर वर्ष एक दिन पृथ्वी पर अपनी प्रजा से मिलने आएंगे.

## बालकथा

गुडविन मसीह

# शिक्षा का धन

सोनपुर नामक गांव में ननकू नाम का एक निर्धन किसान रहता था। वह बहुत मेहनतकश और परिश्रमी होने के साथ-साथ काफी दयालु और उदार प्रवृत्ति का था। दूसरों के सुख-दुःख में काम आना वह अपना परम कर्तव्य समझता था। इसीलिए गांव का प्रत्येक व्यक्ति उसे जरूरत से ज्यादा मान-सम्मान देता था। ननकू के परिवार में उसकी पत्नी और दो बेटे थे। ननकू की दिली इच्छा थी कि उसके दोनों बेटे भी उसी के नक्शेकदम पर चलें, नेकी और ईमानदारी के रास्ते को अपनाएं। उसी के समान उनके अंदर भी दूसरों के प्रति आदर और सेवाभाव हो। इसलिए वह उन्हें हर वक्त यही शिक्षा दिया करता था कि 'बेटा, दूसरों के सुख में ही अपना सुख निहित होता है। मनुष्य को सदैव एक-दूसरे के सुख-दुःख का भागीदार होना चाहिए। जो दूसरों के प्रति स्वयं के समान श्रद्धाभाव रखता और निःस्वार्थभाव से सबके सुख-दुःख में काम आता है, वास्तव में वही सच्चा मनुष्य कहलाने योग्य होता है।' ननकू के दोनों लड़के पढ़े-लिखे जरूर थे लेकिन स्वभाव से वे सर्वथा उससे भिन्न थे। इसीलिए उन पर ननकू की बातों का कोई असर नहीं होता। वे उसकी बातों को और शिक्षाओं, आदर्शों एवं उपदेशों को खोखला और किताबी बातें बताकर टाल जाते थे। कभी-कभी तो उसकी पत्नी भी ननकू के शिष्टाचार और उपदेशों से तंग आ जाती और झुंझलाकर उससे कहती, 'स्वयं ने तो सारी जिन्दगी दुःखों और अभावों में जी है और अब बच्चों को भी यही शिक्षा देते रहते हैं।

## लोककथा

# एक विद्यार्थी की कहानी

बहुत पुरानी बात है कि किसी गांव में एक स्कूल था। एक बार वहाँ के मास्टर जी ने बच्चों को कहा कि स्कूल में सब बच्चों को साफ कपड़े पहन कर आने हैं। पर बच्चों ने कहा कि वे साफ कपड़े नहीं पहन सकते थे क्योंकि उनके पास इतने पैसे नहीं थे कि वे साफ कपड़े पहन सकते। मास्टर जी बोले कि अगर तुम्हारे पास इतने पैसे नहीं हैं तो जाओ अपने अपने पिताओं को बेच दो और उनको बेच कर जो पैसे आयें उनसे नये कपड़े खरीद लो।अब बच्चों के पास और कोई चारा नहीं था सो उन सबने अपने अपने पिताओं को बेच दिया और नये कपड़े खरीद लिये।

कुछ दिन बाद एक बार मास्टर जी ने फिर बच्चों को इकट्ठा किया और बोले - मेरे प्यारे बच्चों, तुम लोग अभी तक सब कुछ बहुत अच्छा करते रहे हो। अब तुम लोगों को स्कूल के लिये एक काम और करना है वह यह कि घर जा कर तुम अपनी अपनी माताओं को बेच दो और उनके बेचने से जो पैसे मिलें उनसे बढ़िया घोड़े खरीद लो। अगर कोई भी विद्यार्थी इस काम को करने में पीछे रहेगा या हिचकिचायेगा तो उसे स्कूल से निकाल दिया जायेगा। बेचारे विद्यार्थी अपने अपने घर गये और उन्होंने अपनी अपनी माताओं को बेच कर घोड़े खरीद लिये।

## आलेख

रमेश लांजेवार

# पठन प्रेरणा दिवस: डॉ. कलाम ने पढ़ाई को सफलता की चाबी बताया

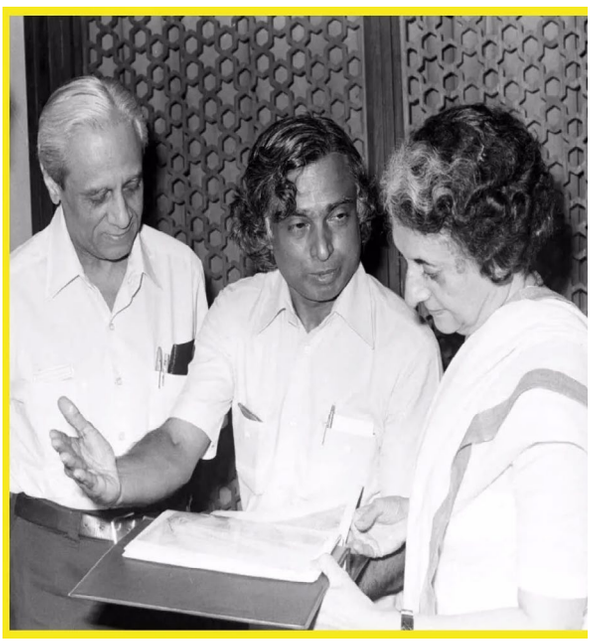

भारत में अनेक त्यौहार और सांस्कृतिक कार्यक्रम बड़े उत्साह से मनाए जाते हैं, लेकिन आज के आधुनिक और सोशल मीडिया के युग में लोग पढ़ने से दूर होते जा रहे हैं। इसलिए देश के पूर्व राष्ट्रपति, महान वैज्ञानिक और 'मिसाइल मैन' डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयंती (15 अक्तूबर 1931) को 'रीडिंग डे' के रूप में मनाया जाता है। उनका पूरा जीवन ज्ञान, अध्ययन और प्रेरणा से भरा था। उन्होंने युवाओं के जीवन में शिक्षा और पढ़ने का महत्व स्थापित किया। डॉ. कलाम मानते थे कि पढ़ना न केवल ज्ञान देता है, बल्कि व्यक्ति के विचार, आचरण और संस्कारों को भी आकार देता है। आज की युवा पीढ़ी मोबाइल और सोशल मीडिया में व्यस्त होती जा रही है, जिससे अध्ययन की रुचि कम हो रही है। हमें मोबाइल का उपयोग सीमित कर पढ़ने की आदत को बढ़ावा देना चाहिए। जितना अधिक हम पढ़ेंगे, उतनी ही बुद्धिमत्ता और सकारात्मकता प्राप्त करेंगे। कलाम की जयंती के दिन स्कूलों और कॉलेजों में 'पठन प्रेरणा दिवस' मनाया जाता है। लेकिन यह प्रेरणा केवल छात्रों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि हर नागरिक तक पहुचनी चाहिए। हमें उपहार में पुस्तकें देने और पढ़ने की परंपरा को अपनाना चाहिए। यही डॉ. कलाम को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने अपने जीवन से यह संदेश दिया कि ज्ञान ही असली शक्ति है। इसलिए हमें नियमित रूप से पुस्तकें और समाचार पत्र पढ़कर अपने विचारों का विकास करना चाहिए। पढ़ने की यह परंपरा हमारे समाज को ज्ञानवान, संस्कारी और सशक्त बनाएगी। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन।

## वास्तुशास्त्र

# धनतेरस पर गृह प्रवेश: शुभ या अशुभ?

हिंदू धर्म में धनतेरस का विशेष महत्व माना जाता है, क्योंकि इस दिन भगवान धन्वंतरि अपने हाथों में अमृत कलश लेकर क्षीर सागर से प्रकट हुए थे. इसी वजह से धनतेरस के दिन खरीदारी करते हैं. इस दिन लोग सोना, चांदी, नए बर्तन और झाड़ू आदी खरीदते हैं.

ऐसे में कई लोगों के मन में सवाल आता है कि जब धनतेरस का दिन बहुत शुभ है तो क्या इस दिन गृह प्रवेश किया जा सकता है. चलिए आपको इस लेख में बताते हैं कि धनतेरस पर गृह प्रवेश करना चाहिए या नहीं. वास्तु शास्त्र के अनुसार, धनतेरस पर गृह प्रवेश अशुभ होता है. धार्मिक दृष्टि से धनतेरस पर गृह प्रवेश करना शुभ नहीं माना जाता है, क्योंकि इस दिन वास्तु सुप्त अवस्था में होता है और ऐसा करने से घर में दुर्भाग्य और आर्थिक समस्याएं आ सकती हैं.

धनतेरस पर नए घर में प्रवेश करने के बजाय आप किसी अन्य शुभ तिथि पर गृह प्रवेश कर सकते हैं जैसे दिवाली से कुछ दिन पहले या बाद की तिथियां. धनतेरस कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर पड़ता है, जो कि चातुर्मास में आती है. चातुर्मास में विवाह, सगाई, गृह प्रवेश और नामकरण आदि कोई भी शुभ या मांगलिक कार्य नहीं किया जाता है.

इसी वजह से धनतेरस पर गृह प्रवेश नहीं करना चाहिए. चातुर्मास का समापन कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी (देवउठनी एकादशी) पर होता है. इसके बाद भगवान विष्णु योग निद्रा से जागृत हो जाएंगे, जिससे सभी मांगलिक और शुभ कार्यों की शुरुआत हो जाएगी.

## कहानी

मुंशी प्रेमचंद

# कलम का सिपाही

मुंशी प्रेमचंद ने साहित्य के माध्यम से भारत के दलित एवं उपेक्षित वर्गों का नेतृत्व करते हुए उनकी पीड़ा एवं विरोध को वाणी प्रदान की उनकी रचनाओं का एक उद्देश्य होता था.अपनी रचनाओं के माध्यम से उन्होंने न केवल सामाजिक बुराइयों के दुष्परिणामों की व्याख्या की, बल्कि उनके निवारण के उपाय भी बताए .उन्होंने बाल-विवाह, बेमेल-विवाह, विधवा-विवाह, सामाजिक शोषण, अंधविश्वास इत्यादि सामाजिक समस्याओं को अपनी कृतियों का विषय बनाया एवं यथासंभव इनके समाधान भी प्रस्तुत किए'कर्मभूमि' नामक उपन्यास के माध्यम से उन्होंने छुआ-छूत की गलत भावना एंव अछूत समझे जाने वाले लोगों के उद्धार का मार्ग बताया है.उन्होंने लगभग अपनी सभी रचनाओं में धर्म के ठेकेदारों की पूरी आलोचना की है एवं समाज में व्याप्त बुराइयों के लिए उन्हें जिम्मेदार मानते हुए जनता को उनसे सावधान रहने का संदेश दिया है.'सेवासदन' नामक उपन्यास के माध्यम से उन्होंने नारी शोषण के खिलाफ आवाज उठाई है.अपनी कई रचनाओं में हिन्दू-मुस्लिम सांप्रदायिकता पर गहरा आघात किया एंव 'कर्बला' नामक नाटक के माध्यम से उनमें एकता व भाईचारा बढ़ाने का सार्थक प्रयास किया.

इस तरह देखा जाए तो अपनी रचनाओं के माध्यम से प्रेमचंद ने न केवल 'कलम के सिपाही' के रूप में ब्रिटिश सरकार से लोहा लिया, बल्कि समाज सुधार के पुनीत कार्य को भी बखूबी अंजाम दिया उनके उपन्यास 'गोदान' को यथार्थवादी उपन्यास की संज्ञा दी जाती है, क्योंकि इसके नायक होरी के माध्यम से उन्होंने समाज के यथार्थ को दर्शाया है गांव का निवासी होने के कारण उन्होंने किसानों के ऊपर हो रहे अत्याचारों को नजदीक से देखा था, इसलिए उनकी रचनाओं में यथार्थ दर्शन होते हैं। उन्हें लगता था कि सामाजिक शोषण एंव अत्याचारों का उपाय गांधीवादी दर्शन में है, इसलिए उनकी रचनाओं में गांधीवादी दर्शन की भी प्रधानता है.प्रेमचंद गांव के किसान एंव मोची से लेकर शहर के अमीर वर्ग एंव सरकारी मुलाजिमों तक को अपनी रचनाओं में यथार्थ चित्रण किया है। साहित्य जगत ने उनके लेखन से प्रभावित होकर उन्हें 'कलम के सिपाही' का उपनाम दिया है प्रेमचंद को उनके महान उपन्यासों में उत्कृष्ट कथाशिल्प एवं प्रस्तुतीकरण के कारण 'उपन्यास सम्राट' भी कहा जाता है।

## हास्य-व्यंग्य

अशोक जंघेल

# कंजूस

स्वार्थी-कंजूस - इस श्रेणी में वैसे कंजूसों को शामिल किया जा सकता है जो कि अपने परिवार के सभी सदस्यों के सामने अपनी आर्थिक तंगी का रोना रोते रहते हैं किंतु, अपने शौक पूरे करने के लिए अपनी कंजूसी (आर्थिक-तंगी) छोड़कर पैसा पानी की तरह बहाते रहते हैं। अर्थात ऐसे कंजूस 'स्वयं-हिताय: स्वयं-सुखाय' के सिद्धांत पर चलते हैं। टुच्चे-कंजूस

- विगत कई वर्षों से महंगाई की मार से टुच्चे-किस्म के कंजूसों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है। ऐसे कंजूस अपनी 'टुच्चागिरी' की कला से थोड़ा-थोड़ा करके भी बहुत कुछ बचा लेते हैं। अथवा जोड़ लेते हैं। उदाहरण विक्रेता से मोलभाव करने के बाद भी खुल्ले पैसे (रूपये) न होने का बहाना बनाकर अथवा बाद में दे देने का झूठा शपथ वाक्य बोलकर अपनी 'टुच्चागिरी' से पैसे बचा-बचाकर कंजूस बन जाते हैं। मुफ्तखोर कंजूस - ऐसे कंजूसों की हमेशा ही मुफ्त में अथवा मुफ्त के दामों में (सस्ते में) खाने-पीने और लेने की आदतें पड़ी होती हैं। इन कंजूसों का एक ही सिद्धांत होता है, 'राम-नाम जपना और पराया माल अपना" या फिर 'खाए-पिए और खिसकें।' पैतृक- कंजूस - ऐसे कंजूसों को कंजूसी के जीवाणु (जीन्स) उन्हें विरासत में ही मिलते हैं। पैदा होने के बाद से ही उन्हें कंजूसीपने की घुट्टी परिवार वालों द्वारा पिला दी जाती है। जो कि बाद में दूध के रूप में (मलाई मारने की कला के साथ) उनकी पूरी जिंदगी चलती रहती है। ऐसे कंजूसों पर अपनी जाति-विशेष एवं भौगोलिक स्थिति का भी विशेष प्रभाव पड़ता है।

## संस्मरण

गोवर्धन यादव

# शेरों के बीच एक दिन

बचपन में बिताए गए हर पल मुझे अब भी याद हैं. सोने से पहले मैं मां से कोई कहानी सुनाने को कहता और वे बड़े चाव से कहानी सुनाने लगती थीं. उसमें कभी राजा-रानी होते, तो कभी जंगल के कोई पशु-पक्षी. शेरों को लेकर न जाने कितनी ही कहानियां उन्होंने सुनायी थीं. छुट्टियों में जब कभी अपने ननिहाल(नागपुर) जाना होता, नानी भी एक से बढकर एक कहानियां सुनाया करती थीं. उनकी भी कहानियों में वही शेर-भालू-चीते होते, राजा-रानी होते तो कभी कोई जादूगर आदि-आदि. नानी ने ही बतलाया था कि यहा महाराजबाग में शेर तथा अन्य जानवरों के बाड़े हैं. एक दिन मैंने जिद पकड़ी कि मुझे शेर देखना है. दिन ढलते ही उन्होंने मुझे महाराजबाग दिखाने अपने साथ ले लिया. यह बाग एक विशाल परिसर में फ़ैला हुआ है. यहां लोहे के जंगलों में शेर-भालू-चीते, बारहसिंघे-हिरण, सांभर और भी न जाने कितने ही पशु-पक्षी बंद हैं, जिन्हें अपनी आंखो से देखना अपने आप में एक कौतूहल का विषय था.

एक बार किसी गर्मी की छुट्टी में मैं अपने ननिहाल में था. उस समय एक सर्कस आया हुआ था जिसका नाम शायद 'कमला सर्कस' था, मुझे देखने को मिला. लोग कहा करते थे कि वह सर्कस एशिया का सबसे बड़ा सर्कस था.

लोहे के बड़े-बड़े पिंजरों में शेरों को रिंग मे उतारा जाता था और रिंगमास्टर अपने कोड़े और एक लकड़ी की छडी के बल पर उनसे कभी बड़े से स्टूल पर बैठने का इशारा करता तो कभी कुछ और. तरह-तरह के करतब शेरों के मुझे देखने को मिले. उसके बाद तो अनेकों सर्कसें मैं देख चुका था. बाद में पता चला कि किसी विदेश यात्रा के दौरान कमला सर्कस समुद्र के गर्भ में समा गया. उसके बाद न जाने कितनी ही सर्कस मैं देख चुका था.


# क्या आप अस्थमा दमा सांस रोग से परेशान हैं

दमा सास या सास की बीमारी खासकर बारिश या ठंडी के मौसम में ज्यादा परेशान करती है कई लोगो को यह बीमारी कई सालो से लम्बे समय से होती है। ये लोग इसके लिए हमेशा आयुर्वेद में हिअ एलोपैथिक स्टेरॉइड, एंटीएलर्जिक मेडिसिन्स खाते रहते है परन्तु उनको केवल टेम्परारी रिलीफ हे मिलता है और तकलीफ नहीं छूटती। परन्तु आयुर्वेद एक ऐसा प्राचीन जीवनशास्त्र (लाइफ साइंस) एवं चिकित्सा शास्त्र (मेडिकल साइंस) है जिससे की सास जड़ से है की बीमारी में तुरंत आराम मिलता है एवं लम्बे समय तक कम दवाओं में बिना किसी साइड इफेक्ट्स के मरीज़ को आराम मिलता है कुछ इलाज के बाद तो उनको दवाई भी लेने की जरुरत नहीं होती केवल कभी कभी ही तकलीफ होने पर होती है।

सांस (अस्थमा) के रोगियों को चल रही रोगी आज कल चल रही कोरोना पान्डेमिक से भी ज्यादा सावधान रहने की ज़रूरत है क्यूंकि इन रोगियों को कोरोना आसानी से तकलीफ में डाल सकता है। आयुर्वेदिक उपचार में श्वास निवारण सिरप ,चित्रकहरीतकी, वासावलेह , स्पेशल श्वासाहर कैप्सूल ,तुलसी सृंग तुलसी प्लस स्ट्रांग सिरप, खोखो सिरप ,एलीनोज़ कैप्सूल इत्यादि से अस्थमा या सास की बीमारी में जल्दी आराम होते हुए देखा गया है। शिवशंकर आयुर्वेदिक चिकित्सालय सीताबर्डी टेम्पेल बाजार रोड। महाजन मार्किट में स्तिथ योग काम्प्लेक्स में एक ऐसा चिकित्सालय है जहा के अनुभवी डॉक्टर्स इस बीमारी अस्थमा ,श्वासरोग दमा का सटीक एकदम दुष्परिणाम विरहित इलाज करते है। जो रुग्ण पंप इन्हेलर्स का इस्तेमाल करते है उनके पंप लेने का प्रमाण धीरे धीरे काम होकर पूरी तरह से छूट भी जाता है। उनके अस्थमा अटैक्स कम होकर उनकी सेवेंटी भी कम हो जाती है। अस्थमा से पीड़ित इच्छुक रुग्ण 9112079000 / 8605245080 पर संपर्क स्थापित कर इस तकलीफ से आज भी छुटकारा पा सकते है।

पॅनल्स ऑफ डॉक्टर्स

डॉ. आकांशा रा. गुप्ता B.A.M.S, MD, (A.M) C.C.H, C.G.O, C.V.D
डॉ. पारुल मोहित गुप्ता B.A.M.S, PG-DEMS NDDY, CCNY, CCHC
डॉ. रचना मयूर गुप्ता B.A.M.S, MD,
डॉ.अतुल तेलरांदे B.A.M.S, MD, M.I.S.R (Mum), C.C.H, C.G.O, C.S.D, C.V.D
डॉ. विनोद तिवारी बी.ए.एम.एस, पी.ओ.डी.

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनि क्रमांकों पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000 / 8605245080.


नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक: फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादक: इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
नागपुर, बुधवार, 15 अक्तूबर 2025



# जिला चंद्रपुर-गढ़चिरोली

## गढ़चिरोली जिला परिषद चुनाव 2025 के लिए आरक्षण सूची घोषित

**गढ़चिरोली.**

आगामी जिला परिषद आम चुनावों की तैयारियों के बीच आज एक अहम पड़ाव पूरा हुआ है। गढ़चिरोली जिला परिषद के कुल 51 निर्वाचन विभागों के लिए आरक्षण की लॉटरी (सोडत) आज सोमवार, 13 अक्टूबर 2025 को घोषित की गई।

यह प्रक्रिया जिलाधिकारी कार्यालय के जिला नियोजन समिति सभागार में, जिलाधिकारी की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

यह आरक्षण "महाराष्ट्र जिला परिषद एवं पंचायत समितियां (सीट आरक्षण की पद्धति एवं चक्रानुक्रम) नियम, 2025" के अनुसार किया गया। संपूर्ण लॉटरी प्रक्रिया का संचालन उपजिला निर्वाचन अधिकारी श्री राहुल जाधव के मार्गदर्शन में हुआ।

इस दौरान नायब तहसीलदार (निर्वाचन) हेमंत मोहरे तथा सहायक महसूल अधिकारी प्रशांत चिटमलवार भी उपस्थित थे।

आरक्षण घोषणा के इस कार्यक्रम में जिलेभर से विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, संभावित उम्मीदवार और नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

आरक्षण सूची जारी होते ही जिले का राजनीतिक माहौल गर्म हो गया है, और अब सभी दल आगामी चुनावी रणनीति बनाने में जुट गए हैं।

**51 निर्वाचन विभागों का आरक्षण विवरण**

**क्रमांक तालुका विभाग क्रमांक व नाम आरक्षित वर्ग**

1 कोरची कोटरा-बिहिटेकला अनुसूचित जनजाति – महिला
2 कोरची बेडगांव-कोटगुल अनुसूचित जनजाति
3 कुरखेडा पलसगड-पुराडा अनुसूचित जनजाति
4 कुरखेडा तळेगांव-वडेगांव अनुसूचित जनजाति
5 कुरखेडा गेवर्धा-गोठणगांव नामनिर्देशित – महिला
6 कुरखेडा कढोली-सावलखेडा अनुसूचित जनजाति
7 कुरखेडा अंगारा-येंगलखेडा अनुसूचित जनजाति – महिला
8 देसाईगंज कोरेगांव-डोंगरगांव (हलबी) नामनिर्देशित
9 देसाईगंज विसोरा-सांवगी नामनिर्देशित – महिला
10 देसाईगंज कुरुड-कोकड़ी सर्वसाधारण
11 आरमोरी वैरागड-मानापुर अनुसूचित जनजाति – महिला
12 आरमोरी पळसगांव-जोगीसाखरा नामनिर्देशित
13 आरमोरी ठाणेगांव-इंजेवारी सर्वसाधारण
14 आरमोरी सिर्सी-वडधा अनुसूचित जनजाति
15 धानोरा मुस्का-मुरुमगांव अनुसूचित जनजाति – महिला
16 धानोरा येरकड-रांगी अनुसूचित जनजाति – महिला
17 धानोरा चातगांव-कारवाफा अनुसूचित जनजाति
18 धानोरा पेंढरी-गट्टा अनुसूचित जनजाति
19 गढ़चिरोली मौशिखांब-मुरमाडी नामनिर्देशित
20 गढ़चिरोली वसा-पोर्ला नामनिर्देशित – महिला
21 गढ़चिरोली कोटगल-मुरखळा अनुसूचित जाति
22 गढ़चिरोली जेप्रा-विहिरगांव नामनिर्देशित
23 गढ़चिरोली मुडझा-येवली नामनिर्देशित – महिला
24 चामोर्शी कुनघाडा रै-तळोधी मो. सर्वसाधारण – महिला
25 चामोर्शी विसापूर रै-कुरुळ सर्वसाधारण – महिला
26 चामोर्शी विक्रमपूर-फराडा नामनिर्देशित – महिला
27 चामोर्शी भेंडाळा-मुरखळा नामनिर्देशित
28 चामोर्शी लखमापूर बोरी-गणपूर रै नामनिर्देशित
29 चामोर्शी हळदवाही-रेगडी सर्वसाधारण
30 चामोर्शी घोट-सुभाषग्राम सर्वसाधारण – महिला
31 चामोर्शी दुर्गापुर-वायगांव सर्वसाधारण – महिला
32 चामोर्शी आष्टी-इल्लूर सर्वसाधारण
33 मुलचेरा कालीनगर-विवेकानंदपूर नामनिर्देशित – महिला
34 मुलचेरा सुंदरनगर-गोमणी सर्वसाधारण – महिला
35 मुलचेरा कोठारी-शांतीग्राम नामनिर्देशित – महिला
36 एटापल्ली जारावंडी-कसनसूर अनुसूचित जनजाति
37 एटापल्ली गट्टा-हेडरी अनुसूचित जनजाति
38 एटापल्ली गेद्दा-हालेवारा अनुसूचित जनजाति – महिला
39 एटापल्ली पंदेवाही स.-बुर्गी स. अनुसूचित जनजाति – महिला
40 भामरागड आरेवाडा-लाहेरी अनुसूचित जनजाति

41 भामरागड कोठी-येचली अनुसूचित जनजाति – महिला
42 अहेरी खमनचेरू-नागेपल्ली अनुसूचित जनजाति – महिला
43 अहेरी वेलगुर-आलापल्ली सर्वसाधारण
44 अहेरी महागांव-देवलमारी अनुसूचित जनजाति
45 अहेरी पेरमीली-राजाराम अनुसूचित जनजाति – महिला
46 अहेरी रेपनपल्ली-उमानूर अनुसूचित जाति
47 अहेरी जिमलगट्टा-पेठा अनुसूचित जनजाति – महिला
48 सिरोंचा झिगांनूर-आसरअल्ली सर्वसाधारण
49 सिरोंचा विठ्ठलरावपेठा माल-जाफ्राबाद चेक अनुसूचित जाति – महिला
50 सिरोंचा नारायणपूर-जानमपल्ली अनुसूचित जाति – महिला
51 सिरोंचा लक्ष्मीदेवीपेठा-अंकिसा माल अनुसूचित जाति – महिला

**अगले चरण पर नज़र :** आरक्षण प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब सभी की नज़र राज्य निर्वाचन आयोग की आगामी घोषणा और चुनाव कार्यक्रम पर टिकी है।

इस आरक्षण व्यवस्था से कुछ वर्तमान सदस्य अपने क्षेत्र बदलने को मजबूर हो सकते हैं, वहीं कई नए चेहरों को चुनावी मैदान में उतरने का अवसर मिलेगा। राजनीतिक दल अब अपने उम्मीदवारों की संभावित सूची तैयार करने लगे हैं, और जिले में चुनावी माहौल तेजी से गरमाने लगा है।

## किसानों ने खत्म किया 'रास्ता रोको' आंदोलन

> बाघों को पकड़ने का लिखित आश्वासन
> वन विभाग ने 8 दिन के भीतर क्षेत्र के सभी आदमखोर बाघों को पिंजरे में बंद करने का वादा किया

**चिमूर, शुभम बारसागडे**

चिमूर तालुका के शंकरपुर-भिशी महामार्ग पर स्थित आंबोली चौराहे पर आज, 14 अक्टूबर को, स्थानीय किसानों ने बाघों के आतंक के खिलाफ एक विशाल और सफल रास्ता रोको आंदोलन किया। शुभम मंडपे के नेतृत्व में, लावारी, चिचाला शास्त्री, आंबोली, वाकर्ला, बोरगांव, गडपिपरी, शिरसपुर, और शंकरपुर सहित लगभग दस गांवों के हजारों किसान दोपहर करीब 11 बजे सड़क पर उतर आए।

**खेतों में काम करने से डर रहे थे किसान : :** दरअसल, इन गांवों के खेतों और रिहायशी इलाकों में बाघों का दिखना अब रोजमर्रा की घटना बन चुका है। इन आदमखोर जानवरों के लगातार हमलों में कई पालतू जानवर और मानव अपनी जान गँवा चुके हैं। पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। महत्वपूर्ण फसल के मौसम के दौरान भी किसान डर के मारे अपने खेतों में जाने से कतरा रहे थे, जिससे उनका भारी नुकसान हो रहा था। इसी गंभीर समस्या के स्थायी समाधान के लिए, सभी राजनीतिक दलों और किसानों की ओर से एकजुट होकर यह प्रदर्शन किया गया।

**आक्रोश बढ़ा, विधायक ने दी चेतावनी :** आंदोलन के दौरान, भिशी, चिमूर और शंकरपुर पुलिस का पुख्ता बंदोबस्त तैनात रहा। वन विभाग के अधिकारी चिमूर देउलकर मौके पर मौजूद थे, लेकिन ब्रह्मपुरी के वरिष्ठ अधिकारी के घटना स्थल पर नहीं पहुंचने के कारण किसानों का गुस्सा भड़क उठा। किसानों ने स्पष्ट रुख अपना लिया कि जब तक कोई वरिष्ठ अधिकारी लिखित में उनकी मांगें स्वीकार नहीं करता, तब तक वे आंदोलन समाप्त नहीं करेंगे। इसी दौरान, चिमूर क्षेत्र के विधायक किर्तीकुमार भांगड़िया ने आंदोलन स्थल का दौरा किया। उन्होंने तत्काल वन विभाग को सख्त चेतावनी देते हुए आठ दिन के भीतर इस क्षेत्र के सभी बाघों को पकड़ने का आदेश दिया।

### 'रास्ता रोको' आंदोलन लिया वापस

विधायक के हस्तक्षेप के बाद, वरिष्ठ अधिकारियों को तुरंत बुलाया गया। अधिकारियों ने किसानों की मांगें स्वीकार करते हुए लिखित आश्वासन दिया कि आगामी आठ दिनों के भीतर क्षेत्र के सभी बाघों को पिंजरे में बंद करके अन्यत्र स्थानांतरित कर दिया जाएगा। यह लिखित सहमति मिलने के बाद ही किसानों ने दोपहर 3 बजे अपना रास्ता रोको आंदोलन वापस लिया।

इस सफल आंदोलन के आयोजन में ग्राम पंचायत आंबोली के युवा सदस्य शुभम मंडपे का अहम योगदान रहा। मंच का संचालन मनोज सरदार ने किया। आंदोलन में कांग्रेस के तालुका प्रमुख विजय गावंडे, पंचायत समिति सदस्य रोशन ढोक, भाजपा के मनोहर रंधये और प्रफुल्ल डांगे, आंबोली के उपसरपंच वैभव ठाकरे, चिचाला शास्त्री के सरपंच अरविंद राऊत, जितेंद्र राऊत, परसराम बारेकर, और क्षेत्र के कई नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## क्रांति भूमि चिमूर में गूंजा साहित्य का 'दखल'!

> लेखक सुरेश डांगे की पुस्तक का भव्य विमोचन
> दशरथ चोखे का 'शहीद बालाजी रायपुरकर वीरता पुरस्कार' से सम्मान

**चिमूरः शुभम बारसागडे**

ऐतिहासिक चिमूर की 'क्रांति भूमि' स्थित बालाजी मंदिर हॉल में रविवार को साहित्य, सम्मान और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। लेखक सुरेश डांगे की बहुप्रतीक्षित पुस्तक 'दखल' का विमोचन समारोह बड़े ही भव्य तरीके से आयोजित किया गया, जिसने पूरे विदर्भ के साहित्यिक हलकों में एक नई ऊर्जा का संचार कर दिया।

**विमोचन मंच पर साहित्य और समाज के दिग्गज :** कार्यक्रम की अध्यक्षता महाराष्ट्र राज्य पुस्तकालय संघ के अध्यक्ष डॉ. गजानन कोटेवार ने की, जिन्होंने साहित्य की भूमिका पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर डॉ. देवमन कामड़ी (साहित्यिक, नागपुर) ने भी अपने विचार साझा किए।

मंच पर मुख्य अतिथि के रूप में साहित्यकार बंदोपंत बोडेकर (चंद्रपुर), नागपुर संभाग पुस्तकालय संघ के मुख्य कार्यकारी भाऊराव पत्रे, साहित्यिक एवं प्रसिद्ध अधिवक्ता भूपेश पाटिल, डॉ. विलास गजबे (नागपुर) और साप्ताहिक लोक प्रतिष्ठा के संपादक रामकुमार चिचपाले जैसे कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इन सभी उपस्थित दिग्गजों ने मिलकर 'दखल' पुस्तक का औपचारिक विमोचन किया।

**शौर्य का सम्मान और काव्य प्रतिभा का अभिनंदन :** विमोचन के साथ ही, समारोह का सबसे भावुक और प्रेरणादायी क्षण आया। वामनराव पाटिल स्मारक प्रतिष्ठान, चिमूर द्वारा शहीद बालाजी रायपुरकर वीरता पुरस्कार से दशरथ चोखे (खातोड़ा) को सम्मानित किया गया। यह सम्मान चिमूर की शौर्य परंपरा और त्याग की भावना को आगे बढ़ाता है।

इसी दौरान, साहित्य प्रेमियों के लिए एक और खुशी की खबर थी, जब राज्य स्तरीय कविता प्रतियोगिता के परिणाम भी घोषित किए गए। अपनी उत्कृष्ट काव्य रचनाओं के लिए डॉ. धनराज खानोरकर (ब्रह्मपुरी), सुनील पोटे (राजुरा), सविता झाड़े (चिमूर), संदीप गायकवाड़ (नागपुर) और अरुण घोरपड़े (चंद्रपुर) को पुरस्कृत कर उनकी प्रतिभा का अभिनंदन किया गया।

कार्यक्रम का सफल संचालन वीरेन कुमार खोबरागड़े ने किया, जबकि रामदास कामड़ी ने अतिथियों का परिचय दिया और प्रकाश कोडापे ने सभी का आभार व्यक्त किया। साहित्य, सामाजिक कार्य और पुस्तकालय आंदोलन से जुड़े बड़ी संख्या में दिग्गजों की उपस्थिति ने इस कार्यक्रम को एक यादगार और सफल आयोजन बना दिया।

## कांग्रेस ने की डुप्लिकेट मतदाताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग; जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा

**गढ़चिरोली.**

गढ़चिरोली जिले की मतदाता सूची में बड़ी संख्या में डुप्लिकेट और बार-बार दर्ज हुए मतदाताओं के मामले सामने आए हैं। इस पर तत्काल जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाए और ऐसे नाम सूची से हटाए जाएँ, ऐसी मांग जिला कांग्रेस ने जिलाधिकारी से की है।

जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष महेंद्र ब्राह्मणवाडे के नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारियों के प्रतिनिधि मंडल ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान डुप्लिकेट मतदाताओं की विस्तृत सूची प्रशासन को सौंपी गई।

साथ ही बताया गया कि मतदाता सूची की जांच और आपत्ति दर्ज करने की अंतिम तिथि 14 अक्टूबर तय की गई है, लेकिन कई ग्राम पंचायतों को अभी तक मतदाता

सूचियाँ प्राप्त नहीं हुई हैं। इस कारण मतदाताओं को अपने नाम जांचने में कठिनाई हो रही है। इसलिए आपत्ति और सुझाव दाखिल करने की समय-सीमा बढ़ाई जाए, ऐसी मांग भी कांग्रेस की ओर से की गई।

इस मौके पर महेंद्र ब्राह्मणवाडे, अजय कंकडलावार, मनोहर पाटील पोरेटी, हनुमंतु मडावी, वसंत राऊत, नेताजी गावतुरे, दिवाकर निसार, अजु पठाण, श्रीनिवास ताटपल्लीवार समेत कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

## खांबाडा के खेत में बाघ के ताज़े पगचिन्ह!

> किसानों में जबरदस्त दहशत > वन विभाग से कड़े नियंत्रण की मांग

**चिमूर.**

14 अक्तूबर सुबह लगभग 10 बजे खांबाडा क्षेत्र के किसान वैरागडे के खेत में बाघ के ताज़े पगचिन्ह पाए जाने से पूरे इलाके में भारी दहशत का माहौल पैदा हो गया है। इस अप्रत्याशित घटना ने किसानों और स्थानीय ग्रामीणों को बुरी तरह भयभीत कर दिया है, जिससे यह सवाल खड़ा हो गया है कि इस क्षेत्र में कितने बाघ सक्रिय हैं।

**सुबह 10 बजे की घटना :** जानकारी के अनुसार, यह घटना आज सुबह लगभग 10 बजे के आसपास की है, जब किसान और खेत मजदूर वैरागडे के खेत में सामान्य कामकाज के लिए पहुंचे। उन्होंने खेत की मिट्टी में स्पष्ट रूप से दिखाई देने वाले एक वयस्क बाघ के ताज़े और गहरे पग चिन्ह देखे। पगदंडों की ताजगी देखकर यह अंदाजा लगाया गया कि बाघ कुछ ही देर पहले इस क्षेत्र से गुजरा होगा।

पगचिन्ह देखते ही खेत में मौजूद लोगों ने शोर मचाना शुरू कर दिया और तुरंत इसकी सूचना अन्य ग्रामीणों और वन विभाग को दी गई।

**किसानों में भय और सुरक्षा का सवाल :** बाघ के इतने करीब, सीधे खेत में पहुंच जाने की खबर से किसान समुदाय गहरे भय में है। वे अब अपनी फसलों की देखभाल या खेतों में काम करने के लिए जाने से कतरा रहे हैं।

एक स्थानीय किसान ने अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा, "हमें पता है कि हम वन्यजीव क्षेत्र के करीब हैं, लेकिन जब बाघ रिहायशी और कृषि क्षेत्र के इतने पास आ जाता है, तो यह हमारी जान को सीधा खतरा है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्षेत्र में आख़िर कितने बाघ मौजूद हैं? क्या यह एक अकेला बाघ है या पूरा परिवार इस इलाके में घूम रहा है?"

उनका कहना है कि उन्हें अब दिन-रात अपनी जान का जोखिम उठाना पड़ रहा है, क्योंकि ये पगचन्ह दर्शाते हैं कि बाघ अब भोजन और पानी की तलाश में मानव बस्तियों के और करीब आ रहे हैं।

**वन विभाग से तत्काल नियंत्रण की मांग :** इस गंभीर स्थिति को देखते हुए, ग्रामीणों और किसानों ने सर्वसम्मति से वन विभाग से तत्काल और कड़े नियंत्रण की मांग की है।

**गहन गश्त :** वन विभाग की टीमों को प्रभावित क्षेत्र और उसके आसपास रात-दिन गश्त करनी चाहिए।

**पगचिन्हों की जांच:** मिले हुए पगचिन्हों की माप लेकर यह पुष्टि की जाए कि यह किस उम्र और लिंग के बाघ का है।

**जागरूकता अभियान:** किसानों को बाघ से बचाव और सुरक्षा के उपायों के बारे में जागरूक किया जाए। वन विभाग के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच कर रहे हैं और पगदंडों के आधार पर बाघ की आवाजाही के मार्ग का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। ग्रामीणों की मांग है कि वन विभाग जल्द से जल्द बाघ को जंगल के सुरक्षित इलाके में वापस खदेड़ने के

### 16 अक्टूबर को सार्वजनिक अवकाश घोषित हो (आवश्यक सेवाओं को छोड़कर)

**चंद्रपुर.** भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने 16 अक्टूबर 1956 को चंद्रपुर की पवित्र दीक्षा भूमि पर लाखों अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म की दीक्षा लेकर इतिहास रच दिया था। हर साल इस दिन चंद्रपुर में 'धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस' मनाने के लिए भारी भीड़ उमड़ती है। हालाँकि, इस दिन को अभी तक सार्वजनिक अवकाश घोषित नहीं किया गया है।

इस पृष्ठभूमि में, चंद्रपुर की सांसद प्रतिभा धानोरकर ने संभागीय आयुक्त से 16 अक्टूबर को सार्वजनिक अवकाश घोषित करने का आग्रह करते हुए एक आक्रामक मांग की थी। उनकी मांग का संज्ञान लेते हुए, जिला कलेक्टर विनय गौड़ा (अध्यक्ष, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, चंद्रपुर) ने आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के तहत 14 अक्टूबर, 2025 को एक आधिकारिक आदेश जारी किया है। इस आदेश के अनुसार, चंद्रपुर शहर में सभी आंगनवाड़ी, पूर्व-प्राथमिक, माध्यमिक विद्यालय, कॉलेज और निजी कोचिंग कक्षाएं 16 अक्टूबर, 2025 को बंद रहेंगी। आवश्यक सेवाओं को छोड़कर, सरकारी और अर्ध-सरकारी कार्यालयों के कर्मचारियों के लिए अवकाश घोषित किया गया है। यह निर्देश दिया गया है कि कार्यालय केवल आवश्यक सेवाओं के लिए आवश्यक कर्मचारियों को उपस्थित रखें। सांसद प्रतिभा धानोरकर ने अपने पत्र में उल्लेख किया था कि इस दिन छुट्टी न होने से कई सरकारी कर्मचारियों, श्रमिकों और नागरिकों को छुट्टी लेने और कार्यक्रम में भाग लेने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

# देश बनेगा सबसे बड़ा एआई हब

## > गूगल करेगा बड़ा निवेश



**नई दिल्ली.**

दुनिया की दिग्गज टेक कंपनी गूगल ने भारत पर बड़ा दांव लगाया है। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने कहा है कि उनकी कंपनी भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का बड़ा हब बनाने के लिए 1.33 लाख करोड़ रुपये (15 अरब डॉलर) का निवेश करेगी।

पिचाई ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस बारे में बात की है और आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में अपने पहले एआई हब के लिए अमेरिकी तकनीकी दिग्गज की योजनाओं को उनसे साझा किया है।

भारतीय मूल के सीईओ ने एक्स' पर लिखा, भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बात करके बहुत अच्छा लगा, हमने विशाखापत्तनम में पहले गूगल एआई केंद्र के लिए अपनी योजनाओं को साझा किया जो एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।' पिचाई ने लिखा, यह केंद्र गीगावाट स्तरीय कंप्यूटिंग क्षमता, एक नया अंतरराष्ट्रीय सब-सी गेटवे और विशाल ऊर्जा अवसंरचना को एक साथ लाता है।

इसके माध्यम से हम अपनी उद्योग-अग्रणी प्रौद्योगिकी को भारत के उद्यमों एवं उपयोगकर्ताओं तक पहुंचाएंगे जिससे एआई नवोन्मेषण में तेजी आएगी और देश भर में विकास को गति मिलेगी।'

दूसरी तरफ, दिल्ली में आयोजित भारत एआई शक्ति नाम के एक बड़े कार्यक्रम में भारत सरकार के कई दिग्गज मंत्री एक मंच पर नजर आए। इसी कार्यक्रम में गूगल क्लाउड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) थॉमस कुरियन ने इस निवेश के बारे में जानकारी देते हुए कहा, 'यह अमेरिका के बाहर सबसे बड़ा एआई केंद्र होगा जिसमें हम निवेश करने जा रहे हैं।'

इस कार्यक्रम में औपचारिक समझौते पर हस्ताक्षर भी किए गए। समझौता गूगल और आंध्र प्रदेश सरकार के बीच हुआ है। इसी समझौते पर हस्ताक्षर होने के तुरंत बाद पिचाई ने एक्स पर पोस्ट किया।

### शाखापत्तनम में बनेगा एआई हब

समझौते के मुताबिक, अमेरिका की कंपनी गूगल अगले पांच वर्ष में विशाखापत्तनम में एक एआई केंद्र स्थापित करने के लिए 15 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करेगी। इसमें अदाणी समूह के साथ साझेदारी में देश का सबसे बड़ा डेटा सेंटर भी शामिल होगा। कार्यक्रम में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

# सितंबर में थोक महंगाई घटी, पहुंची 0.13% पर

**नई दिल्ली.**

सितंबर 2025 में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूआईपी) आधारित मुद्रास्फीति में महत्वपूर्ण गिरावट आई, जो सिर्फ 0.13% पर आ गई। यह गिरावट मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों और विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में कमी के कारण हुई। अगस्त 2025 में डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति 0.52% और पिछले साल सितंबर में यह 1.91% थी। पीटीआई की खबर के मुताबिक, सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर में खाद्य पदार्थों की कीमतों में अपस्फीति 5.22% रही, जबकि अगस्त में यह 3.06% थी। विशेष रूप से, सब्जियों में कीमतों की गिरावट में तेज़ी आई, जहां सब्जियों की कीमतों में 24.41% की गिरावट आई, जबकि अगस्त में यह गिरावट 14.18% थी। विनिर्मित उत्पादों की मुद्रास्फीति भी मामूली रूप से घटकर 2.33% रही, जो अगस्त में 2.55% थी। वहीं, ईंधन और बिजली क्षेत्र में अपस्फीति 2.58% दर्ज की गई, जो अगस्त में 3.17% थी।

बार्कलेज इंडिया की मुख्य अर्थशास्त्री आस्था गुडवानी के अनुसार, वैश्विक स्तर पर वस्तुओं की कीमतों में गिरावट के कारण WPI मुद्रास्फीति आने वाले समय में लंबे समय तक कम रहने की संभावना है। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च के एसोसिएट निदेशक पारस जसराय ने कहा कि हालांकि, सितंबर 2025 में मुख्य मुद्रास्फीति बढ़कर 1.9% हो सकती है, जो आभूषणों की कीमतों में रिकॉर्ड वृद्धि (34.1%) के कारण है। जसराय का यह भी कहना था कि अक्टूबर में डब्ल्यूपीआई फिर से अपस्फीति की ओर बढ़ सकता है, और अक्टूबर 2025 में यह 0.5% तक पहुंच सकता है। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि निकट भविष्य में मुद्रास्फीति का रुख कमजोर रहने की उम्मीद है, हालांकि 2026 के अंत तक इसमें मामूली वृद्धि हो सकती है।

पीएचडीसीसीआई के सीईओ और महासचिव रंजीत मेहता ने बताया कि खाद्य और प्राथमिक वस्तुओं की कीमतों में गिरावट के कारण समग्र मुद्रास्फीति कम हुई है। इसके साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि खाद्य और ऊर्जा की कम लागत, मजबूत कृषि उत्पादन, और वैश्विक वस्तुओं की कीमतों में स्थिरता ने थोक कीमतों में नरमी को बढ़ावा दिया है। अच्छे मॉनसून और सरकारी हस्तक्षेप ने आपूर्ति पक्ष की स्थिति को मजबूत किया, जिससे आवश्यक वस्तुओं की खुदरा कीमतों में भी नियंत्रण रहा।

# ईपीएफओ का नया नियम लागू, पीएफ़ से पूरा पैसा निकालना पड़ सकता है भारी!

**नई दिल्ली.**

देश के सात करोड़ से अधिक नौकरीपेशा कर्मचारियों के लिए केंद्र सरकार ने एक ऐतिहासिक और बेहद राहत भरा फैसला लिया है. अब कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के सदस्य अपनी मेहनत की कमाई यानी प्रोविडेंट फंड (पीएफ) से जरूरत पड़ने पर लगभग 100 फीसदी तक रकम निकाल सकेंगे. केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मंडाविया की अध्यक्षता में हुई ईपीएफओ के सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज (सीबीटी) की बैठक में पीएफ निकासी से जुड़े जटिल और पुराने नियमों को पूरी तरह से बदलकर उन्हें बेहद सरल और लचीला बना दिया गया है.इस बड़े फैसले का मकसद कर्मचारियों के जीवन को आसान बनाना है, ताकि वे अपनी आकस्मिक वित्तीय जरूरतों, जैसे कि बीमारी, बच्चों की पढ़ाई या शादी-ब्याह के लिए अपने ही पैसे के लिए दफ्तरों के चक्कर काटने और लंबी कागजी कार्रवाई से बच सकें. सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि इन बदलावों से कर्मचारियों की रिटायरमेंट बचत या उनकी पेंशन पात्रता पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा. आइए, इन नए नियमों को विस्तार से समझते हैं कि आखिर अब आपके लिए पीएफ का पैसा निकालना कितना आसान हो गया है. अब तक पीएफ से पैसा निकालने के लिए 13 अलग-अलग तरह के नियम और शर्तें थीं, जो बेहद जटिल थीं. कर्मचारियों को अक्सर यह समझ नहीं आता था कि किस जरूरत के लिए कौन सा फॉर्म भरना है और क्या-क्या दस्तावेज लगाने हैं. इस उलझन के कारण हजारों क्लेम या तो खारिज हो जाते थे या उनमें बहुत समय लगता था. इस परेशानी को जड़ से खत्म करते हुए, सरकार ने इन सभी 13 प्रावधानों को समाप्त कर एक सिंगल, सुव्यवस्थित नियम बना दिया है. **इसके तहत अब निकासी को केवल तीन मुख्य श्रेणियों में बांटा गया है:** इस सरलीकरण का सबसे बड़ा लाभ यह है कि अब आंशिक निकासी के लिए किसी भी तरह के दस्तावेज जमा करने की अनिवार्यता को खत्म कर दिया गया है. इससे पूरी प्रक्रिया 100% ऑटोमेटेड हो जाएगी और क्लेम सीधे आपके बैंक खाते में तेजी से सेटल हो जाएंगे.

# गहनों की जगह अब लोग किसमें कर रहे निवेश?

**नई दिल्ली.**

दिवाली का त्यौहार हो और सोने की खरीद न हो ऐसा भारत में कम ही होता है. लेकिन इस बार हालात कुछ अलग हैं. बाजार में सोने के दाम इतने बढ़ गए हैं कि आम आदमी के लिए गहनों की खरीद मुश्किल हो गई है. जहां हर साल नवरात्रि से दिवाली तक सोने की दुकानों में भीड़ लगी रहती थी, वहीं इस बार दुकानदार खाली बैठे हैं. इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, इस बार दिवाली के पहले तीन हफ्तों में गहनों की खरीद 27% तक घट सकती है. महंगाई ने लोगों की जेब पर बुरा असर डाला है. अब जो सोना खरीद भी रहा है, वो भारी-भरकम गहनों के बजाय छोटे सिक्के या हल्के गहने पसंद कर रहा है. 2 से 5 ग्राम के सोने के सिक्कों की मांग में बढ़ोतरी हुई है. लोग अब गहनों पर खर्च करने के बजाय शुद्ध सोने के सिक्के या बार खरीद रहे हैं, क्योंकि इनमें मेकिंग चार्ज नहीं लगता. विशेषज्ञ कहते हैं कि ये एक समझदारी भरा कदम है, इससे निवेश भी हो जाता है और जेब भी ज्यादा हल्की नहीं होती. इस साल सोने के दाम लगभग 1,14,000 प्रति 10 ग्राम तक पहुंच चुके हैं. पिछले साल के मुकाबले ये करीब 50% महंगा है. इसका असर साफ दिख रहा है, रक्षाबंधन से ओणम तक, पहले दौर की खरीदारी में ही सोने की मांग 28% गिर गई. इसके साथ ही ग्राहक अब 18 कैरेट सोने की ओर जा रहे हैं जो सस्ता होता है, जबकि पहले ज्यादातर 22 कैरेट खरीदा जाता था. मेहता इक्विटीज लिमिटेड के उपाध्यक्ष (कमोडिटीज) राहुल कलांत्री बताते हैं कि ज्यादातर बड़े खिलाड़ियों के पास कम लागत पर खरीदा गया पुराना स्टॉक (इन्वेंट्री) मौजूद है. सोने की कीमतों में आई भारी तेजी से उन्हें 'इन्वेंट्री गेन' होगा,

कल्याण ज्वैलर्स के कार्यकारी निदेशक रमेश कल्याणरमन का कहना है कि कंपनी इस त्यौहार सीजन को लेकर काफी उत्साहित है. दिवाली से पहले कंपनी 15 नए शोरूम खोलने जा रही है और नए डिज़ाइनों के कलेक्शन और प्रचार अभियान भी तैयार हैं. उन्होंने बताया कि सोने के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, इसलिए ग्राहक अब ज़्यादा इंतज़ार नहीं कर रहे. लोग मान रहे हैं कि आगे कीमत और चढ़ सकती है, इसलिए वो अभी ही खरीदारी करना बेहतर समझ रहे हैं.

## आज का राशिफल

**मेष.** आज आपका आत्मविश्वास उच्च रहेगा और आप अपने कार्यों में सफलता हासिल कर सकते हैं। नए अवसर मिलेंगे, जिनसे आर्थिक लाभ भी होगा।

**वृषभ.** परिवार में कुछ तनावपूर्ण स्थिति बन सकती है, इसलिए संयम से काम लें। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निवेश करें। कामकाज में धीमी प्रगति हो सकती है, लेकिन धैर्य बनाए रखें।

**मिथुन.** आज संचार में सावधानी बरतनी होगी, गलतफहमी से बचें। कामकाज में नए विचार आपके लिए फायदेमंद साबित होंगे। दोस्तों के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा।

**कर्क.** स्वास्थ्य का खास ख्याल रखें, तनाव से बचें। कार्यस्थल पर आपकी मेहनत को सराहना मिलेगी। परिवार के साथ समय बिताने का मन बनेगा। निवेश के लिए अच्छा दिन है।

**सिंह.** नए प्रोजेक्ट में सफलता आपके कदम चूमेगी। आपका मन प्रसन्न रहेगा और आप ऊर्जावान महसूस करेंगे। यात्रा के योग हैं, जो लाभदायक साबित होंगे। पारिवारिक संबंध मजबूत होंगे।

**कन्या.** आर्थिक लाभ के संकेत हैं। आपके प्रयास रंग लाएंगे और काम में तरक्की होगी। विवादों से दूर रहें और संयम बनाए रखें। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, पर दिनचर्या में सुधार लाना फायदेमंद रहेगा।

**तुला .** परिवार में खुशहाली बनी रहेगी। रिश्तों में समझदारी से काम लें। कार्यस्थल पर आपकी कड़ी मेहनत की तारीफ होगी। निवेश या व्यापार में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

**वृश्चिक.** आज मानसिक शांति पाने के लिए ध्यान व योग लाभदायक रहेगा। निवेश संबंधी निर्णय सोच-समझकर लें। कार्यक्षेत्र में चुनौती आएगी, लेकिन आप उसे पार कर लेंगे।

**धनु.** यात्रा के योग हैं, जो आपके लिए लाभदायक होंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी और धन लाभ होगा। कामकाज में उत्साह बना रहेगा। सामाजिक कार्यों में भागीदारी बढ़ेगी।

**मकर.** नए विचारों से सफलता मिलेगी। सेहत अच्छी रहेगी और आप ऊर्जावान महसूस करेंगे। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। कार्यस्थल पर सम्मान मिलेगा। निवेश के लिए समय अनुकूल है।

**कुंभ.** सहयोग मिलेगा और व्यापार में लाभ होगा। नए संपर्क और अवसर मिलेंगे। सामाजिक रूप से आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। परिवार में मेलजोल बढ़ेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

**मीन.** आज आपका मन शांत रहेगा और आप परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे। मानसिक तनाव कम होगा। आर्थिक मामलों में स्थिरता रहेगी। ध्यान और ध्यानाभ्यास से मन की शांति बढ़ेगी।

# दिवाली-छठ यात्रियों को ऑटोमैटिक टिकटिंग की सुविधा

**नई दिल्ली.**

त्यौहार सीजन खासकर दीपावली और छठ पर्व के आसपास दिल्ली से लाखों लोग अपने-अपने घर अलग-अलग राज्यों में जाते हैं. ऐसे में दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार की तरफ से यात्रियों की सुविधाओं के लिए खास इंतजाम किए गए हैं. नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर एक नया यात्री सुविधा केंद्र बनाया गया है जहां पर ऑटोमैटिक टिकटिंग से लेकर के तमाम सुविधा उपलब्ध हैं.

मंगलवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने रेलवे के अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया. निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि हमें खुशी है कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर इतना बड़ा यात्री सुविधा केंद्र खुला है. यहां पर हजारों लोग रोज वेटिंग एरिया का लाभ ले सकते हैं. टिकट के लिए काउंटर खोले गए हैं हर तरह की सुविधा, बैठने से लेकर सुरक्षा तक की व्यवस्था की गई है.

सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद, त्योहार के मौके पर जब दिल्लीवासी छठ और दिवाली के मौके पर गांव जाते हैं, तो लाखों की संख्या में रेलवे पर मूवमेंट रहता है. लोगों की यात्रा सुविधाजनक रहे, उसके लिए मोदी सरकार ने यह काम किया है. सीएम ने कहा कि पूरे देश में 75 जगह पर यात्री सुविधा केंद्र खोले जा रहे हैं, जिसमें से दिल्ली का यह सुविधा केंद्र है जो मात्र 3 महीने में बनकर तैयार हुआ है. यात्रियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए यह केंद्र बनाया गया है. 3000 नई ट्रेनें पूर्वांचल भाई-बहनों के लिए शुरू की हैं.

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्लीवासियों को रोज सौगात मिलने वाली है. रोजानादिल्ली वासियों को एक नया उपहार देने में लगे हुए हैं. जनता की सरकार जनता के साथ है. सीएम ने कहा कि सरकार सभी नागरिकों की सुविधा के लिए हर संभव प्रयास कर रही है. छठ का यह महापर्व बहुत ही दिव्य होने वाला है.



### मनोज तिवारी ने पीएम मोदी को दिया धन्यवाद

वहीं बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और पीएम मोदी को धन्यवाद दिया. उन्होंने कहा कि पहली बार पूर्वांचल के यात्रियों को ध्यान में रखते हुए इतनी बड़ी व्यवस्था की गई है. जहां-जहां से लोग अपने घर जाते हैं, उनके लिए तमाम तरह की सुविधा दी गई है.

# एलआईसी की दो नई स्कीमें लॉन्च

**नई दिल्ली.** दिवाली से कुछ दिन पहले देश की सबसे बड़ी इंश्योरेंस कंपनी एलआईसी ने आम लोगों या यूं कहें कि मिडिल क्लास को दिवाली गिफ्ट दिया है. वास्तव में लोअर इनकम और मिडिल क्लास की जेब और सेविंग्स को ध्यान में रखते हुए कंपनी ने दो इंश्योरेंस स्कीम लॉन्च की हैं. दोनों ही स्कीम पूरी तरह से रिस्क फ्री है. एलआईसी के अनुसार दोनों की स्कीम में बोनस का भी प्रावधान नहीं किया गया है. भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), ने 14 अक्टूबर को एक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि ये दोनों ही स्कीम 15 अक्टूबर से आम लोगों के लिए अवेलेबल होंगी. एलआईसी जन सुरक्षा स्कीम, विशेष रूप से लोअर इनकम वर्ग के लोगों के लिए एक लो कॉस्ट वाली इंश्योरेंस स्कीम है. यह योजना एक नॉन-पार्टिसिपेटिंग और नॉन-लिंक्ड इंश्योरेंस स्कीम है. जिसका अर्थ है कि यह बाज़ार या बोनस से जुड़ी नहीं है. चूंकि यह एक माइक्रोइंश्योरेंस योजना है, इसलिए यह समाज के आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्गों की ज़रूरतों के अनुरूप बनाई गई है. ऐसी योजनाएं सुविधाजनक पेमेंट ऑप्शंस के साथ कम प्रीमियम पर अवेलेबल है. एलआईसी की बीमा लक्ष्मी, एलआईसी द्वारा शुरू की गई एक नई लाइफ इंश्योरेंस और सेविंग स्कीम है.




निकाल — महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — महाराष्ट्र गजलक्ष्मी मंगल विकली लॉटरी — सोडत संध्या. 4:45 वाजता
सोडत दर मंगळवार • सोडत क्रमांक 41 • तिकीट किं. रु. 20/- • सोडत दिनांक 14/10/2025

पहिले बक्षिस रु. 10,000/- GL-01 : 2317

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| दुसरे बक्षिस रु. 2000/- | 0942 | 2647 | 3269 | 3478 | 4680 | 6020 | 7105 | 9145 | 9223 | 9273 |
| तिसरे बक्षिस रु. 1000/- | 0115 | 0198 | 0212 | 1085 | 1554 | 2547 | 3370 | 3856 | 7605 | 8256 |
| चौथे बक्षिस रु. 500/- | 1319 | 2691 | 2756 | 3125 | 4140 | 6089 | 7408 | 7922 | 8700 | 8727 |

पाचवे बक्षीस रु. 300/- (सर्व मालिकांसाठी)

| पाचवे बक्षिस रु. 300/- | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 0974 | 1798 | 2729 | 3794 | 4485 | 5555 | 6619 | 7579 | 8408 | 9098 |
| 0001 | 1041 | 1831 | 2731 | 3796 | 4491 | 5560 | 6688 | 7647 | 8413 | 9162 |
| 0009 | 1124 | 1840 | 2750 | 3841 | 4495 | 5574 | 6813 | 7657 | 8480 | 9192 |
| 0044 | 1127 | 1879 | 2860 | 3873 | 4559 | 5634 | 6866 | 7711 | 8553 | 9249 |
| 0062 | 1137 | 1901 | 2936 | 3931 | 4604 | 5689 | 6958 | 7728 | 8695 | 9276 |
| 0066 | 1147 | 1930 | 2943 | 3933 | 4664 | 5705 | 6966 | 7774 | 8738 | 9303 |
| 0144 | 1151 | 2012 | 3038 | 4015 | 4714 | 5774 | 6989 | 7776 | 8784 | 9385 |
| 0188 | 1168 | 2013 | 3086 | 4096 | 4745 | 5788 | 7010 | 7790 | 8797 | 9398 |
| 0209 | 1201 | 2023 | 3153 | 4098 | 4796 | 5809 | 7011 | 7799 | 8806 | 9463 |
| 0214 | 1260 | 2028 | 3158 | 4138 | 4799 | 5918 | 7013 | 7827 | 8808 | 9493 |
| 0334 | 1271 | 2094 | 3223 | 4244 | 4849 | 5925 | 7022 | 7875 | 8816 | 9596 |
| 0383 | 1281 | 2132 | 3235 | 4284 | 4966 | 6058 | 7025 | 7878 | 8882 | 9640 |
| 0539 | 1312 | 2156 | 3305 | 4301 | 4982 | 6269 | 7071 | 7910 | 8949 | 9647 |
| 0560 | 1469 | 2178 | 3314 | 4318 | 5100 | 6283 | 7103 | 7991 | 8988 | 9696 |
| 0572 | 1471 | 2206 | 3381 | 4340 | 5152 | 6294 | 7192 | 8008 | 8991 | 9697 |
| 0609 | 1497 | 2252 | 3408 | 4358 | 5154 | 6372 | 7229 | 8065 | 9014 | 9742 |
| 0703 | 1521 | 2270 | 3545 | 4410 | 5176 | 6375 | 7292 | 8135 | 9017 | 9802 |
| 0890 | 1529 | 2307 | 3605 | 4415 | 5265 | 6413 | 7337 | 8203 | 9022 | 9859 |
| 0925 | 1584 | 2398 | 3628 | 4428 | 5375 | 6416 | 7425 | 8239 | 9044 | 9930 |
| 0951 | 1689 | 2432 | 3639 | 4476 | 5388 | 6428 | 7440 | 8280 | 9059 | 9996 |
| 0958 | 1736 | 2722 | 3743 | 4484 | 5513 | 6606 | 7578 | 8346 | 9069 | 9997 |

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी MAHARASHTRA STATE LOTTERY — महाराष्ट्र गजराज मासिक सोडत — सोडत दिनांक 22/10/2025
जिंका फक्त 4 अंकावर ₹ 5 लाख पहिले सामायिक हमीपात्र बक्षीस — सहावे बक्षिस रु. ₹ 2.5 लाख (रु.100 च्या 2500 बक्षिसे) — तिकीट किंमत ₹20/-
महाराष्ट्र गजलक्ष्मी मंगळ विकली लॉटरी — सोडत दिनांक 14/10/2025 — छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जबाबदार नाही. अचुक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पहावे. प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

निकाल — महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — महाराष्ट्र सह्याद्री • महालक्ष्मी विकली लॉटरी • — सोडत सायं. 4:30 वाजता
सोडत दर मंगळवार • सोडत क्रमांक 41 • तिकीट किं. रु. 15/- • सोडत दिनांक 14/10/2025

पहिले सामायिक बक्षिस रु. 10000/- SM-04 : 2871

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| दुसरे बक्षिस रु. 1000/- | 1366 | 1464 | 1800 | 2238 | 2515 | 2918 | 3355 | 4251 | 5508 | 5610 |
| तिसरे बक्षिस रु. 500/- | 1028 | 1043 | 1944 | 2024 | 2040 | 2541 | 3213 | 3633 | 4346 | 5628 |

चौथे बक्षीस रु. 400/- (सर्व मालिकांसाठी)

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 1016 | 1852 | 2822 | 3502 | 5220 |
| 1074 | 1881 | 2833 | 3673 | 5335 |
| 1123 | 1928 | 2866 | 3699 | 5364 |
| 1160 | 2068 | 2910 | 3947 | 5391 |
| 1179 | 2230 | 2947 | 3986 | 5418 |
| 1196 | 2265 | 3129 | 4141 | 5455 |
| 1257 | 2270 | 3240 | 4198 | 5574 |
| 1284 | 2331 | 3310 | 4280 | 5650 |
| 1422 | 2418 | 3335 | 4576 | 5657 |
| 1489 | 2497 | 3379 | 4842 | 5772 |
| 1661 | 2567 | 3399 | 4904 | 5850 |
| 1804 | 2622 | 3462 | 5144 | 5852 |

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी MAHARASHTRA STATE LOTTERY — महाराष्ट्र तेजस्विनी मासिक सोडत — सोडत दिनांक 21/10/2025
जिंका फक्त 4 अंकावर ₹ 50 लाख पहिले सामाईक बक्षिस रु. (रु. 5 लाखाची 10 बक्षिसे) — दुसरे बक्षिस ₹10 लाख (रु. 10 हजाराची 100 बक्षिसे) — तिसरे बक्षिस ₹5 लाख (रु. 5 हजाराची 100 बक्षिसे) — 200/-
छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जबावदार नाही. • अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पाहावे. • प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
महाराष्ट्र सह्याद्री महालक्ष्मी विकली लॉटरी — सोडत दिनांक 14/10/2025
ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

निकाल — महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — गणेशलक्ष्मी शुभ विकली लॉटरी — सोडत सायं. 5:00 वाजता
सोडत दर मंगळवार • सोडत क्रमांक 41 • तिकीट किं. रु. 10/- • सोडत दिनांक 14/10/2025

पहिले सामायिक बक्षिस रु. 10000/- MG-06 : 1496

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| दुसरे बक्षिस रु. 2000/- | 6132 किशोर लॉटरी सेंटर, सांगली | 8766 महावीर लॉटरी सेंटर, कोल्हापूर | 9426 कपिल लॉटरी - कोल्हापूर | 9554 पवार लॉटरी - ठाणे | 9601 किशोर लॉटरी सेंटर, सांगली |

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| तिसरे बक्षिस रु. 1000/- | 1050 | 1104 | 1993 | 3402 | 5505 | 5591 | 7218 | 7893 | 8157 | 8428 |
| चौथे बक्षिस रु. 500/- | 0209 | 1478 | 4668 | 4728 | 5542 | 5998 | 6528 | 7244 | 8405 | 9254 |

पाचवे बक्षीस रु. 200/- (सर्व मालिकांसाठी)

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 0029 | 1014 | 2105 | 3153 | 4094 | 4540 | 5574 | 6860 | 8039 | 9157 |
| 0097 | 1018 | 2109 | 3185 | 4134 | 4671 | 5603 | 6886 | 8085 | 9234 |
| 0390 | 1111 | 2122 | 3193 | 4247 | 4745 | 5842 | 6971 | 8184 | 9392 |
| 0435 | 1135 | 2180 | 3257 | 4314 | 4782 | 5957 | 7007 | 8270 | 9403 |
| 0441 | 1153 | 2220 | 3258 | 4412 | 4788 | 5977 | 7067 | 8362 | 9412 |
| 0545 | 1215 | 2225 | 3265 | 4435 | 4825 | 6086 | 7117 | 8487 | 9569 |
| 0608 | 1233 | 2529 | 3335 | 4452 | 4840 | 6108 | 7121 | 8495 | 9626 |
| 0649 | 1383 | 2556 | 3349 | 4453 | 4861 | 6176 | 7274 | 8648 | 9689 |
| 0731 | 1395 | 2577 | 3366 | 4463 | 4874 | 6238 | 7297 | 8846 | 9780 |
| 0740 | 1485 | 2668 | 3464 | 4486 | 5146 | 6284 | 7418 | 8881 | 9794 |
| 0845 | 1592 | 2723 | 3553 | 4487 | 5367 | 6443 | 7767 | 8902 | 9885 |
| 0906 | 1627 | 2934 | 3659 | 4493 | 5403 | 6718 | 7795 | 8905 | 9907 |
| 0911 | 1876 | 2972 | 3837 | 4495 | 5413 | 6789 | 7878 | 8999 | 9928 |
| 1011 | 2024 | 3148 | 3975 | 4496 | 5508 | 6796 | 7943 | 9009 | 9979 |

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी MAHARASHTRA STATE LOTTERY — महाराष्ट्र गणेशलक्ष्मी दसरा विशेष मासिक सोडत — तिकीट किंमत रु.100/- — सोडत दिनांक 20-10-2025
जिंका फक्त 4 अंकावर ₹ 22 लाख पहिले सामायिक बक्षिस — दुसरे बक्षीस ₹ 3 लाख (₹ 10 हजारची 30 बक्षिसे) — तिसरे बक्षीस ₹ 5 लाख (₹ 5 हजारची 100 बक्षिसे)
गणेशलक्ष्मी शुभ विकली लॉटरी — सोडत दिनांक 14/10/2025 — छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जबावदार नाही. अचुक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पहावे. प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

१- श्रद्धा सबूरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लाँटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — महाराष्ट्र पद्मीनी विकली लॉटरी — सोडत दर मंगळवारी — तिकीट किंमत रु. 50/- — सोडत क्र. 41 सोडत दिनांक 14/10/2025

पहिले सामाईक बक्षिस रु. 8 लाख PM-05 : 7510

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

दुसरे बक्षिस रु. 5000/- 2136 — हरी श्री लॉटरी सेंटर - नालासोपारा; महावीर लॉटरी सेंटर - कोल्हापूर

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| तिसरे बक्षिस रु. 2000/- | 1337 | 2351 | 2418 | 3040 | 3799 | 6011 | 6454 |
| चौथे बक्षिस रु. 1000/- | 1099 | 1350 | 3487 | 5062 | 5805 | 5927 | 6775 |
| पाचवे बक्षिस रु. 500/- | 2144 | 2567 | 4248 | 4517 | 6429 | 6470 | 7367 |
| सहावे बक्षिस रु. 200/- | 2833 | 3067 | 3211 | 3697 | 5129 | 5445 | 6525 |

सातवे बक्षीस रु. 100/- (सर्व मालिकांसाठी)

| सातवे बक्षीस रु.100/- (सर्व मालिकांसाठी) | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 1917 | 2328 | 2932 | 3469 | 3993 | 4438 | 4854 | 5503 | 5838 | 6543 | 6986 | 7557 |
| | | 1920 | 2351 | 2940 | 3481 | 3997 | 4442 | 4864 | 5511 | 5846 | 6552 | 6991 | 7575 |
| | | 1921 | 2379 | 2953 | 3482 | 3999 | 4446 | 4875 | 5518 | 5851 | 6555 | 7007 | 7589 |
| 1009 | 1427 | 1948 | 2387 | 2976 | 3503 | 4002 | 4449 | 4876 | 5521 | 5859 | 6556 | 7011 | 7617 |
| 1027 | 1458 | 1963 | 2412 | 2980 | 3525 | 4011 | 4450 | 4880 | 5522 | 5864 | 6561 | 7012 | 7620 |
| 1045 | 1468 | 1965 | 2421 | 2982 | 3529 | 4030 | 4457 | 4884 | 5529 | 5908 | 6566 | 7014 | 7638 |
| 1057 | 1480 | 1981 | 2425 | 2984 | 3533 | 4037 | 4471 | 4896 | 5533 | 5921 | 6571 | 7019 | 7668 |
| 1058 | 1482 | 2021 | 2437 | 2989 | 3537 | 4047 | 4472 | 4915 | 5535 | 5952 | 6601 | 7032 | 7670 |
| 1061 | 1484 | 2022 | 2438 | 2998 | 3576 | 4056 | 4490 | 4954 | 5541 | 5957 | 6610 | 7033 | 7676 |
| 1063 | 1512 | 2071 | 2440 | 3020 | 3596 | 4067 | 4496 | 4984 | 5543 | 5959 | 6616 | 7073 | 7682 |
| 1079 | 1518 | 2090 | 2492 | 3052 | 3600 | 4068 | 4505 | 4988 | 5549 | 5979 | 6632 | 7079 | 7687 |
| 1080 | 1531 | 2091 | 2524 | 3053 | 3616 | 4070 | 4509 | 4993 | 5550 | 5996 | 6636 | 7087 | 7700 |
| 1103 | 1547 | 2092 | 2576 | 3074 | 3623 | 4118 | 4514 | 4999 | 5553 | 5999 | 6637 | 7122 | 7701 |
| 1110 | 1549 | 2108 | 2593 | 3082 | 3624 | 4120 | 4554 | 5005 | 5560 | 6006 | 6656 | 7127 | 7715 |
| 1112 | 1589 | 2152 | 2602 | 3100 | 3634 | 4134 | 4567 | 5021 | 5562 | 6034 | 6658 | 7134 | 7717 |
| 1117 | 1615 | 2158 | 2624 | 3101 | 3635 | 4150 | 4573 | 5030 | 5565 | 6045 | 6663 | 7187 | 7722 |
| 1119 | 1621 | 2176 | 2652 | 3130 | 3644 | 4166 | 4574 | 5059 | 5573 | 6056 | 6667 | 7197 | 7728 |
| 1124 | 1622 | 2179 | 2673 | 3133 | 3651 | 4175 | 4594 | 5070 | 5574 | 6058 | 6671 | 7214 | 7745 |
| 1125 | 1628 | 2196 | 2681 | 3154 | 3693 | 4199 | 4605 | 5085 | 5585 | 6065 | 6681 | 7218 | 7759 |
| 1139 | 1653 | 2197 | 2689 | 3160 | 3733 | 4205 | 4621 | 5100 | 5586 | 6066 | 6696 | 7250 | 7764 |
| 1141 | 1666 | 2210 | 2699 | 3168 | 3734 | 4256 | 4627 | 5143 | 5594 | 6068 | 6714 | 7263 | 7767 |
| 1166 | 1686 | 2214 | 2705 | 3186 | 3751 | 4278 | 4640 | 5175 | 5619 | 6069 | 6730 | 7284 | 7773 |
| 1179 | 1691 | 2215 | 2720 | 3219 | 3766 | 4294 | 4641 | 5225 | 5640 | 6102 | 6763 | 7287 | 7775 |
| 1184 | 1701 | 2219 | 2723 | 3223 | 3800 | 4299 | 4642 | 5275 | 5648 | 6106 | 6766 | 7294 | 7779 |
| 1198 | 1711 | 2228 | 2752 | 3260 | 3804 | 4314 | 4644 | 5278 | 5655 | 6110 | 6767 | 7300 | 7799 |
| 1214 | 1714 | 2229 | 2763 | 3321 | 3832 | 4338 | 4646 | 5315 | 5657 | 6150 | 6786 | 7327 | 7807 |
| 1217 | 1733 | 2232 | 2772 | 3332 | 3838 | 4344 | 4649 | 5349 | 5659 | 6156 | 6809 | 7328 | 7809 |
| 1261 | 1747 | 2235 | 2782 | 3333 | 3863 | 4348 | 4652 | 5369 | 5665 | 6176 | 6836 | 7346 | 7815 |
| 1298 | 1750 | 2238 | 2787 | 3338 | 3877 | 4349 | 4669 | 5380 | 5687 | 6217 | 6838 | 7349 | 7852 |
| 1311 | 1761 | 2243 | 2826 | 3339 | 3896 | 4350 | 4678 | 5395 | 5707 | 6268 | 6853 | 7380 | 7876 |
| 1324 | 1762 | 2244 | 2840 | 3341 | 3903 | 4361 | 4710 | 5397 | 5711 | 6273 | 6864 | 7430 | 7883 |
| 1357 | 1795 | 2249 | 2842 | 3345 | 3911 | 4368 | 4712 | 5408 | 5723 | 6283 | 6867 | 7436 | 7887 |
| 1381 | 1797 | 2253 | 2849 | 3366 | 3923 | 4377 | 4731 | 5418 | 5725 | 6309 | 6873 | 7447 | 7894 |
| 1391 | 1816 | 2259 | 2852 | 3368 | 3932 | 4407 | 4734 | 5438 | 5749 | 6313 | 6884 | 7486 | 7898 |
| 1400 | 1851 | 2267 | 2857 | 3374 | 3935 | 4409 | 4759 | 5442 | 5758 | 6374 | 6916 | 7502 | 7907 |
| 1412 | 1881 | 2283 | 2866 | 3376 | 3939 | 4413 | 4764 | 5452 | 5792 | 6386 | 6936 | 7529 | 7945 |
| 1414 | 1893 | 2320 | 2893 | 3398 | 3945 | 4420 | 4785 | 5485 | 5794 | 6449 | 6942 | 7533 | 7975 |
| 1415 | 1912 | 2323 | 2920 | 3433 | 3978 | 4430 | 4804 | 5494 | 5804 | 6453 | 6961 | 7541 | 7977 |
| 1422 | 1915 | 2327 | 2924 | 3440 | 3982 | 4435 | 4805 | 5495 | 5820 | 6466 | 6980 | 7549 | 7997 |

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी MAHARASHTRA STATE LOTTERY — महाराष्ट्र दिवाळी भव्यतम सोडत — जिंका फक्त 5 अंकांवर — पहिले बक्षिस ₹ 2 करोड (₹ 1 करोड x 2 बक्षिसे) 2 बक्षिसांपैकी किमान 1 बक्षिस हमीपात्र — दुसरे बक्षिस ₹10 लाख (₹ 1 लाखाची x 10 बक्षिसे) — तिसरे बक्षिस ₹3 लाख (₹ 10 हजाराची x 30 बक्षिसे) — सोडत दिनांक 01.11.2025 — तिकीट किंमत ₹200/-
पद्मीनी — सोडत दिनांक 14/10/2025 — छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जबावदार नाही. अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पाहावे. — प्रस्तुतकर्ता महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagencymah : /princeagencypl : /princeagencymah

# भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ किया क्लीन स्वीप

## > गिल की कप्तानी में पहली टेस्ट सीरीज जीती

**नई दिल्ली.**

भारत ने दिल्ली टेस्ट में वेस्टइंडीज को हराकर सीरीज में क्लीन स्वीप कर लिया है. भारत ने अहमदाबाद में खेला पहला टेस्ट पारी और 140 रन के अंतर से जीता था. और अब दिल्ली टेस्ट में उसने 7 विकेट से जीत दर्ज की है. इसी के साथ भारत का बरसों से कायम वेस्टइंडीज पर दबदबा भी बरकरार रहा है. दिल्ली टेस्ट में जीत के साथ सीरीज में क्लीन स्वीप भारत के लिए कई मायनों में खास रहा है. ये शुभमन गिल की कप्तानी में भारत को मिली पहली टेस्ट सीरीज जीत तो है ही. उसके अलावा इसके जरिए भारतीय टीम ने गौतम गंभीर को उनके बर्थडे पर तोहफा भी दिया है.

**दिल्ली की जीत गंभीर को बर्थडे गिफ्ट :** टीम इंडिया के हेड कोच 14 अक्टूबर 2025 को अपना 43वां जन्मदिन मना रहे हैं. और, इसी दिन भारत ने वेस्टइंडीज को दिल्ली टेस्ट में हराकर 2 मैचों की सीरीज को 2-0 से जीता है. ऐसे में ये जीत गंभीर के लिए बतौर हेड कोच बर्थडे पर मिली किसी बड़ी उपलब्धि से कम नहीं है.

**भारत ने ऐसे दिल्ली टेस्ट जीतकर किया क्लीन स्वीप :** अब सवाल है कि भारत ने दिल्ली टेस्ट जीतकर सीरीज में क्लीन स्वीप की पटकथा लिखी कैसे? तो उसने पहले खेलते हुए अपनी पहली पारी 5 विकेट पर 518 रन बनाकर घोषित की थी. भारत के लिए पहली पारी में यशस्वी जायसवाल के 175 रन और शुभमन गिल का नाबाद शतक देखने को मिला था. जवाब में जब वेस्टइंडीज खेलने उतरी तो भारत ने उसकी पहली पारी को 248 रन पर ही समेटकर उसे फॉलोऑन खिलाया. भारत की कोशिश दिल्ली में भी अहमदाबाद की तरह पारी से जीत की कहानी लिखने की थी. मगर वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों ने दूसरी पारी में जबरदस्त बैटिंग की और 390 रन का स्कोर बनाते हुए भारत को 121 रन का लक्ष्य दिया. वेस्टइंडीज की ओर से दूसरी पारी में जॉन कैंपबेल और शे होप ने शतक जड़ा. भारत की गेंदबाजी की बात करें तो कुलदीप यादव सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने पहली पारी में 5 विकेट चटकाने के साथ कुल 8 विकेट अपने नाम किये. उनके अलावा जडेजा और बुमराह ने 4-4 जबकि सिराज ने मैच में 3 विकेट लिए. अब भारत के सामने 121 रन का लक्ष्य था, जिसका पीछा करते हुए उसने 7 विकेट से जीत दर्ज कर ली. भारत की ओर से रन चेज में केएल राहुल अर्धशतक जड़कर नाबाद रहे. उन्होंने 108 गेंदों में 58 रन बनाए.

**378 दिन बाद जीती पहली टेस्ट सीरीज :** वेस्टइंडीज के खिलाफ क्लीन स्वीप कर भारत ने शुभमन गिल की कप्तानी में पहली टेस्ट सीरीज जीती है. वहीं ये भारत को 378 दिन बाद मिली पहली टेस्ट सीरीज जीत है. भारत ने आखिरी सीरीज पिछले साल 1 अक्टूबर को बांग्लादेश के खिलाफ जीती थी.

# ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गिल की नजरें

## > टीम चयन को लेकर खुला इरादा

**नई दिल्ली.**

वेस्टइंडीज से टेस्ट सीरीज खत्म होते ही टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल की निगाहें अब ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जम गई है. ऑस्ट्रेलिया दौरे की टीम में चुने किस खिलाड़ी से गिल को क्या चाहिए, इस बारे में भी उन्होंने अपने इरादे जताने शुरू कर दिए हैं. वेस्टइंडीज के खिलाफ पोस्ट मैच प्रजेन्टेशन में शुभमन गिल से विराट कोहली और रोहित शर्मा को लेकर सवाल हुआ, जिसके जवाब में उन्होंने बताया कि बतौर कप्तान उन दोनों सीनियर खिलाड़ियों से उन्हें क्या चाहिए? गिल का ये जवाब एक तरह से रोहित और विराट के लिए टीम के कप्तान की तरफ से क्लियर मैसेज की तरह भी है.

**गिल ने रोहित-विराट से की कौन सी डिमांड? :** अब सवाल है कि शुभमन गिल ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रोहित-विराट से किस चीज की डिमांड की? उन्होंने पहले तो कहा कि हर कप्तान अपनी टीम में रोहित-विराट जैसा खिलाड़ी चाहता है, जिसके पास 10-15 सालों का अनुभव हो. गिल ने आगे कहा कि मैं उन दोनों को अपने अनुभव का पूरा इस्तेमाल करते हुए देखना चाहता हूं. मैं बस चाहता हूं कि वो मैदान पर उतरकर बस अपना बेस्ट दें. उनका जादू चलता दिखे.

**ऑस्ट्रेलिया दौरा रोहित-विराट के लिए बड़ा मौका ;** भारत का ऑस्ट्रेलिया दौरा 19 अक्टूबर से शुरू हो रहा है, जिसके लिए टीम दिल्ली से 15 अक्टूबर को रवाना होगी. ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारत को 3 वनडे की सीरीज खेलनी है. रोहित -विराट दोनों ही 2027 वनडे वर्ल्ड कप में खेलने की देख रहे हैं. ऐसे में ऑस्ट्रेलिया दौरा को उनके लिए बड़े मौके की तरह है. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज में उनका परफॉर्मेन्स ये फैसला करेगा कि उनका करियर कौन सी करवट लेगा.

**ऑस्ट्रेलिया में रोहित-विराट का रिपोर्ट कार्ड:** अच्छी बात ये है कि ऑस्ट्रेलिया में रोहित और विराट का पिछला रिकॉर्ड शानदार रहा है. रोहित ने ऑस्ट्रेलिया में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले 19 वनडे में 58.23 की औसत से 990 रन बनाए हैं, जिसमें उन्होंने 4 शतक जड़े हैं. और, जो उनका सबसे बड़ा स्कोर रहा वो नाबाद 171 रन का है. इसी तरह विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 18 मैचों में 47.17 की औसत से 3 शतक के साथ 802 रन बनाए हैं. विराट कोहली का सबसे बड़ा स्कोर ऑस्ट्रेलियाई जमीन पर 117 रन का है. साफ है कि रोहित हों या विराट, दोनों का ही ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसके घर में खेले वनडे में परफॉर्मेन्स दमदार है. और, शुभमन गिल भारत के 28वें वनडे कप्तान बनने के बाद अपने दोनों सीनियर से ऑस्ट्रेलिया में वैसे ही परफॉर्मेन्स की उम्मीद लगाए हैं.

# हर्षित राणा को मिला मौका

## > गौतम गंभीर ने बताया '23 साल का बच्चा'

**नई दिल्ली.**

घर में टेस्ट सीरीज में वेस्टइंडीज का सफाया करने के बाद टीम इंडिया अब अपने अगले मिशन पर ऑस्ट्रेलिया की उड़ान भरने वाली है. टीम इंडिया के खिलाड़ी 15 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया रवाना होंगे. इस दौरे के लिए टीम में हर्षित राणा को भी चुना गया है. भारत-वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज के बाद गौतम गंभीर जब प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए आए तो उनसे हर्षित राणा को लेकर सवाल हुआ, जिसके जवाब में उन्होंने हर्षित राणा को 23 साल का बच्चा बता दिया.

**23 साल के बच्चे को टारगेट मत करो- गंभीर :** गौतम गंभीर से हर्षित राणा को लेकर सवाल दरअसल सोशल मीडिया पर हो रही उनकी ट्रोलिंग को लेकर हुआ था. गौतम गंभीर ने उसका जवाब देते हुए कहा कि ये बेहद शर्मनाक है कि आप एक 23 साल के बच्चे को पर्सनली टारगेट कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि उसके पिता कोई पूर्व चेयरमैन, पूर्व क्रिकेटर या अधिकारी नहीं. वो आज जहां भी है अपने दम पर है. ऐसे में उसे निशाना बना सरासर गलत है. इससे सोशल मीडिया से जुड़े लोगों की मानसिकता का पता चलता है.

**बच्चे को अकेला छोड़ दें- गंभीर :** गौतम गंभीर ने आगे कहा कि कोई भी बच्चा जब क्रिकेट खेलना शुरू करता है तो उसकी प्राथमिकता होती है कि वो अच्छा करे. देश के लिए खेले. सिर्फ अपने यू-ट्यूब को चलाने के लिए आप किसी के बारे में कुछ ना कहें. और, अगर आप चाहते ही है टारगेट करना तो मुझे करें. मैं उसे हैंडल कर लूंगा पर बच्चे को अकेला छोड़ दें. यही बात दूसरे सारे युवा खिलाड़ियों के लिए भी मैं कहना चाहूंगा.

**ऑस्ट्रेलिया दौरे की वनडे और टी20 टीम में हर्षित राणा :** हर्षित राणा को ऑस्ट्रेलिया दौरे की वनडे और टी20, दोनों ही टीमों में चुना गया है. भारत का ऑस्ट्रेलिया दौरा 19 अक्टूबर से शुरू हो रहा है. पहले इस दौरे पर वनडे सीरीज खेली जाएगी, जो कि 19 से 25 अक्टूबर के बीच खेली जाएगी. वहीं 29 अक्टूबर से टी20 सीरीज खेली जाएगी, जो कि 8 नवंबर तक चलेगी. ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारत को 5 टी20 की सीरीज खेलनी है.

# दिल्ली के डैशिंग बल्लेबाज गौतम गंभीर का क्रिकेटिंग सफर

**नई दिल्ली.**

टीम इंडिया के पूर्व ओपनर गौतम गंभीर की पहचान हमेशा से ही एक आक्रामक, जुझारू और तीखे तेवर वाले खिलाड़ी के रूप में रही है. सिर्फ एक खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि एक इंसान के तौर पर भी वो उसी तरह के हैं. अक्सर अपने जोशीले बयानों से वो हमेशा सुर्खियों में रहते हैं. अपने करियर के दौरान भी वो ऐसे ही थे, कॉमेंट्री के दौरान भी ऐसे ही बयान देते थे और अब टीम इंडिया के कोच के रूप में भी वो बदले नहीं हैं. इसलिए अगर गंभीर किसी खिलाड़ी के लिए अपनी जान देने की बात करें तो हैरानी नहीं होगी और उन्होंने ऐसा कहा भी था. दिल्ली से आने वाले बाएं हाथ के आक्रामक भारतीय बल्लेबाज गौतम गंभीर 14 अक्टूबर को 44 साल के हो गए. दिल्ली के ओल्ड राजिंदर नगर में रहने वाले गौतम गंभीर ने रोशनआरा क्लब से अपने क्रिकेट खेलने की शुरुआत की थी और फिर जल्द ही दिल्ली की रणजी ट्रॉफी टीम में उन्होंने जगह बनाई थी. दोनों फॉर्मेट में दमदार प्रदर्शन के बाद 2003 में उन्होंने टीम इंडिया के लिए अपना वनडे और 2004 में टेस्ट डेब्यू किया था.

**किसके लिए जान दे सकते हैं गंभीर? :** टीम इंडिया में आने के बाद से ही गौतम गंभीर का करियर उतार-चढ़ाव भरा रहा और ऐसे वक्त में उन्हें एक ऐसे भरोसे की जरूरत थी, जो उनके आत्मविश्वास को वापस ले आए. ये उनके साथ 2008 में हुआ, जब ऑस्ट्रेलियाई टीम टेस्ट सीरीज के लिए भारत दौरे पर आई थी. ये वो वक्त था जब करीब ढाई साल से गंभीर ने टेस्ट में शतक नहीं लगाया था और कोई बड़ा स्कोर उनके बल्ले से नहीं निकल रहा था. इसके बावजूद उन्हें इस टेस्ट सीरीज के लिए जगह मिली और फिर उन्हें वो शब्द सुनने को मिले, जो उनकी वापसी में अहम साबित हुई. ये भरोसा उन्हें मिला था पूर्व कप्तान और दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले से.

2018 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास के बाद गौतम गंभीर ने एक इंटरव्यू में इसका खुलासा किया था.

गंभीर ने बताया था कि टेस्ट सीरीज से पहले वो वीरेंद्र सहवाग के साथ एक शाम को डिनर में मशगूल थे. गंभीर ने कहा, "उसी दौरान अनिल कुंबले वहां से गुजरे और उन्होंने कहा कि तुम दोनों पूरी सीरीज में ओपनिंग करोगे, चाहे लगातार 8 पारियों में तुम 0 पर आउट हो जाओ." कुंबले के इस भरोसे ने उनका दिल जीत लिया. गंभीर ने आगे कहा, "मैंने पहले कभी ऐसी बातें नहीं सुनी थी. इसलिए अगर कभी मुझे किसी के लिए अपनी जान देनी हो तो वो अनिल कुंबले होंगे."

**एक भरोसे ने बदला करियर :** कुंबले से मिले भरोसे के बाद गंभीर ने उस सीरीज में एक शतक और एक दोहरा शतक लगाया था. यहां से उनका टेस्ट करियर जबरदस्त तरीके से बदला था. अगले डेढ़ साल के अंदर गंभीर ने टेस्ट क्रिकेट में 6 शतक और जमाए, जिसमें से एक नेपियर में न्यूजीलैंड के खिलाफ आया था. इस टेस्ट में गंभीर ने दूसरी पारी में 643 मिनट तक बैटिंग करते हुए 436 गेंदों का सामना किया और 137 रन बनाकर वो टेस्ट ड्रॉ करवाने में बड़ी भूमिका निभाई थी. इसके बाद उन्होंने वेलिंगटन में भी शतक जमाया और वो टेस्ट भी ड्रॉ रहा था. इसकी मदद से टीम इंडिया ने वो सीरीज 1-0 से जीती थी.

**गंभीर का इंटरनेशनल करियर :** गंभीर के करियर की बात करें तो 2003 में ओडीआई से डेब्यू करने वाले दिग्गज बल्लेबाज ने 147 मैच में 39.68 की औसत से 5238 रन बनाए, जिसमें 11 शतक और 34 अर्धशतक शामिल थे. जाहिर तौर पर उनके करियर की बेस्ट पारी वर्ल्ड कप 2007 के फाइनल में आई थी, जहां उन्होंने 97 रन बनाए थे. वहीं 58 टेस्ट मैच में गंभीर ने 9 शतक और 22 अर्धशतकों की मदद से 4154 रन बनाए और औसत 41.95 का रहा. वहीं टीम इंडिया को पहला टी20 वर्ल्ड कप जिताने में बड़े किरदार साबित हुए गंभीर ने इस फॉर्मेट में 37 मैच खेलकर 932 रन बनाए, जिसमें फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ 75 रन की पारी समेत 7 अर्धशतक थे.

# जोशना चिनप्पा ने जापान ओपन में जीता 11वां पीएसए टाइटल

**टोक्यो.**

भारतीय स्क्वॉश खिलाड़ी जोशना चिनप्पा ने जापान ओपन के विमेंस सिंगल्स फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने करियर का 11वां प्रोफेशनल स्क्वॉश एसोसिएशन (पीएसए) टाइटल अपने नाम किया। जोशना ने तीसरी वरीयता प्राप्त मिस्र की हाया अली को मुकाबला 11-5, 11-9, 6-11, 11-8 से हराया। इस जीत के साथ जोशना जापान ओपन में बिना एक भी मैच हारे ट्रॉफी जीतने वाली बनीं। चैलेंजर इवेंट के फाइनल में चार गेमों में हराया दुनिया की 87वीं रैंक वाली 39 वर्षीय चिनप्पा ने चैलेंजर इवेंट के फाइनल में हाया अली को चार गेमों में हराया। खास बात यह रही कि इसी साल बरमूडा ओपन में हाया अली ने जोशना को पांच गेम के रोमांचक मुकाबले में हराया था, जिसका बदला जोशना ने इस जीत से लिया। क्वार्टर-फाइनल में दूसरी वरियता की प्लेयर को हराया जोशना ने मलेशिया की अनरी गोह पर 11-6, 11-6, 11-6 से सीधे गेम में जीत के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत की थी। उन्होंने दूसरे दौर में फ्रांस की पांचवीं वरीयता प्राप्त लौरेन बाल्टायन को भी 11-7, 11-4, 11-9 से हराया। क्वार्टर-फाइनल में जोशना ने दूसरी वरीयता प्राप्त मिस्र की नारदीन गरस को 11-8, 15-13, 11-9 से हराया था। इसके बाद सेमीफाइनल में चौथी वरीयता प्राप्त मिस्र की ही राना इस्माइल को 11-7, 11-1, 11-5 से आसानी से हरा दिया।

**जोशना चिनप्पा ने 2015 में 10वां पीएसए टाइटल जीता था। :** 2023 एशियाई खेलों में ब्रॉन्ज दिलाया था जोशना चिनप्पा को 2023 एशियाई खेलों में घुटने पर चोट लगी थी। जिसके बाद उनकी सर्जरी हुई थी। इस टूर्नामेंट में उन्होंने महिला टीम इवेंट में भारत को ब्रॉन्ज मेडल दिलाया था।

इसी साल जून में जोशना ने एशियाई चैंपियनशिप के विमेंस डबल्स में अनहत सिंह के साथ खिताब अपने नाम किया था। वे इंडियन ओपन के सेमीफाइनल में भी पहुंची थीं। उन्हें चैंपियन बनीं अनहत से हार मिली थीं। जोशना का पिछला पीएसए टाइटल 2015 में नेशनल स्पोर्ट्स क्लब ऑफ इंडिया (एनएससीआई) स्क्वॉश ओपन में आया था। अभय सिंह सिलिकॉन वैली ओपन से बाहर भारत के मौजूदा नेशनल स्क्वॉश चैंपियन और वर्ल्ड नंबर 29 अभय सिंह को यूएस में हुए पीएसए गोल्ड इवेंट, सिलिकॉन वैली ओपन के राउंड-ऑफ-16 में हार का सामना करना पड़ा।

उन्हें फ्रांस के वर्ल्ड नंबर 9 और पांचवीं वरीयता प्राप्त विक्टर क्राउज़न ने 4-11, 2-11, 1-11 से हराया।

# कुश्ती स्पर्धा में भोसला पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने जीते पदक

**नागपुर.**

जिले के क्रीड़ा अधिकारी कार्यालय, मानकापुर नागपूर के तत्वावधान में हाल ही में कुश्ती स्पर्धा का आयोजन किया गया। इसी क्रम में अवंतिका क्रीड़ा संकुल, कोरडी में अस्मिता उशू महिला लीग स्पर्धा का भी आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न स्कूलों के करीब 200 विद्यार्थी हिस्सा लिए। इस स्पर्धा में भोसला पब्लिक स्कूल, नंदनवन, नागपूर के छात्र-छात्राओं ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कई पदक जीते। पदक विजेता विद्यार्थियों की सूची: अनिकेत यादव (अंडर/17), श्रेणी 40 से 45 किलो, पदक: गोल्ड मेडल उन्होंने अपनी ताकत और होसले से प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया।

नंदिनी भडगरे (अंडर/14), श्रेणी: 28 किलो, पदक: सिल्वर मेडल, उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सिल्वर मेडल से सम्मानित। हर्षिता अस्वले (अंडर/14), श्रेणी: 24 किलो, पदक: ब्रॉन्ज मेडल, दमदार मुकाबले के बाद कांस्य पदक जीता। गोल्ड मेडल विजेता विद्यार्थियों का चयन आगामी विभागीय स्पर्धा के लिए किया गया है। इन सफलताओं का श्रेय विद्यार्थियों ने अपने स्कूल की मुख्याध्यापिका अनुराधा मदन खेतल, शारीरिक शिक्षक चंद्रकांत तारेकर, अन्य शिक्षकगण और अपने माता-पिता को दिया है।

# रणजी ट्रॉफी में बिहार की टीम तैयार

## > 14 साल के वैभव सूर्यवंशी बने उप-कप्तान

**पटना.**

आज से रणजी ट्रॉफी शुरू हो रही है. इसके लिए सभी टीमें कमर कसकर तैयार है. बिहार ने भी अपनी टीम का ऐलान कर दिया है, जिसमें पिछले साल ही रणजी डेब्यू करने वाले 14 साल के वैभव सूर्यवंशी को उप-कप्तानी की बड़ी जिम्मेदारी मिली है. वैभव सूर्यवंशी के कंधे पर उप-कप्तानी का दारोमदार तो होगा ही, उसके अलावा 20 महीने पुराने जख्म को भरने की भी बड़ी चुनौती होगी. अब सवाल है कि ये जख्म है क्या? तो इसका ताल्लुक पटना में उनके साथ घटी घटना से जुड़ा है. इसका ताल्लुक उस मैदान से है, जिस पर बिहार की टीम को इस सीजन अपना पहला रणजी मुकाबला खेलना है.

**15 अक्टूबर से बिहार के अभियान का आगाज :** बिहार की टीम अपने नए रणजी सीजन की शुरुआत अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ करेगी. दोनों के बीच ये मुकाबला 15 अक्टूबर से पटना के मोइनुल हक स्टेडियम पर खेला जाएगा. ये वही मैदान है, जिस पर पिछले साल जनवरी में वैभव सूर्यवंशी ने डेब्यू किया था. तब उनकी उम्र 13 साल से भी कम थी.

**मोइनुल हक स्टेडियम पर किया था रणजी डेब्यू :** वैभव सूर्यवंशी ने मुंबई के खिलाफ 5 से 8 जनवरी 2024 को खेले मुकाबले में बिहार के लिए अपना पहला रणजी मैच खेला था. उसके बाद उन्होंने अपना दूसरा रणजी मुकाबला भी उसी मैदान पर चंडीगढ़ के खिलाफ खेला था. जब वो सिर्फ खिलाड़ी नहीं बल्कि बतौर उप-कप्तान बिहार के लिए रणजी मैच खेलने पटना के मोइनुल हक स्टेडियम पर उतरेंगे.

**मोइनुल हक स्टेडियम पर पुराना जख्म भरने उतरेंगे :** अब सवाल है कि वो जख्म क्या था. जो उन्हें पटना के मोइनुल हक स्टेडियम पर 12 से 15 जनवरी 2024 के बीच खेले अपने रणजी करियर के दूसरे मुकाबले में मिला था. दरअसल, वो उस मैच की दोनों पारियों में जीरो पर आउट हो गए थे, जिसके बाद उन्हें टीम से ड्रॉप भी कर दिया गया था.

पटना के मोइनुल हक स्टेडियम पर वैभव सूर्यवंशी ने अब तक 2 मैच की 4 पारियों में सिर्फ 31 रन बनाए हैं. साफ है कि परफॉर्मेन्स का ये ग्राफ भी उनके मिजाज से मेल खाता नहीं दिखा. 20 महीने बाद अब बिहार के उप-कप्तान बनकर खेलने उतरने वाले वैभव सूर्यवंशी को पटना के मोइनुल हक स्टेडियम पर उसी परफॉर्मेन्स ग्राफ को बदलना है.

# साउथ अफ्रीका ने बांग्लादेश को हराकर दर्ज की लगातार तीसरी जीत

## > इंडिया को पॉइंट्स टेबल में पीछे छोड़ा

**विशाखापट्टनम.**

विमेंस वनडे वर्ल्ड कप के ग्रुप मैच में साउथ अफ्रीका ने बांग्लादेश को हराकर अपनी लगातार तीसरी जीत दर्ज की है। इस जीत के साथ साउथ अफ्रीका पॉइंट्स टेबल में भारत को पीछे छोड़ते हुए तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट के नुकसान पर 232 रन बनाए। टीम की ओर से शर्मिन अख्तर और शोरना अख्तर ने बेहतरीन फिफ्टी लगाई। ओपनिंग बल्लेबाज फरगाना हक और रुबिया हैदर ने भी धीमी, लेकिन समझदारी भरी शुरुआत दी। दोनों ने 73 रन की साझेदारी की, जिसमें फरगाना ने 30 और रुबिया ने 25 रन बनाए। इसके बाद शर्मिन अख्तर और कप्तान निगर सुल्ताना ने टीम को संभाला और 37वें ओवर में 50 रन की साझेदारी की। साउथ अफ्रीका की पारी की शुरुआत अच्छी नहीं रही, क्योंकि टीम ने 78 रन पर 5 विकेट गंवा दिए थे। लेकिन मारिजान कैप और क्लो ट्रायोन ने संयमित बल्लेबाजी करते हुए टीम को संभाला और 50-50 के आसपास रन बनाए। अंत में नदिन डी क्लर्क ने 37 रन की अहम पारी खेली और जीत दिलाने वाला सिक्स जड़कर टीम को 3 गेंद पहले विजयी बनाया।

**बांग्लादेश ने 73 रन पर 2 विकेट गंवाए। :** शोरना ने 35 गेंद पर फिफ्टी लगाई 150 रन पर 3 विकेट गिर जाने के बाद शोरना अख्तर ने तेजी से रन बनाए। उनके सामने शर्मिन अख्तर 50, सोभना मोस्तारी 9 और राबेया खान खाता खोले बगैर आउट हो गईं। ऋतु मोनी ने 8 गेंद पर 19 और शोरना ने 35 गेंद पर 51 रन बनाकर टीम को 232 तक पहुंचा दिया। साउथ अफ्रीका के लिए नोन्कुलुलेको मलाबा ने 42 रन देकर 2 विकेट लिए। क्लो ट्रायोन और नदिन डी क्लर्क को 1-1 विकेट मिला। 2 बैटर्स रन आउट हुईं। वहीं मारिजान कैप, मसाबाता क्लास और तुमी सेखुखुने कोई विकेट नहीं ले सकीं। साउथ अफ्रीका ने 100 के अंदर 5 विकेट गंवाए 233 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीका विमेंस की शुरुआत खराब रही। टीम ने 78 रन पर 5 विकेट गंवा दिए। विकेटकीपर सिनालो जाफ्ता 4, एनेरी डेरेकसन 2 और ताजमिन ब्रिट्स खाता खोले बगैर आउट हो गईं। कप्तान लौरा वोल्वार्ट ने 31 और अनेके बोश ने 28 रन बनाकर टीम को 50 के पार पहुंचाया। ट्रायोन-कैप ने जीत के करीब पहुंचाया 5 विकेट गिर जाने के बाद ऑलराउंडर मारिजान कैप ने क्लो ट्रायोन के साथ पार्टनरशिप की। दोनों ने छठे विकेट के लिए 87 रन जोड़े। कैप 56 रन बनाकर आउट हुईं। उनके बाद ट्रायोन ने फिफ्टी लगाई और टीम को 200 के करीब पहुंचाया।

# गौतम गंभीर ने पिच की गुणवत्ता पर उठाए सवाल

**नई दिल्ली.**

भारतीय क्रिकेट टीम ने दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में सात विकेट से आसान जीत हासिल की और दो मैचों की सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप कर लिया. इस मुकाबले में भारतीय टीम की ओर से कमाल का प्रदर्शन देखने को मिला. हालांकि, इस शानदार खेल के बावजूद टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में अरुण जेटली स्टेडियम में पिच पर सवाल उठाए. उन्होंने पिच की खराब गुणवत्ता पर निराशा जताई और भारतीय टीम मैनेजमेंट पिच से ज्यादा खुश नहीं दिखी.

**दिल्ली की पिच पर फूटा गंभीर का गुस्सा :** गंभीर के मुताबिक, दिल्ली की पिच ने तेज गेंदबाजों और अंगुली के स्पिनरों को कोई खास मदद नहीं दी. जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज इस मैच में विकेट के लिए काफी संघर्ष करते हुए नजर आए. वहीं, अरुण जेटली स्टेडियम की पिच स्पिनरों के लिए मददगार होती है लेकिन रविंद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर को इससे कोई मदद नहीं मिली. ऐसे में गंभीर ने पिच में गति और उछाल की कमी को लेकर चिंता जताई और इसे निराशाजनक करार दिया.

**गौतम गंभीर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में क्या कहा? :** गौतम गंभीर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मेरा मानना हैं कि हमें यहां एक बेहतर पिच मिल सकती थी. हमें पांचवें दिन नतीजा मिला लेकिन मुझे लगता है कि बल्ले का किनारा लेने के बाद गेंद विकेटकीपर या स्लिप के फील्डर्स तक पहुंचनी चाहिए थी.

मैं जानता हूं कि हम स्पिनरों की अहम भूमिका के बारे में बात करते रहते हैं, लेकिन जब आपके पास दो शानदार तेज गेंदबाज हो आप चाहते है कि वह मैच में अहम योगदान दे.' वहीं, मुकाबले के दौरान स्पिनरों की धीमी गेंदों को बल्लेबाज आसानी से बैकफुट पर खेल रहे थे. ऐसे में गंभीर ने कहा, 'पिच में थोड़ी गति और उछाल होनी चाहिए. लेकिन यहां की पिच में ऐसा कुछ भी नहीं था, यह निराशाजनक है.

हम भविष्य में बेहतर पिचों का इस्तेमाल कर सकते है क्योंकि टेस्ट क्रिकेट को बचाए रखने की जिम्मेदारी हम सभी की है.' बता दें, भारतीय टीम का अगली टेस्ट सीरीज साउथ अफ्रीका के खिलाफ नवंबर में कोलकाता और गुवाहाटी में खेलनी है. ऐसे में हो सकता है इन मैचों में टीम मैनेजमेंट ऐसी पिचें चाहेगा जो तेज गेंदबाजों के लिए भी मददगार हो.

# वैश्विक शांति के लिए देश का 4 सी फॉर्मूला

## > रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का बड़ा बयान

**नई दिल्ली.**

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि दुनिया में शांति बनाए रखने के लिए सभी देशों को 4सी फॉर्मूला कंसल्टेशन (परामर्श), कोऑपरेशन (सहयोग), कोआर्डिनेशन (समन्वय) और कैपेसिटी बिल्डिंग (क्षमता निर्माण) के सिद्धांत पर काम करना होगा. वे नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में चल रहे संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में योगदान देने वाले देशों के प्रमुखों के सम्मेलन में बोल रहे थे. यह सम्मेलन भारत में पहली बार आयोजित किया जा रहा है.

राजनाथ सिंह ने कहा कि आज शांति सैनिकों को बेहद मुश्किल परिस्थितियों में काम करना पड़ता है, जहां आतंकवाद, अस्थिर राजनीति, मानवीय संकट और गलत सूचनाओं के प्रचार जैसी समस्याएँ मौजूद हैं. उन्होंने कहा कि तकनीकी और आर्थिक रूप से मजबूत देशों को आगे आकर शांति अभियानों में अधिक मदद करनी चाहिए.

रक्षा मंत्री ने कहा, आज की चुनौतियों से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र को पुराने ढांचे से बाहर निकलकर सुधारों की दिशा में काम करना होगा. हमें ऐसा सिस्टम चाहिए जो सभी देशों की आवाज सुने और इंसानियत को केंद्र में रखे.

उन्होंने बताया कि भारत ने अब तक 50 से ज्यादा यूएन मिशनों में करीब 2.9 लाख सैनिकों को भेजा है, जो पूरी दुनिया में अपनी बहादुरी, अनुशासन और करुणा के लिए जाने जाते हैं. भारत न केवल सैनिक भेजता है बल्कि तकनीक, प्रशिक्षण और अनुभव भी साझा करता है.

राजनाथ सिंह ने बताया कि नई दिल्ली में स्थित संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना केंद्र ने अब तक 90 से ज्यादा देशों के सैनिकों को प्रशिक्षण दिया है.

उन्होंने कहा कि भारत ने आत्मनिर्भर भारत के तहत कई स्वदेशी रक्षा तकनीकें तैयार की हैं, जैसे ड्रोन, निगरानी प्रणाली, सुरक्षित संचार उपकरण और मोबाइल अस्पताल, जो यूएन मिशनों में मददगार साबित हो रहे हैं.

### 90 से ज्यादा सैनिकों को दिया प्रशिक्षण

राजनाथ सिंह ने बताया कि नई दिल्ली में स्थित संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना केंद्र ने अब तक 90 से ज्यादा देशों के सैनिकों को प्रशिक्षण दिया है. उन्होंने कहा कि भारत ने आत्मनिर्भर भारत के तहत कई स्वदेशी रक्षा तकनीकें तैयार की हैं, जैसे ड्रोन, निगरानी प्रणाली, सुरक्षित संचार उपकरण और मोबाइल अस्पताल, जो यूएन मिशनों में मददगार साबित हो रहे हैं.

# लंबा चल सकता है अमेरिका में शटडाउन

**वाशिंगटन.**

अमेरिका में पिछले 2 सप्ताह से शटडाउन जारी है। शटडाउन के बीच रिपब्लिकन पार्टी से स्पीकर माइक जॉनसन ने कहा कि संघीय सरकार का शटडाउन (सरकारी वित्तपोषण रुकने से कामकाज ठप होना) अब तक का सबसे लंबा शटडाउन हो सकता है। जॉनसन ने कहा कि जब तक डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद स्वास्थ्य देखभाल से संबंधित अपनी मांगों को नहीं छोड़ते और इसे (वित्त पोषण) दोबारा शुरू नहीं करते, तब तक वह उनके साथ बातचीत नहीं करेंगे।

शटडाउन के 13वें दिन 'कैपिटल' (अमेरिकी संसद भवन परिसर) में स्पीकर ने कहा कि उन्हें ट्रंप प्रशासन की ओर से बर्खास्त किए जा रहे हजारों संघीय कर्मचारियों के विवरण की जानकारी नहीं है। यह एक बेहद असामान्य सामूहिक छंटनी है जिसे व्यापक रूप से सरकार के दायरे को सीमित करने के लिए शटडाउन का लाभ उठाने के तरीके के रूप में देखा जा रहा है। इस बीच उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने सख्त कटौतियों की चेतावनी दी है। वहीं, कर्मचारी संघ मुकदमा कर रहे हैं।

जॉनसन ने कहा, 'हम अमेरिकी इतिहास के सबसे लंबे शटडाउन की दिशा की ओर बढ़ रहे हैं।' शटडाउन पर कोई नतीजा निकलता नहीं दिख रहा जिसके कारण इसके लंबे समय तक इसके जारी रहने की उम्मीद है।

सरकारी वित्तपोषण रुकने से हुए शटडाउन के कारण नियमित सरकारी कामकाज ठप पड़ गया है। संग्रहालय और अन्य ऐतिहासिक सांस्कृतिक संस्थान बंद कर दिए गए हैं और हवाई अड्डों पर उड़ानों में व्यवधान के कारण अफरातफरी मच गई है। शटडाउन को लेकर अर्थव्यवस्था में और अनिश्चितता पैदा हो गई है।

माइक जॉनसन ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को इस हफ्ते सैन्य कर्मियों का वेतन सुनिश्चित करने के लिए धन्यवाद दिया। एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर बताया कि तटरक्षक बल को भी वेतन मिल रहा है।

यह शटडाउन एक अक्टूबर को तब शुरू हुआ जब डेमोक्रटिक पार्टी के सदस्यों ने अल्पकालिक वित्तीय सहायता के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया और मांग करते हुए कहा कि विधेयक में 'अफोर्डेबल केयर एक्ट' के तहत स्वास्थ्य बीमा के लिए संघीय रियायत का विस्तार शामिल किया जाए।

# जेडीयू-चिराग की सीट पर बीजेपी का कब्जा!

**पटना.**

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है. पहली लिस्ट में चुनाव के पहले चरण की 38 और दूसरे चरण की 33 सीटों पर प्रत्याशी का ऐलान किया गया है. इसमें एक ओर जहां कुछ चौंकाने वाले नाम हैं तो वहीं कुछ नाम नहीं हैं जिनकी चर्चा चुनाव लड़ने की थी.

बीजेपी की इस लिस्ट में 2 पूर्व सांसदों को भी जगह मिली है. बीजेपी ने दानापुर से रामकृपाल यादव और सुनील कुमार पिंटू को बीजेपी ने चुनावी मैदान में उतारा है. 70 साल से ज्यादा के प्रेम कुमार गया से टिकट पाने में सफल रहे हैं. लोकसभा चुनाव में हारे हुए दो नेताओं को विधानसभा का उम्मीदवार बनाया गया. बक्सर से लोकसभा उम्मीदवार रहे मिथिलेश तिवारी को बैकुंठपुर और पाटलिपुत्र से लोकसभा उम्मीदवार रामकृपाल यादव को दानापुर से टिकट दिया गया. 71 नामों की लिस्ट में 9 महिलाओं के अलावा 5 अनुसूचित जाति और 1 अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवार को जगह मिली है. नंद किशोर यादव का टिकट काट दिया गया है.पटना साहिब से रत्नेश कुशवाहा को टिकट मिला है. माना जा रहा था कि इस चुनाव में राम कृपाल यादव के बेटे को बीजेपी प्रत्याशी बनाएगी हालांकि ऐसा नहीं हुआ. बीजेपी ने यादव को दानापुर से प्रत्याशी बनाया है. हिसुआ से अनिल सिंह प्रत्याशी बने हैं. यह सीट लोकजनशक्ति पार्टी के खाते में जाने की चर्चा थी.

एमएलसी एवं स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे को सिवान से प्रत्याशी बनाया गया. तारापुर सीट पर सम्राट चौधरी को उम्मीदवार बनाया गया है. अभी तक इस सीट पर जेडीयू के राजीव कुमार सिंह विधायक थे. जदयू के पूर्व सांसद सुनील पिंटू बीजेपी में घर वापस आ गए हैं. सीतामढ़ी से प्रत्याशी बनाए गए हैं.

खजौली से बीजेपी के अरूण प्रसाद प्रत्याशी बने. यह सीट उपेंद्र कुशवाहा की आरएलएम के खाते में जाने की चर्चा थी. इस लिस्ट में 9 महिला प्रत्याशी हैं. आरा से संजय टाइगर को प्रत्याशी बनाया गया. वरिष्ठ विधायक अमरेंद्र प्रताप सिंह का टिकट कट गया है. लालगंज से संजय सिंह प्रत्याशी हैं. चिराग के खाते में सीट जाने की चर्चा थी.

# देश में गंभीर हालत के बाद ही इलाज कराते हैं हृदय रोगी

**नई दिल्ली.**

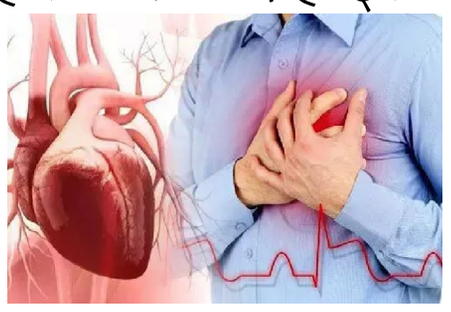

भारत में हृदय रोग अब केवल वृद्धों की बीमारी नहीं रही। टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा जारी एक राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण के अनुसार, अब 50 वर्ष से कम उम्र के भारतीयों में हृदय संबंधी बीमारियों के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इस सर्वेक्षण में देशभर के लगभग 300 कार्डिओलॉजिस्ट्स की राय शामिल की गई।

सर्वेक्षण में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई कि आज 74% डॉक्टरों के अनुसार, उनके हृदय रोगी 50 वर्ष से कम उम्र के होते हैं। 36% डॉक्टरों ने कहा कि उनके पास आने वाले मरीजों की उम्र 31-40 वर्ष के बीच है। एक दशक पहले यह संख्या 87% तक 41 वर्ष से अधिक उम्र वालों तक सीमित थी। 78% डॉक्टरों ने बताया कि मरीज सीने में दर्द, थकान, या सांस फूलने जैसे प्रारंभिक लक्षणों को अनदेखा कर देते हैं, जिससे समय पर इलाज नहीं हो पाता।

60% डॉक्टरों का कहना है कि मरीज तब तक इलाज के लिए नहीं आते जब तक हृदय को गंभीर नुकसान न हो जाए। टाटा एआईजी के सीनियर एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट, राजगोपाल रुद्रराजू ने बताया, "भारत में हृदय रोग केवल मेडिकल नहीं, एक आर्थिक चुनौती भी बन चुकी है।

पिछले पांच वर्षों में कार्डियोलॉजी उपचार की लागत 65% तक बढ़ गई है, जबकि बहुत से परिवार इस तरह के खर्च के लिए तैयार नहीं होते। 59% डॉक्टरों ने बताया कि उनके 40% से भी कम मरीज उन्नत हृदय उपचार के लिए वित्तीय रूप से सक्षम हैं।

39% डॉक्टरों ने स्वीकार किया कि महानगरों के बाहर हृदय रोग का उन्नत इलाज अब भी सीमित है। सर्वेक्षण के अनुसार, 34% कार्डिओलॉजिस्ट्स मानते हैं कि महिलाएं भी पुरुषों के बराबर हृदय रोग के खतरे में हैं, लेकिन 16% डॉक्टरों का कहना है कि महिलाओं के लक्षणों को अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है, जिससे निदान में देरी होती है।

अस्वास्थ्यकर जीवनशैली, उच्च तनाव, व्यायाम की कमी, लंबे समय तक बैठना, नींद की कमी इन कारणों ने हृदय रोग को भारत में सबसे बड़ी जानलेवा बीमारी बना दिया है। उद्योग रिपोर्टों के अनुसार, 40 से 69 वर्ष की उम्र के लोगों में यह रोग मृत्यु का प्रमुख कारण बना हुआ है।

यह सर्वेक्षण भारत में हृदय रोग की तेज़ी से बदलती तस्वीर को उजागर करता है और बताता है कि जल्दी पहचान, सही जानकारी, स्वास्थ्य बीमा, और जीवनशैली में सुधार जैसे कदम अब टालने योग्य नहीं हैं।

# दिल्ली दंगा मामले में शरजील की जमानत याचिका की वापसी

**नई दिल्ली.**

दिल्ली दंगा मामला में आरोपी छात्र कार्यकर्ता शरजील इमाम ने बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए दिल्ली की कड़कड़डूमा कोर्ट से अंतरिम जमानत की अपनी याचिका वापस ले ली है. शरजील इमाम ने मंगलवार को कड़कड़डूमा कोर्ट के समक्ष अपनी याचिका वापस ले ली, जिसमें उन्होंने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए अंतरिम जमानत मांगी थी. इमाम के वकील का कहना है कि उचित मंच सुप्रीम कोर्ट होना चाहिए था, क्योंकि उनकी नियमित ज़मानत वहीं लंबित है अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (एएसजे) समीर बाजपेयी ने इब्राहिम को उस आशय का एक आवेदन दायर करने को कहा और कहा कि अनुरोध की अनुमति दी जाएगी.

इमाम ने बहादुरगंज विधानसभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने के लिए 15 से 29 अक्टूबर तक अंतरिम जमानत मांगी थी. अपनी याचिका में उन्होंने खुद को "राजनीतिक कैदी और छात्र कार्यकर्ता" बताया था.दायर याचिका में कहा गया था कि वह अपने गृह राज्य बिहार से चुनाव लड़ने के इच्छुक हैं. बिहार के जहानाबाद जिले का निवासी शरजील इमाम जनवरी 2020 से हिरासत में है. उस पर नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों से जुड़े कई मामले दर्ज किए गए थे.

हालांकि उन्हें इनमें से कुछ मामलों में जमानत मिल गई थी, लेकिन वह 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश के मामले में अभी भी जेल में बंद हैं, जिसमें दिल्ली पुलिस ने गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत मामला दर्ज किया है. 2 सितंबर को दिल्ली उच्च न्यायालय ने दंगों की साजिश के मामले में उनकी नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी थी. उस आदेश के खिलाफ उनकी अपील सर्वोच्च न्यायालय में लंबित है.

इससे पहले, इमाम ने बिहार में अपना नामांकन दाखिल करने और प्रचार करने के लिए 15 से 29 नवंबर तक 14 दिनों की अंतरिम जमानत की मांग करते हुए एक याचिका भी दायर की थी. याचिका में कहा गया था कि वह बहादुरगंज विधानसभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ना चाहते हैं.

# तालिबान हमले से बैकफुट पर आसिम मुनीर

**काबुल.**

पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर हाल ही में अफगान तालिबान के डूरंड रेखा पर किए गए अचानक और संगठित हमलों के बाद बैकफुट पर आ गए हैं. रावलपिंडी के जनरल मुख्यालय में बुलाई गई आपात बैठक में मुनीर ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों और आईएसआई प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल आसिम मलिक से खुफिया विफलता पर कड़ा सवाल किया.

सूत्रों के मुताबिक, बैठक में कोर्प्स कमांडर पेशावर, साउथर्न कमांड के कमांडर, चीफ ऑफ़ जनरल स्टाफ, डीजी आईएसआई,डीजी मिलिट्री इंटेलिजेंस और डीजी मिलिट्री ऑपरेशन्स सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे. मुनीर ने बैठक में स्पष्ट किया कि पाकिस्तान को अपने पश्चिमी सीमाओं पर रणनीतिक गहराई की कमी की कीमत चुकानी पड़ी. उन्होंने हर अधिकारी से यह जवाब मांगा कि इतनी बड़ी हमले की अग्रिम जानकारी क्यों नहीं मिली और क्यों कोई तुरंत सैन्य प्रतिक्रिया तैयार नहीं थी.

तालिबान ने सात फ्रंट्स- अंगूर अड्डा, बाजौर, कुर्रम, देर, चितराल, वजीरिस्तान (के.पी. के) और ब्रह्म चाह, चमन (बलूचिस्तान) से भारी हमले किए, जिससे पाकिस्तानी सुरक्षा बल पूरी तरह से चौंक गए. इस हमले ने पाकिस्तानी खुफिया तंत्र और सीमा सुरक्षा में बड़ी कमी को उजागर कर दिया. फील्ड मार्शल मुनीर ने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान अब नरम राज्य नहीं रह सकता। हमें अपनी सुरक्षा और खुफिया क्षमताओं को मजबूत करना होगा. उन्होंने सभी कमांडरों को सीमाओं पर चौकसी बढ़ाने और हर सेक्टर में अतिरिक्त सतर्कता रखने के निर्देश दिए.

बैठक में आईएसआई प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल आसिम मलिक पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया. सूत्रों के अनुसार, मुनीर ने सीधे तौर पर पूछा कि खुफिया नाकामी के पीछे क्या कारण थे और भविष्य में इसे कैसे रोका जाएगा.

अधिकारियों को सात दिन में विस्तृत रिपोर्ट सौंपने का आदेश दिया गया, जिसमें सभी चूक, कारण और सुधारात्मक कदम शामिल होंगे. विशेषज्ञ मानते हैं कि इस बैठक के बाद आईएसआई प्रमुख के जिम्मेदारियों पर सवाल उठ सकते हैं और संभावित रीशफल की संभावना है.

# मैथिली ठाकुर को टिकट नहीं

**नई दिल्ली.**

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने अपनी पहली उम्मीदवार सूची जारी कर दी है। इस लिस्ट में मशहूर लोक गायिका मैथिली ठाकुर का नाम शामिल नहीं किया गया है। बेनीपट्टी सीट से पार्टी ने अपने वरिष्ठ नेता और मौजूदा विधायक विनोद नारायण झा पर दोबारा भरोसा जताया है।

हाल के दिनों में मैथिली ठाकुर के बीजेपी टिकट पर चुनाव लड़ने की चर्चा काफी तेज थी। पार्टी के बिहार प्रभारी विनोद तावड़े और केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय से उनकी मुलाकात और तावड़े के ट्वीट ने इन अटकलों को और हवा दी थी। लेकिन मंगलवार को जारी उम्मीदवार सूची ने यह साफ कर दिया कि फिलहाल बीजेपी ने उन्हें चुनावी मैदान में उतारने का फैसला नहीं किया है.

दरअसल, कुछ दिनों पहले विनोद तावड़े ने मैथिली ठाकुर से मुलाकात की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा था, "बिहार की बिटिया मैथिली ठाकुर बदलते बिहार की रफ्तार को देखकर फिर से अपने राज्य लौटना चाहती हैं। हमने उनसे आग्रह किया कि वे बिहार के विकास में अपना योगदान दें। इस ट्वीट के बाद से राजनीतिक हलकों में यह अटकलें तेज हो गईं कि मैथिली ठाकुर को बीजेपी बेनीपट्टी से टिकट दे सकती है। लेकिन उम्मीदवार सूची में उनका नाम नहीं आने से यह संभावनाएं खत्म होती दिख रही हैं।

बेनीपट्टी सीट से बीजेपी ने 68 वर्षीय विनोद नारायण झा को दोबारा मौका दिया है। वे 1977 के जेपी आंदोलन से राजनीति में सक्रिय हैं और दो बार विधायक तथा एक बार विधान पार्षद रह चुके हैं। पार्टी ने उनके अनुभव और क्षेत्रीय पकड़ को देखते हुए टिकट काटने का जोखिम नहीं लिया।

मधुबनी जिले के बेनीपट्टी की रहने वाली मैथिली ठाकुर महज 11 साल की उम्र में जी टीवी के 'सारेगामापा लिटिल चैंप्स' से मशहूर हुई थीं। अब 25 साल की मैथिली भोजपुरी, मैथिली और हिंदी भजनों के साथ-साथ लोकगीतों के लिए जानी जाती हैं। चुनाव आयोग ने उन्हें 2024 लोकसभा चुनाव के दौरान ब्रांड एंबेसडर भी बनाया था। इसलिए उनके राजनीति में उतरने की चर्चा को लोगों ने गंभीरता से लिया था।

# केरल ने अमेरिका को पीछे छोड़ा, सीएम विजयन का दावा

**तिरुवनंतपुरम.**

केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कहा कि समाज ने केरल की उपलब्धियों को पूरी तरह से पहचाना है या नहीं, इसमें थोड़ा शक है. उन्होंने कहा कि केरल ने शिशु मृत्यु दर में संयुक्त राज्य अमेरिका को भी पीछे छोड़ दिया है, लेकिन इस उपलब्धि को उतनी अहमियत के साथ प्रचारित नहीं किया गया, इसका और प्रचार किया जाना चाहिए था. उन्होंने यह भी कहा कि केवल एलडीएफ सरकार की उपलब्धियों को छिपाने के लिए राज्य की प्रगति को कमतर दिखाना सही नहीं है.मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने एक मलयालम अखबार की उस रिपोर्ट का खंडन किया जिसमें दावा किया गया था कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उनके बेटे को समन जारी किया है. विजयन ने कहा कि न तो उन्हें और न ही उनके परिवार को एजेंसी से ऐसा कोई नोटिस मिला है और उन्होंने 'राजनीतिक रूप से प्रेरित' मीडिया की कहानी के पीछे के मकसद पर सवाल उठाया. सीएम ने कहा कि हमें कोई समन नहीं मिला. मेरे बेटे ने भी मुझे ऐसा कुछ नहीं बताया है. उन्होंने आगे कहा कि यह खबर उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल करने की कोशिश है. उन्होंने सवाल पूछा कि ऐसी निराधार जानकारी प्रसारित करने के लिए उस अखबार और इस एजेंसी (ईडी) के बीच किस तरह का संबंध है? यह समन वास्तव में किसे मिला? यह किसे भेजा गया था? हमने ऐसा कुछ नहीं देखा है. विजयन ने कहा कि उन्होंने हमेशा राजनीति से प्रेरित हमलों का संयम से सामना किया है. उन्होंने कहा कि मैंने हमेशा एक बेदाग़ ज़िंदगी जीने की कोशिश की है और मुझे गर्व है कि मेरे परिवार ने इस कोशिश में मेरा साथ दिया.

# हमास के लिए मुश्किल,डॉक्टर को छुड़ाने की जद्दोजहद

**हमास.**

इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम हो गया है. सोमवार को दोनों के बीच बंदियों की अदला-बदली हुई. हमास ने 20 जीवित बंदियों को रिहा किया. वहीं, इजराइल ने 2000 को अपनी कैद से आजाद किया. इसी बीच हमास एक फिलिस्तीनी डॉक्टर की मांग कर रहा है. जोकि इजराइल की कैद में है. गाजा के अस्पताल निदेशक डॉ. हुस्साम अबु सफिया की हमास लगातार इजराइस से मांग कर रहा है. अबु सफिया का पिछले साल दिसंबर में इजराइली बलों ने अपहरण कर लिया था. इजराइल ने बंदियों की रिलीज में डॉ. सफिया को शामिल नहीं किया. जहां एक तरफ इजराइल उनको रिहा नहीं कर रहा. वहीं, हमास की तरफ से उनकी रिहाई की मांग बढ़ रही है.

डॉक्टर सफिया गाजा में एक अस्पताल निदेशक हैं. जिन्हें इजराइल ने अपने हाल के युद्धविराम समझौते में रिहा नहीं किया. एक अन्य फिलिस्तीनी डॉक्टर, डॉ. मारवान अल हम्स, को भी तेल अवीव ने रिहा नहीं किया. उन्हें दिसंबर 2024 में इजराइली बलों ने गिरफ्तार किया था, जब उन्होंने बेइत लाहिया में कमाल अदवान अस्पताल को बंद किया. कई फिलिस्तीनी अधिकार समर्थक मानते हैं कि सफिया उन डॉक्टरों में से हैं जिन्होंने उस समय गाजा के स्वास्थ्य क्षेत्र को बचाने की कोशिश की, जब इजराइल ने बार-बार इस क्षेत्र को निशाना बनाया. ह्यूमन राइट्स निगरानी संस्था एमनेस्टी इंटरनेशनल के अनुसार, सफिया को पिछले साल गिरफ्तारी के बाद बिना किसी आरोप या मुकदमे के इजराइली सुरक्षा कानून के तहत रखा गया. कमाल अदवान अस्पताल में सफिया ने पेडियाट्रिशियन के रूप में काम किया. डॉक्टर सफिया के बेटे की हत्या इजराइली हमले में हुई थी.

डॉक्टर सफिया गाजा के मेडिकल फील्ड में एक बहुत ही चर्चित शख्सियत बन गए हैं. क्योंकि युद्ध के मुश्किल दिनों में लोगों के इलाज में जुटे रहे. बमबारी बढ़ती रही, लेकिन उन्होंने अस्पताल खाली करने से इनकार किया और घायल नागरिकों का इलाज करते रहे. कैदियों के विभाग के प्रमुख नाजी अब्बास ने इजराइल से अबू सफिया और अन्य गिरफ्तार स्वास्थ्य कर्मियों (डॉक्टर्स) की तुरंत रिहाई की अपील की है और उनकी गिरफ्तारी को नैतिक और कानूनी अपराध बताया है. इजराइल को संदेह है कि सफिया एक हमास आतंकवादी ऑपरेटिव हैं. हाआरेत्ज अखबार के अनुसार, उन्हें गैरकानूनी लड़ाकू की कैटेगरी में रखकर हिरासत में रखा गया है.

# दुर्गापुर रेप केस पर बीजेपी का विरोध सड़कों पर

## > महिलाओं को बांटा लाल मिर्च पाउडर

**कोलकाता.**

भारतीय जनता पार्टी की पश्चिम बंगाल इकाई के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को राज्य में कानून-व्यवस्था बिगड़ने का आरोप लगाया और महिलाओं को आत्मरक्षा के लिए लाल मिर्च पाउडर बांटे।

यह कदम हाल ही में दुर्गापुर में मेडिकल छात्रा के साथ हुई सामूहिक बलात्कार की घटना के बाद उठाया गया है। भाजपा का यह अभियान साल्ट लेक के मेट्रो स्टेशन के पास शुरू हुआ, जिसे ऑपरेशन लाल मिर्च का नाम दिया गया है। पार्टी की महिला कार्यकर्ताओं ने महिला यात्रियों को लाल मिर्च पाउडर से भरे पैकेट बांटे और बताया कि ये आत्मरक्षा के लिए हैं।

महिला भाजपा कार्यकर्ता ने कहा, 'हम ये पैकेट माताओं और बहनों को वितरित कर रहे हैं ताकि वे अपनी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें। संदेश सरल है - हमें अपनी सुरक्षा स्वयं करनी है। अगर आवश्यक हो तो लाल मिर्च पाउडर और पेप्पर स्प्रे का उपयोग करना चाहिए।' प्रदर्शनकारियों ने कहा कि मुख्यमंत्री की वह टिप्पणी, जिसमें उन्होंने महिलाओं से देर रात बाहर न निकलने को कहा था, राज्य सरकार की महिला सुरक्षा में नाकामी को दिखाती है। हालांकि, बनर्जी ने स्पष्ट किया है कि उनकी टिप्पणियों को जानबूझकर तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया।

### छात्रावास नियमों का पालन जरूरी

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस घटना को स्तब्ध करने वाली बताते हुए कहा कि उनकी सरकार ऐसे अपराधों के प्रति शून्य-सहिष्णुता की नीति अपनाती है। उन्होंने कहा कि महिला छात्राओं, विशेष रूप से राज्य के बाहर की छात्राओं को छात्रावास के नियमों का पालन करना चाहिए और देर रात तक बाहर नहीं निकलना चाहिए क्योंकि पुलिस हर घर के बाहर पहरा नहीं दे पाएगी। उन्होंने संस्थानों से परिसर के अंदर और आसपास अपने छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने का भी आह्वान किया।

एक अन्य प्रदर्शनकारी ने कहा, '2025 में हम यह विचार स्वीकार नहीं कर सकते कि महिलाओं को देर रात तक बाहर नहीं जाना चाहिए।' एक महिला आईटी कर्मचारी ने कहा कि स्थिति वाकई चिंताजनक है। अगर एक महिला मुख्यमंत्री यह सुझाव दे रही हैं कि महिलाओं को देर रात तक बाहर नहीं निकलना चाहिए तो हम कैसे काम करेंगे?

मेरे कार्यालय का समय रात 10.30 बजे तक बढ़ जाता है। मुझे क्या करना चाहिए? ऐसे में मुख्यमंत्री को घर से काम करने की व्यवस्था करनी चाहिए। पश्चिम बर्धमान जिले के दुर्गापुर स्थित निजी मेडिकल कॉलेज की ओडिशा निवासी 23 वर्षीय छात्रा के साथ कुछ लोगों ने उस समय सामूहिक बलात्कार किया, जब वह शुक्रवार रात अपने दोस्त के साथ खाना खाने के लिए बाहर गई थी।